हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 11 खेल

क्लब चलाना कठिन रहा : बेंगलुरू एफसी ने उठाया बड़ा कदम, सुनिल छेत्री को भी नहीं...

Page 09 देश

मेरी बेटी अब कभी पाकिस्तान नहीं जायेगी, ज्योति मल्होत्रा के पिता ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

शुक्ल पक्ष, पूर्वाषाढ़ा, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • बुधवार • 06 अगस्त 2025 • वर्ष 27 • अंक 236 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन, 370 हटाने के समय थे जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल

जम्मू-कश्मीर, बिहार, गोवा और मेघालय समेत कई राज्यों के राज्यपाल रह चुके सत्यपाल मलिक का मंगलवार को दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया

एजेंसी | नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर, बिहार, गोवा और मेघालय समेत कई राज्यों के राज्यपाल रह चुके सत्यपाल मलिक का मंगलवार को दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे और 11 मई को हालत बिगड़ने के बाद उन्हें भर्ती कराया गया था। दोपहर 1:12 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। सत्यपाल मलिक का कार्यकाल विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में उनके कार्यकाल के लिए जाना जाता है। वे 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे और उन्हीं के कार्यकाल में 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को हटाया गया था। यह निर्णय देश के राजनीतिक इतिहास में मील का पत्थर माना गया।

2014 में बहुमत के साथ नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनकर आए तब सत्यपाल मलिक को 30 सितंबर 2017 को बिहार का राज्यपाल बनाया गया। क़रीब 11 महीने बिहार का राज्यपाल रहने के बाद अगस्त 2018 में उन्हें जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल नियुक्त किया गया।

सत्यपाल मलिक का जीवन कई महत्वपूर्ण भूमिकाओं से भरा रहा। वे ओडिशा के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी देख चुके थे। राजनीतिक ईमानदारी के लिए पहचाने जाने वाले मलिक ने अक्टूबर 2021 में एक सार्वजनिक मंच से यह दावा किया था कि जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल रहते उन्हें दो घोटालेबाजों से रिश्वत के तौर पर 150-150 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया था। बाद में इस बयान के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दो अलग-अलग भ्रष्टाचार मामलों में एफआईआर दर्ज की। एक मामला 60 करोड़ रुपए की बीमा योजना से जुड़ा था और दूसरा जम्मू-कश्मीर के कीरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में 2,200 करोड़ रुपए के ठेके को लेकर था। इसी मामले में सीबीआई ने 22 फरवरी 2024 को सत्यपाल मलिक के ठिकाने सहित दिल्ली के 29 अन्य स्थानों पर छापेमारी की थी। 22 मई 2025 को सीबीआई ने मलिक समेत पांच लोगों के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की थी।

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 93,700	₹ 1,13,000

आज का इतिहास

2005 : भारत और पाकिस्तान ने घोषणा की कि वे एक दूसरे को भविष्य के परमाणु मिसाइल ट्रेल्स की प्रारंभिक सूचना देने के लिए सहमत हुए हैं।

2010 : रात भर बादल फटने और भारी बारिश के कारण जम्मू-कश्मीर के उत्तरी भारतीय राज्य लद्दाख के एक बड़े हिस्से में बाढ़, मूसलडाइड और मलबे बह गए, जिससे कम से कम 255 लोग मारे गए।

न्यूज बाइट्स

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गौरव पार्क का शिलान्यास आज करेंगे मुख्यमंत्री

पटना (नि.सं.)। पटना के बांसघाट के समीप 'वेस्ट टू वंडर' थीम पर देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद बिहार गौरव पार्क का निर्माण होगा। बुधवार को इस पार्क का शिलान्यास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। लगभग 15 करोड़ की लागत से 10 एकड़ में बनने वाले इस पार्क में बेकार पदार्थों का उपयोग किया जाएगा। इस पार्क के बनने से पर्यटन एवं पर्यावरण दोनों को बढ़ावा मिलेगा। पथ निर्माण मंत्री नितिन नबीन ने कहा कि हमारा लक्ष्य पटना में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के नाम पर बन रहे बिहार गौरव पार्क को एक स्थायी और सांस्कृतिक रूप से जीवंत स्थान के रूप में विकसित करना है जहां आकर्षक मूर्तियां प्रदर्शित की जाएगी।

राजस्व महाअभियान की निगरानी को बना कोषांग

पटना (नि.सं.)। आगामी 16 अगस्त से 20 सितम्बर तक चलने वाले राजस्व महाअभियान के सफल संचालन, पर्यवेक्षण एवं नियमित अनुश्रवण के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने अनुश्रवण कोषांग यानी मॉनिटरिंग सेल का गठन किया है।

नीतीश कैबिनेट की बैठक में 36 एजेंडों पर लगी मुहर

भ्रष्टाचार पर अंकुश : अब योजनाओं की राशि सीधे खातों में, हर विधानसभा क्षेत्र में खुलेगी डिजिटल लाइब्रेरी

निज संवाददाता | पटना

बिहार के बच्चों और युवाओं की पढ़ाई को आसान और बेहतर बनाने के लिए मुख्यमंत्री डिजिटल लाइब्रेरी योजना (एमएमडीएलवाई) शुरू की है। इस योजना के लिए सरकार ने 94 करोड़ 50 लाख 47 हजार रुपए मंजूर किए हैं। अब राज्य के हर विधानसभा क्षेत्र में एक डिजिटल लाइब्रेरी सेंटर खोली जाएगी, ताकि छात्र और युवा ऑनलाइन पढ़ाई कर सकें और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए बिहार में साइकिल और छात्रवृत्ति का पैसा भी सीधे खातों में ट्रांसफर किया जाएगा।

सरकार ने स्कूली छात्राओं के लिए संचालित योजनाओं में उपस्थिति की शर्तें स्पष्ट कर दी हैं। मुख्यमंत्री किशोरी स्वास्थ्य योजना, मुख्यमंत्री साइकिल योजना और मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना के लाभ के लिए कक्षा 7वीं से 12वीं तक की छात्राओं को 1 अप्रैल से 31 जुलाई 2025 के बीच 75% उपस्थिति अनिवार्य होगी। मंगलवार को नीतीश कैबिनेट की बैठक में 36 एजेंडों पर मुहर लगी है।

बिहार शिक्षक बहाली में डोमिसाइल नीति लागू हो गई है। बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षाओं में अब बिहार के स्थानीय युवाओं को 84.4 प्रतिशत यानी लगभग 85 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। बिहार के किसी भी बोर्ड के मैट्रिक और इंटर परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को शिक्षा विभाग की नौकरियों में प्राथमिकता दी जाएगी। यह नियम शिक्षक के अलावा क्लर्क, लाइब्रेरियन की बहाली में भी लागू होंगे।

दिवाली-छठ पर बिहार आना होगा आसान पीपीपी मॉडल पर अंतरराज्यीय बस सेवा

» देश के तमाम राज्यों से दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ समेत अन्य त्योहारों पर बिहार आने वाले लोगों को सुविधा देने के लिए पीपीपी मोड पर अंतरराज्यीय बस परिवहन कराया जाएगा। जिससे त्योहारों पर लोगों को अपने घर आने के लिए दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम और निजी बस ऑपरेटरों से बस परिचालन के लिए 5 वर्ष के लिए एकरारनामा किया जाएगा। पांच वर्षों के लिए 35 करोड़ 64 लाख रुपये और योजना के सुचारू रूप से संचालन के लिए आकस्मिकता मद में योजना लागत 2 प्रतिशत यानी 71 लाख 28 हजार रुपये समेत 36 करोड़ 35 लाख 28 हजार रुपये व्यय किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7 करोड़ 27 लाख 6 हजार रुपये का व्यय बिहार आकस्मिक निधि से किया जाएगा। जिसके तहत निजी बस ऑपरेटरों को पीक सीजन में प्रति सीट 150 रुपये और ऑफ सीजन में 300 रुपये प्रति सीट प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। आपको बता दें बिहार सरकार के परिवहन विभाग ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम बंगाल से बिहार के लिए विशेष बस सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। बस सेवाओं के जरिए हर रोज करीब 3,000 यात्री बिहार आ-जा सकेंगे। इसके अलावा 150 अतिरिक्त एसी बसें पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत संचालित की जाएंगी।

बैठक में फिजिकल टीचर को 16 हजार रसोइया का मानदेय भी बढ़ा

बिहार कैबिनेट की बैठक में मिड डे मील रसोइया, रात्रि प्रहरी, शारीरिक स्वास्थ्य अनुदेशकों के मानदेय बढ़ाने पर मुहर लगा दी गई है। रात्रि प्रहरी को अब 5000 रुपये के बदले 10,000 रुपया मानदेय मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में 2 लाख 30 हजार से ज्यादा रसोइयों का मानेदय बढ़ाए जाने का ऐलान किया था। कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद अब उन्हें 1650 रुपये की बजाए 3300 रुपये मानदेय मिलेगा। इसी तरह फिजिकल टीचर का मानदेय 8000 रुपये से बढ़ाकर 16,000 किया गया है।

जिले में उद्योग के लिए जमीन अधिग्रहन को लेकर 284 करोड़ रुपये की स्वीकृति

औरंगाबाद जिले के कुटुम्बा अंचल में उद्योग के लिए जमीन अधिग्रहण को लेकर 284 करोड़ रुपये से ज्यादा की स्वीकृति प्रदान की गई है। कृषि विभाग में 712 पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई है। वहीं इसके अलावा बिहार शहरी आयोजना स्कीन नियमावली 2026 की स्वीकृति दी गई है। माध्यमिक तथा उच्च विद्यालयों में कार्यरत रात्रि प्रहरी के मानदेय में बढ़ोती को बिहार कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दे दी है। बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक (नियुक्ति, स्थानान्तरण अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशर्त) (संशोधन) नियमावली 2025 को भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

डोमिसाइल में नहीं चलेगा निवास प्रमाण पत्र : अपर मुख्य सचिव डा. एस सिद्धार्थ

अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने मंगलवार को नीतीश मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में बिहार शिक्षक भर्ती में डोमिसाइल नीति पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन छात्र-छात्राओं ने बिहार में रहकर मैट्रिक या इंटर की पढ़ाई की है, उन्हें ही डोमिसाइल नीति का लाभ मिलेगा। इसका सत्यापन डोमिसाइल सर्टिफिकेट से नहीं बल्कि 10वीं या 12वीं की मार्कशीट अथवा सर्टिफिकेट से किया जाएगा। यानी कि जिन अभ्यर्थियों की 10वीं या 12वीं की परीक्षा बिहार बोर्ड या राज्य के ही किसी सीबीएसई जैसे अन्य बोर्ड के स्कूल में रहकर दी है, तो ही उन्हें शिक्षक बहाली में डोमिसाइल का लाभ मिल पाएगा। अगर किसी अभ्यर्थी के पास बिहार का निवास प्रमाण पत्र है, लेकिन उसके मैट्रिक और इंटर पास का सर्टिफिकेट बिहार से बाहर का है, तो उसे डोमिसाइल का लाभ नहीं मिल पाएगा।

एक सितंबर से रजिस्ट्री सेवाएं बंद करने का निर्णय

डाकघरों में अब नहीं होगी रजिस्ट्री सिर्फ स्पीड पोस्ट का विकल्प

- **अब केवल सामान्य चिट्ठी-पत्री और स्पीड पोस्ट की ही सेवा मिलेगी। रजिस्ट्री की जगह स्पीड पोस्ट का उपयोग करना होगा।**
- **पहले 20 ग्राम तक की रजिस्ट्री के लिए 22 रुपये (जीएसटी सहित) लगते थे, अब उतने ही वजन के स्पीड पोस्ट के लिए 41 रुपये देने होंगे। वजन के अनुसार शुल्क और बढ़ेगा।**

निज संवाददाता | पटना

डाकघरों से अब रजिस्ट्री नहीं होगी। इसे डाक विभाग, बिहार सर्किल एक सितंबर से बंद करने जा रहा है। अब सामान्य चिट्ठी-पत्री के अलावा सिर्फ स्पीड पोस्ट का ही विकल्प मिलेगा। इसके लिए डाक निदेशालय ने सभी डाक विभाग को पत्र लिख कर जानकारी दी है। अबतक 20 ग्राम तक की रजिस्ट्री के लिए जीएसटी मिलाकर 22 रुपये लगते थे। अब उसी 20 ग्राम तक के स्पीड पोस्ट के लिए लोगों को 41 रुपये देने होंगे। इसके बाद वजन के अनुसार शुल्क भी बढ़ेगा। इसका सीधा असर आम

लोगों की जेब पर पड़ेगा। बिहार सर्किल की बात करें तो अभी सौ में 30 से 35 फीसदी रजिस्ट्री हो रही है।

इसमें ज्यादातर रजिस्ट्री विभिन्न कार्यालयों द्वारा होती थी। इसमें बैंक, बीमा कंपनी आदि शामिल हैं। डाक विभाग बिहार सर्किल की मानें तो एक सितंबर से रजिस्ट्री के विकल्प को हटा दिया जाएगा। इसके लिए राज्य के सभी 29 डिवीजन को अभी से तैयारी करने का निर्देश दिया गया है। सभी डाक घरों में आम जनता को जानकारी देने के लिए बैनर आदि लगायें जाएंगे। - 148 साल के बाद बंद हो जाएगी रजिस्ट्री डाकघरों में रजिस्ट्री की शुरुआत 1877 में हुई थी। यह दस्तावेजों की सुरक्षित डिलीवरी, ट्रैकिंग और डिलीवरी के प्रमाण के लिए था। इसका ज्यादातर उपयोग अदालत, बैंक, बीमा कंपनियां, विवि आदि में दस्तावेजों को भेजने के लिए किया जाता था। कोट एक सितंबर से रजिस्ट्री बंद कर दी जाएगी। इसके लिए निदेशालय से निर्देश आया है। अब लोगों को रजिस्ट्री के बदले केवल स्पीड पोस्ट का ही विकल्प मिलेगा।

आईआरसीटीसी: सात अगस्त को आएगा फैसला

पटना(नि.सं.)। आईआरसीटीसी होटल घोटाले में अब 7 अगस्त को फैसला आएगा। आज मंगलवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में फैसला सुनवाई हुई, जिसके बाद अब 7 अगस्त को इसपर फैसला आएगा। इससे पहले 29 मई को कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। सीबीआई के एडिशनल डायरेक्टर, राकेश अस्थाना ने बताया था कि लालू यादव रेल मंत्री थे, तब रेलवे के पुरी और रांची स्थित बीएनआर होटल को आईआरसीटीसी को ट्रांसफर किया था। इन्हें रख-रखाव और इम्प्रूव करने के लिए लीज पर देने की प्लानिंग थी। इसके लिए टेंडर विनय कोचर की कंपनी मेसर्स सुजाता होटल्स को दिए गए। टेंडर प्रोसेस में हेरा-फेरी किया गया था। टेंडर की प्रक्रिया आईआरसीटीसी के तत्कालीन एमडी पीके गोयल ने पूरी की थी। 17 जुलाई 2017 को सीबीआई ने लालू समेत 5 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इस विनय कोचर समेत अन्य आरोपियों के 12 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। सीबीआई के अनुसार, रेल मंत्री रहते लालू प्रसाद ने 2005-06 में कोचर बंधुओं को आईआरसीटीसी के 2 होटल (रांची, पुरी) लीज पर दिलाए। इसके बदले पटना में 3 एकड़ जमीन ली।

आठ अगस्त को माता सीता जन्मभूमि मंदिर का शिलान्यास : प्रो. रणबीर नंदन

निज संवाददाता | पटना

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को यह घोषणा करते हुए अपार हर्ष और गर्व की अनुभूति हो रही है कि 08 अगस्त 2025 को सीतामढ़ी के पवित्र पुनौरा धाम में जगदजननी माता सीता के भव्य मंदिर का भूमि पूजन और शिलान्यास ऐतिहासिक एवं दिव्य माहौल में संपन्न होगा। यह दिन न केवल मिथिला या बिहार के लिए, बल्कि पूरे भारतवर्ष के लिए आस्था, संस्कृति और गौरव का महापर्व सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि पुनौरा धाम वही पावन स्थल है, जहाँ मिथिला नरेश राजा जनक ने हल जोतते समय धरती से माता सीता को पाया था। इसी कारण यह भूमि सीता जन्मभूमि के रूप में विख्यात है। हमारे धर्मग्रंथों में वर्णित है कि माता सीता के प्राकट्य के समय पूरी मिथिला में उल्लास और उत्सव का वातावरण था। आज वही ऐतिहासिक क्षण एक नई ऊर्जा और दिव्यता के साथ पुनः साकार होने जा रहा है।इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्रीनीतीश कुमार मंदिर का शिलान्यास करेंगे। साथ ही बिहार के उपमुख्यमंत्रीगण सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा सहित राज्य मंत्रिमंडल के सभी मंत्रीगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण और देशभर से पधारे साधु-संत एवं हजारों श्रद्धालु इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार ने माता सीता जन्मभूमि के विकास हेतु लगभग 882 करोड़ का बजट स्वीकृत किया है।

इस परियोजना के अंतर्गत पुनौरा धाम को अयोध्या की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। विशाल मंदिर भवन के साथ ही धर्मशाला, तीर्थयात्री आवास, सांस्कृतिक केंद्र और धार्मिक पर्यटन सुविधाएं भी इस परिसर में निर्मित की जाएंगी। यह परियोजना केवल एक मंदिर तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का तीर्थस्थल बनाकर बिहार की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर स्थापित किया जाएगा। डॉ नंदन ने कहा किइस आयोजन के उपलक्ष्य में 7 अगस्त को पूरे बिहार में दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। घर-घर, मंदिरों, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप जलाकर माता सीता का स्वागत किया जाएगा, जिससे पूरा राज्य दिव्य आलोक से जगमगा उठेगा। अगले दिन 8 अगस्त को पुनौरा धाम में होने वाले शिलान्यास समारोह का सीधा प्रसारण राज्य के प्रमुख मंदिरों, सामुदायिक स्थलों और पंडालों में किया जाएगा। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्ति के उल्लास से यह अवसर ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बन जाएगा। माता सीता भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति, त्याग और मयार्दा की प्रतीक हैं। उनका यह भव्य मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं होगा, बल्कि हमारी संस्कृति, हमारी आस्था और हमारे गौरव का एक जीवंत प्रतीक बनेगा। यह आयोजन हमारी आत्मा और सांस्कृतिक मूल्यों के पुनरुद्धार का प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गौरवशाली विरासत बनेगा।

उत्तराखंड में फटा बादल, पूरा गांव जमींदोज, चार की मौत, 50 लापता

एजेंसी | उत्तरकाशी (उत्तराखंड)

उत्तराखंड के धराली में बादल फटने से खीर गंगा गांव बह गया है। घटना मंगलवार दोपहर 1.45 बजे की है। घटना के कई वीडियो और फोटोज सामने आए हैं। इनमें दिख रहा है कि पहाड़ी से बारिश का पानी और मलबा आया और 34 सेकेंड में पूरा गांव बहा ले गया। उत्तरकाशी के डीएम प्रशांत आर्या ने बताया कि अब तक 4 लोगों की मौत की खबर मिली है। 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। कई लोगों के दबे होने की खबर है। धरावी गांव देहरादून से 218 किमी और गंगोत्री धाम से 10 किमी दूर है। रेस्क्यू टीम एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के साथ आर्मी भी मौके पर पहुंच गई है। पानी का सैलाब देख लोग चीखने लगे पानी का सैलाब गांव की तरफ आते ही लोगों में चीख पुकार मच गई। कई होटलों में पानी और मलबा घुस गया है। धराली बाजार पूरी तरह तबाह हो गया है। कई होटल दुकानें ध्वस्त हो चुकी हैं। यहां पिछले 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है। सीएम धामी ने कहा कि हम हालातों पर नजर बनाए हुए हैं।

BAYC Institute स्थापित 1972

बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज

गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7

नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स

भारत का पहला कॉलेज

डॉक्टर बनें

एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

Proposed Green Campus in 60,000 Sq.Ft.

DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DEMS Electrohomeopathy Medicine
DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine | DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BEMS Electrohomeopathy Medicine
BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture | MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2 | अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) | MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार

Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised

DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES

एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।

कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त
अध्यक्ष

डा. अजय प्रकाश
सचिव

9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in

Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

मगध विश्वविद्यालय में 'मगध साम्राज्य एवं बौद्ध धर्म' पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

निज संवाददाता। बोधगया

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया में ताइवान के हुआफान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'मगध साम्राज्य एवं बौद्ध धर्म' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शशि प्रताप शाही ने की। हुआफान विश्वविद्यालय के प्रो. पोची हुंहांग के नेतृत्व में आए लगभग बीस सदस्यीय विद्वत् शिष्टमंडल ने इस शैक्षणिक संगोष्ठी में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक मगध विश्वविद्यालय के वरीय प्रोफेसर सुशील कुमार सिंह थे। इस अवसर पर कुल बारह शोध पत्रों का वाचन किया गया, जिनमें बुद्ध के विचारों का मगध में प्रसार तथा मगध से विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में बौद्ध संस्कृति के विस्तार पर विशेष प्रकाश डाला गया। प्रो. मनीष सिन्हा ने बोधगया में बहुविध बौद्ध संस्कृति के ऐतिहासिक विकास पर चर्चा की, जबकि श्री अरविंद महाजन ने मगध को बुद्ध के अस्तित्व की भूमि के रूप में व्याख्यायित किया। कुलपति प्रो. शाही ने अपने संबोधन में इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय समन्वय कार्यक्रमों की निरंतरता पर बल दिया तथा हुआफान विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक सहयोग के समझौते की संभावना भी व्यक्त की। कार्यक्रम के तीन सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः प्रो. शशि प्रताप शाही, प्रो. पोची हुंहांग तथा पाली विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ने की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बिनोद कुमार मंगलम ने इस प्रकार के आयोजनों को नियमित रूप से जारी रखने पर ज़ोर दिया, ताकि विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मानचित्र पर अपनी पहचान सुदृढ़ कर सके। प्रो. मुकेश कुमार ने बुद्ध के जीवन से प्रेरणा लेकर बौद्ध दर्शन के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक शंकर शर्मा ने किया, जबकि विभिन्न सत्रों में अस्मिता खलखो, डॉ. अल्का मिश्रा, तथा डॉ. चंद्र प्रकाश ने संचालन में सहयोग दिया।

सिद्धार्थ सिंह ने मेंडरिन भाषा में अनुवाद की भूमिका निभाई। इस संगोष्ठी के सफल आयोजन में डॉ. सत्येंद्र सिन्हा तथा विनय गोपाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह पूरा कार्यक्रम बौद्ध अध्ययन विभाग के तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें मगध को बौद्ध धर्म की जननी भूमि के रूप में सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

कांग्रेस कार्यालय में स्वागत समारोह सह समिति की हुई बैठक आयोजित

निज संवाददाता। गया जी

गयाजी का लाल कुणाल अग्रवाल ने कहा- भाजपा का पिंडदान गया जी में करेंगे

शहर के राजेंद्र आश्रम स्थित कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को स्वागत समारोह सह समिति की बैठक आयोजित की गई. इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस के नेताओं और समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मानित किया गया. साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव तथा राहुल गाँधी की पदयात्रा को लेकर तैयारी समिति की बैठक भी की गई. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गयाजी के जिलाध्यक्ष संतोष कुशवाहा ने की एवं संचालन नवाब अली ने किया. जिलाध्यक्ष ने कहा की हम सभी को हमारे जननायक राहुल गाँधी जी का हाँथ मजबुत करना हैं और S.I.R हो रही गड़बड़ियो को जमीनी स्तर पर जाकर दुरुस्त करना हैं. गयाजी का लाल कुणाल अग्रवाल ने कहा कि गया जी धरती केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि आत्मा की शांति और श्रद्धा का तीर्थ है। भगवान विष्णु की तपोभूमि है, यह गौतम बुद्ध की करुणा तक की गूंज है। गया की मिट्टी में धर्म भी है, दर्शन भी। लेकिन अफ़सोस-गया के लोग अब भी विकास की प्रतीक्षा में हैं। आज का यह अवसर मेरे लिए केवल एक राजनैतिक मंच नहीं है, बल्कि यह भावनात्मक और ऐतिहासिक क्षण है जहाँ से हम सब मिलकर गया जी के बदलाव की नींव रखने जा रहे हैं। आज इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी सम्मानित एवं आदरणीय पदाधिकारियों को सुनने का मौका मिला, सभी ने अपने विचार रखे मैं समझता हूँ कि सब के अंदर एक जज़्बा है कि हमारे जिलाध्यक्ष के अध्यक्षता में गया जी की सारी विधानसभा सीटें जीते, मैं इस जज्बे को सलाम करता हूँ, प्रणाम करता हूँ, इसी कड़ी में आप सभी के आशीर्वाद के साथ कुछ बातें जोड़ना चाहूंगा। सबसे पहले हम सभी भाइयो को मिलकर जो भी वोटर भाजपा एबं उनके द्वारा हाईजैक कर ली गयी संस्थाओ के षड़यंत्र के कारण वोटर लिस्ट में अपना नाम खो दिए है उनकी मदद करनी है ताकि उनका नाम वोटर लिस्ट में वापस आ सके, साथियो इसके लिए हमें हर वार्ड में कैंप लगाना होगा, हमें हर घर में दस्तक देनी होगी और सुनिश्चित करना होगा की एक भी वोटर न छूटे। दूसरी बात मेरा ऐसा मानना है की सिर्फ गयाजी के नाम के आगे जी लगा देने भर से कुछ नहीं होगा बल्कि गयाजी में विकाश की ऐसी गंगा बहानी होगी की खुद व खुद लोगो के अंदर एक सम्मान की भावना आये, तभी हम एक मुक्कमल गयाजी की परिकल्पंना कर सकते है । तीसरी और सबसे अहम बात हम सबके प्रेरणाश्रोत हमारे नेता राहुल गाँधी ने न्याय के साथ विकास की बात कही है, हम सभी को उसी पथ पर मजबूती के साथ चलना है हमें ये सुनिश्चित करना है की विकास हमारा मुद्दा है लेकिन न्याय के साथ। इस विकास के क्रम में कही हमारा कोई भी पीछे न छूटे उनके साथ अन्याय न हो। राहुल गांधी जी की पदयात्रा – न्याय के साथ भारत 17 अगस्त से राहुल जी की "न्याय के साथ भारत यात्रा" शुरू हो रही है, 18 अगस्त को गया जी पधार रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन एवं जम्मू कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मल्लिक को एक मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजली दी गयी. कार्यक्रम में कांग्रेस के कई दिग्गज नेतागण कार्यकारी अध्यक्ष सहाबुद्दीन रहमान जी, उदय मांझी जी, नैना देवी जी, सुमंत कुमार सिंह जी, मोहम्मद ताजुद्दीन जी, खालिद अमीन जी, विद्या शर्मा जी, जुगल किशोर जी, अजय कुमार जी, बुद्धसेवक जी, रंजीत कश्यप जी, राम प्रमोद जी, विजय कुमार सिंह जी, चन्द्रिका प्रसाद यादव जी, इस्तेयाक जी, गया के पूर्व प्रत्याशी प्रियरंजन डिंपल जी, अमित जी, रंजीत कश्यप जी, साजिद जी, रामजी मांझी जी, शाहिद ईमान जी, विजय कुमार मिठू जी, धर्मेंद्र कुमार निराला जी, शिव कुमार चौरसिया जी, दीपक कुमार दीप जी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

गया के गरारी पंचायत की युवा महिला मुखिया को पीएमओ से 15 अगस्त का आया बुलावा, जाएगी दिल्ली

गया जी। गया के टिकारी प्रखंड अंतर्गत गरारी पंचायत की युवा मुखिया पूजा कुमारी को पीएमओ कार्यालय से बुलावा आया है. प्रधानमंत्री कार्यालय के द्वारा 2025 के स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर महिला मुखिया को बुलाया आया है. पीएमओ कार्यालय से इस बुलावे के बाद पूजा कुमारी काफी खुश है. वह बताती है कि यह हमारे लिए नहीं बल्कि सभी के लिए गौरव का पल है. बताया कि 2021 में पहली बार चुनाव लड़ा था. बिहार में सबसे कम उम्र की मुखिया बनी थी. हालांकि उम्र के मामले को लेकर कोर्ट द्वारा उनका निर्वाचन रद्द कर दिया गया था, जिसके बाद फिर से चुनाव हुआ था और वह फिर से मुखिया के पद पर जीती थी. फिलहाल गरारी पंचायत की मुखिया पूजा कुमारी को पीएमओ से बुलावा आया है. प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से विशेष आमंत्रण मिलने को लेकर गरारी पंचायत में काफी खुशी का माहौल है.

वजीरगंज में विधायक ने किया 15 सड़कों के पुनर्निर्माण का शिलान्यास

सिटी रिपोर्टर/वजीरगंज । वजीरगंज के अलग-अलग गावों में विधायक वीरेन्द्र सिंह ने मंगलवार को 15 सड़कों के पुनर्निर्माण का शिलान्यास किया। क्षेत्र के जिन सड़कों की स्थिति दयनीय हो चुका था, उसे मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत नये ढंग से बनाया जायगा। विधायक वीरेन्द्र सिंह ने बिच्छा एवं रामपुर में सड़क शिलान्यास मौके पर कहा कि क्षेत्र के कुर्कीहार से कौआखोह, सहिया से गैरैया, गया नवादा रोड से गैरैया, जमुआवां से टीकर, तिलोरा रोड से मखदुमपुर, गया फतेहपुर रोड से उसरी, अमैठी रोड से उमन बिगहा, गया नवादा रोड से अड़वां, बिच्छा रोड से रामपुर, गया नवादा रोड से ईसरपुर, गया नवादा रोड से मलठिया से देवाचक, पिपरा से कोरिआँटी, भिंडस चनंडिह रोड से पहाड़पुर, वजीरगंज फतेहपुर रोड से चंदा खुर्द की सड़कों का पुनर्निर्माण लगभग 19 करोड़ की लागत योजना राशि से कराया जा रहा है, जिसका आज शिलान्यास किया गया। मौके पर भाजपा नेता छोटू दास, विनय सिंह, सतिश सिन्हा, मुखिया अशोक पासवान, विकास कुमार, संजय सिंह, परमानन्द प्रसाद सहित स्थानीय भाजपा समर्थक व ग्रामीण मौजूद रहे। फोटो :- वजीरगंज में मंगलवार पथरीरा सड़क पुनर्निर्माण का शिलान्यास करते विधायक वीरेन्द्र सिंह व मौके पर उपस्थित अन्य लोग

भाजपा के पंचायत अध्यक्षों के कार्यशाला में बूथ सशक्तिकरण पर दिए गए निर्देश

गयाजी। मानपुर प्रखंड स्थित बैठक का किया गया आयोजन। भाजपा मानपुर दक्षिणी मंडल के तीन पंचायतो की संयुक्त कार्यशाला मुफस्सिल मोड़ के पास एक निजी भवन में मंडल अध्यक्ष रंजन सिंह कि अध्यक्षता में सफलता पूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य क्षितिज मोहन सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मजबूत बूथ ही जीत का आधार हैं। इस बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा जन-जन तक भाजपा की नीतियों को पहुँचाने के लिए बूथ सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर निर्देश दिए। साथ ही यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को तथ्यों के साथ जनता के बीच रखा जाय। बैठक में उपस्थित वजीरगंज विधानसभा प्रभारी चौधरी ने कहा कि कार्यशाला केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि हमारे संगठन की जड़े मजबूत करने का एक संकल्प है। हमें याद रखना होगा कि चुनावी विजय की नींव बूथ पर ही जाती है। इसलिए हमें प्रत्येक बूथ को सशक्त बनाना होगा।आज हम यह संकल्प लें कि हर बूथ मजबूत होगा, हर कार्यकर्ता जागरूक होगा और यही भाजपा की विजय का मंत्र बनेगा। कार्यशाला में विधानसभा प्रभारी दीपक पांडे केंद्रीय टीम से प्रशिक्षण देने आए वरुण पांडे, विशाल विश्वकर्मा, टिंकू सिंह श्याम सिंह, अशोक कुशवाहा, सोनू कुमार, राजेश शर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आजादी के 78 वर्ष बाद कैलूडीह गांव जाने के लिए नहीं बना सड़क

- गांव में नहीं पहुंची विकास की किरण
- ग्रामीण मुख्यमंत्री से सड़क बनाने के लिए लगाया गुहार

टनकुप्पा। प्रखंड का एक ऐसा गांव जहां आजादी के 78 वर्ष बाद भी विकास की किरण नहीं पहुंच पाई है। सड़क के लिए ग्रामीण आज तक किसी तारणहार के आने का इंतजार कर रहे है। गांव की दुर्दशा को देखकर सभी का मन दुखी हो जाएगा। एक तरफ सरकार गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने हेतु पक्की सड़क निर्माण का जाल बिछाने का राग अलाप रही है। वहीं दूसरी ओर कैलूडीह जाने वाली सड़क की हालत देखकर सड़क की जाल बिछाने का राग झूठा साबित हो रही है। सड़क बनाने सहित गांव में नली, गली, नलजल की सुविधा के लिए किसके पास जाए। ग्रामीण मुखिया, विधायक, सांसद, जिलाधिकारी सहित अन्य के पास गुहार लगा चुका है। लेकिन किसी ने एक नहीं सुना। अब ग्रामीणों को मुख्यमंत्री से सड़क बनाने का उम्मीद शेष रह गया है। ग्रामीण मुख्यमंत्री से त्राहिमाम का गुहार लगाते हुए सड़क बनाने का मांग किया है। कैलूडीह गांव के विक्रम कुमार, सत्येंद्र यादव , कृष्णकांत यादव राजदेव यादव, कामेश्वर यादव, महेश कुमार, विक्रम कुमार, पप्पू कुमार ने बताया कि मुख्य सड़क से गांव की दूरी दो किलोमीटर है। वर्षात के दिनों में कच्ची सड़क की अवस्था खतरनाक बन जाती है। पैदल चलना कष्टमय हो जाता है। सड़क के कारण शादी विवाह में अड़चन उत्पन्न होती है। नए अतिथि सड़क को देखकर भड़क जाते है। बच्चो को भी कच्ची सड़क में पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता है। गांव में बिजली व्यवस्था को छोड़कर विकास का कोई काम नहीं हुआ है।

शराब तस्करों को पकड़ने गई पुलिस की टीम पर हमला, रोड़ेबाजी में एएसआई घायल, चार महिलाओ को किया गिरफ्तार

निज संवाददाता। गया जी

बिहार के गया जी में शराब पकड़ने गई पुलिस की टीम पर हमला हुआ है. इस हमले में पुलिस जमादार घायल हो गया है. शराब तस्करों की ओर से की गई रोड़ेबाजी में पुलिस जमादार घायल हुआ. घटना की जानकारी के बाद पुलिस की अतिरिक्त टीम पहुंची और कार्रवाई में जुट गई है. गया जी के फतेहपुर थाना अंतर्गत बड़की कुरही गांव में यह घटना घटी है. जानकारी के अनुसार बीते देर रात को फतेहपुर थाना की पुलिस शराब तस्करो के घर पर छापेमारी करने को पहुंची थी. पुलिस की छापेमारी को देख शराब तस्करों की ओर से पुलिस पर हमला बोल दिया गया. इस दौरान जमकर ईट रोड़े चलाए गए. इस घटना में फतेहपुर थाने के सहायक पुलिस अवर निरीक्षक घायल हो गए हैं. घायल सहायक पुलिस अवर निरीक्षक का नाम मनोज कुमार है, इन्हें सिर में गंभीर चोटें आई है. अचानक इस तरह हमले के बाद पुलिस की टीम को संभलने का मौका नहीं मिला. इस बीच हमले मे घायल एएसआई मनोज कुमार को किसी तरह से बचाते हुए एक ओर ले गए और फिर पुलिस वाहन में बैठाकर पुलिस की टीम वापस लौटी. इसके बाद घायल एएसआई को अस्पताल में भर्ती कराया गया. वहीं, पुलिस की बाद की कार्रवाई में चार महिलाओ पकडा गया है. चार महिलाओं को पकड़ने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है. सभी से पूछताछ हो रही है.

पुलिस पर हमले की घटना के बाद गांव के अधिकांश पुरुष फरार हो गए हैं. वहीं, घर में महिलाएं बची है. इस बीच पुलिस की कार्रवाई में चार महिलाओं को पकड़ा गया है और उन्हें थाने लाया गया. पुलिस महिलाओं से पूछताछ कर रही है. बीते दिन फतेहपुर के रास्ते ऑटो से तस्करी किए जा रही 450 लीटर शराब को पुलिस ने बरामद किया था. मौके से सन्नी कुमार केनार निवासी को गिरफ्तार किया गया था. गिरफ्तार ऑटो चालक ने पुलिस को बताया था, कि कुहरी के रहने वाले अजय कुमार का शराब है, जो कि शराब तस्करी में संलिप्त है. इसी के आधार पर पुलिस शफेमारी को पहुंची थी. इस दौरान पुलिस हमला हुआ . फतेहपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब की तस्करी होने की सूचना के बाद फतेहपुर थाना की पुलिस कुहरी गांव में पहुंची थी. इस दौरान शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई थी, कि अचानक हमला कर दिया गया. इस घटना में एक एएसआई घायल हो गए है. चार लोगों को फिलहाल हिरासत में लिया गया है।

गयाजी में पत्नी की हत्या मामले में पति गिरफ्तार

निज संवाददाता। गया

- घरेलू विवाद में कुल्हाड़ी से सिर पर किया था वार, अस्पताल में हुई मौत

गयाजी जिले के नक्सल प्रभावित रौशनगंज थाना क्षेत्र से पुलिस पत्नी की हत्या मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को रामाशीष यादव ने कुल्हाड़ी से वार करके पत्नी गुंजा देवी को मौत के घाट उतार दिया था। घटना मेगनाडीह की है। शनिवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि एक महिला के साथ पति ने मारपीट की है। पुलिस मौके पर पहुंची तो महिला गंभीर रूप से घायल थी। इलाज के लिए पहले बांके बाजार पीएचसी और फिर मगध मेडिकल कॉलेज गया ले जाया गया। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

छपेमारी कर पुलिस ने पकड़ाः मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। शेरघाटी एसडीपीओ और रौशनगंज थानाध्यक्ष के नेतृत्व में छापेमारी टीम बनाई गई। एफएसएल और तकनीकी टीम को भी मौके पर भेजा गया। मानवीय और तकनीकी इनपुट के आधार पर छापेमारी करते हुए पुलिस ने आरोपी पति रामाशीष यादव को गिरफ्तार कर लिया।

गुस्से में कुल्हाड़ी से माराः पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि पारिवारिक विवाद के बाद गुस्से में आकर पत्नी के सिर पर धारदार हथियार कुल्हाड़ी से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। कांड संख्या 119/25 के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दोनों के बीच अक्सर विवाद होता थाः हत्या की वजह पति-पत्नी के बीच अक्सर होने वाले घरेलू विवाद सामने आया है।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने स्टेट हाईवे 70 किया जाम, दो घंटे ठप रहा आवागमन

टायर जलाकर और टेंपो खड़ा कर किया प्रदर्शन, मौके पर पहुंचे पुल निगम के एसडीओ ने दिया आश्वासन

ढाढ़र नदी पर पुल निर्माण के बाद दोनैया जाने वाली लिंक रोड नहीं बनने से आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को स्टेट हाईवे-70 को जाम कर दिया। ग्रामीणों ने सड़क पर टायर जलाकर और टेंपो खड़ा कर प्रदर्शन किया। यह जाम सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ और 12:30 बजे प्रशासन की पहल पर समाप्त हुआ। ग्रामीणों का कहना था कि पुल निर्माण के बाद दोनैया सहित दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली पुरानी लिंक रोड अब तक नहीं बनी है। बरसात के मौसम में कीचड़ और जलजमाव के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। पुल निगम और संवेदक की लापरवाही से तंग आकर ग्रामीणों ने सड़क जाम करने का निर्णय लिया। जाम के कारण हाईवे पर दोनों ओर लंबी वाहनों की कतारें लग गईं और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही फतेहपुर थाने की पुलिस और अंचल अधिकारी (सीओ) मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण पुल निर्माण निगम के एसडीओ को बुलाने की जिद पर अड़े रहे। कुछ समय बाद पुल निगम के एसडीओ आकाश वीर मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को जल्द सड़क निर्माण का आश्वासन दिया। एसडीओ ने कहा, "अगर दो दिन तक वर्षा नहीं हुई तो पीसीसी सड़क की ढलाई कर दी जाएगी। और यदि वर्षा होती है तो तत्काल मोरंग और भिस डालकर सड़क को चालू किया जाएगा।" एसडीओ की इस बात पर ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त कर दिया।

वजीरगंज के नवादा टाल में व्यक्ति डूबा, देर संध्या तक होती रही तलाश

सिटी रिपोर्टर/वजीरगंज

प्रखंड के सकरदास नवादा पंचायत अंतर्गत नवादा टाल में डाक स्थान के निकट मंगलवार की दोपहर लगभग 1 बजे एक व्यक्ति डूब गया, जिसे देर संध्या तक निकाला नहीं जा सका। वहीं पदाधिकारियों को स्थल पर बुलाने के लिये भिंडस-चनंडिह रोड को सैंकड़ो ग्रामीणों ने बाधित कर दिया। पंचायत मुखिया मुन्ना कुमार ने बताया कि अतरी थाना क्षेत्र अंतर्गत बंसी बिगहा निवासी 30 वर्षीय टिंकू मांझी अपने ससुराल सकरदास नवादा महादलित टोला में अपने ससुराल जमाहिर मांझी के यहां आया हुआ था और स्नान करने के समय डूब गया। जिसके बाद पुलिस प्रशासन एवं सीओ को मामले की जानकारी दी गई। थानाध्यक्ष एवं सीओ तो स्थल पर पहुंचे लेकिन खबर करने के बावजूद संध्या छः बजे तक एसडीआरएफ की टीम घटना स्थल पर नहीं पहुंच सकी। वहीं क्षेत्र भ्रमण पर निकले वजीरगंज विधायक वीरेन्द्र सिंह भी स्थल पर पहुंचे तथा जिलाधिकारी व अन्य पदाधिकारियों से बात कर घटना की जानकारी दी और जल्द से जल्द उसे ढुंढने का निर्देश दिया। साथ में रहे जिला पार्षद छोटू दास ने बताया कि पांच घंटे बाद साढ़े छः बजे जाम खुला और आवागमन सामान्य हो गया, परन्तु सात बजे तक कोई गोताखोर टीम स्थल पर नहीं पहुंची, सभी लोग टीम के इंतजार में जुटे रहे। ग्रामीणों के अनुसार टाल की मुख्य गहराई लगभग 40 फीट होगी, जिसके कारण कोई स्थानीय ग्रामीण भी उसमें उतरने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। वहीं खबर लिखे जाने तक विधायक और उनके साथ रहे पूरी टीम स्थल पर रूकी रही, लेकिन देर संध्या तक डूबे हुए व्यक्ति का पता नहीं चल पाया। सीओ दिलीप कुमार ने बताया कि सात बजे एसडीआरएफ की टीम आ गई और लाइट की व्यवस्था की जा रही है, उसके बाद हीं उसे ढूंढने का कार्य किया जाएगा।

डोमिसाइल नीति पलायन को रोकेगा - पुष्पेंदु दांगी

पटना। बिहार में डोमिसाइल नीति लागू होने से राज्य के युवाओं को कई महत्वपूर्ण फायदे मिल सकते हैं। यह नीति विशेष रूप से सरकारी नौकरियों में बिहार के युवाओं को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से बनाई गई है।डोमिसाइल नीति का मतलब है, कि किसी राज्य की सरकारी नौकरियों में उस राज्य के मूल निवासियों को प्राथमिकता दी जाए। यह विचार सदस्य प्रदेश राजनीतिक सलाहकार समिति पुष्पेंदु दांगी ने दिया। जदयू नेता पुष्पेंदु दांगी ने कहा कि बिहार सरकार ने इसे शिक्षक भर्ती परीक्षाओं (TRE-4 और TRE-5) में लागू किया है। शिक्षक भर्ती में 98% पद बिहार के मूल निवासियों के लिए आरक्षित होंगे और बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों की भागीदारी सीमित होगी, जिससे प्रतियोगिता कम होगी। जिन युवकों ने बिहार में पढ़ाई की है, जिनके माता-पिता बिहार के निवासी हैं, या जिनकी संपत्ति बिहार में है , उन्हें सीधे सीधे लाभ मिलेगा।बिहार के युवकों को नौकरियों में अवसर मिलने से पलायन रुकेगा और राज्य में रोजगार दर बढ़ेगी।स्थानीय शिक्षक नियुक्त होने से स्कूलों में स्थायित्व आएगा और शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होगी।लंबे समय से छात्र मांग कर रहे थे कि बिहार की नौकरियों में बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों को रोका जाए। यह नीति उनकी भावनाओं का सम्मान करती है। नीतीश सरकार की पूरी कोशिश है कि डोमिसाइल नीति को पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ लागू की जाए। आगे चलकर इस नीति को पुलिस, प्रशासन जैसे क्षेत्रों में भी विस्तार किया जाएगा। बधाई देने वालों में विनोद कुमार, जितेंद्र दास, सोनम दास, पूनम कुशवाहा, प्रकाश राम पटवा, ज्योति दांगी ,अवध बिहारी पटेल, अनिल पटेल, अरुण राव, सुरेश राव, सुरेश विद्यार्थी, संजय चंद्रवंशी, नीतीश दांगी, सुरेंद्र चंद्रवंशी, भरत शर्मा, फिरोज अंसारी, अमरेश सिंह आदि हैं।

पूर्व मध्य रेल

ई–ऑक्शन सूचना

ई–ऑक्शन सूचना सं.:– Com/Pay & Use/ BKP-BRYA-PNC/25

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेल, दानापुर मंडल द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है:– **1. कार्य का नाम, स्थान व अवधि:** बख्तियारपुर, बड़हिया और पटना साहिब रेलवे स्टेशन पर स्थित पे एंड यूज टॉयलेट कॉम्प्लेक्स का तीन वर्षों (03) की अवधि के लिए अलग–अलग संचालन एवं रख–रखाव का अनुबंध। **2. साइट की स्थिति: (1)** बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं. 01 पर स्थित **(2)** बड़हिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं. 01 के दिल्ली इंड की ओर स्थित दो नम्मा शौचालय काम्पलेक्स। **(3)** पटना साहिब रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं. 01 पर स्थित। **3. अनुबंध की अवधि:** तीन (03)वर्ष **4. केटलॉग संख्या:** Com-PnU-SEPT-25 **5. लॉट संख्या: (i) AA/1:** PnU-DNR-BKP-Toi-14-24-1(Pay and Use-Toilets) **(ii) AA/2:** PnU-DNR-BRYA-Toi-30-24-1 (Pay and Use-Toilets) **(iii) AA/3:** PnU-DNR-PNC-Toi-16-24-1 (Pay and Use-Toilets) **6. ई–ऑक्शन की तिथि व समय:** दिनांक 18.08.25 को 12:00 बजे से 12:50 बजे तक। (प्रारंभिक कूलिंग ऑफ की अवधि 30 मिनट एवं लगातार लॉट का समापन अंतराल 10 मिनट है।) **7. वेबसाईट जहाँ ई–ऑक्शन का पूर्ण विवरण उपलब्ध है:** www.ireps.gov.in

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य),
पूर्व मध्य रेल, दानापुर

पीआर/0721/डीएनआर/वाणि./एन/25–26/48

संक्षिप्त समाचार

सिंचाई विभाग की भूमि पर अतिक्रमण

नासरीगंज (रोहतास) (नि. सं.)। नासरीगंज थाना क्षेत्र के मौना गांव में सिंचाई विभाग की भूमि पर अतिक्रमण करने वाले उक्त गांव के 47 लोगों पर कार्यापालक अभियंता सोन अवर प्रमंडल बिकमगंज ने स्थानीय थाने में प्राथमिकी कराया है। इस सम्बंध में प्राथमिकी को ले थाने को दिए आवेदन में कार्यापालक अभियंता ने कहा है कि सिंचाई विभाग की 15.63 एकड़ भूमि, जिसका खाता संख्या 450, खेसरा 1802, रकबा 15.63 एकड़ भूमि पर मौना गांव के लगभग चार दर्जन लोग दुकान मकान बनाकर अतिक्रमण किये हुए हैं। इस सम्बंध में उसी गांव के निवासी फुरकान अहमद ने न्यायालय में रीट याचिका सिडब्लूजेसी 4608/2025 दायर किया था जिसके आलोक में राजस्व कर्मी के जांच व अंचलाधिकारी के प्रसांगिक पत्र के आलोक में उक्त भूमि पर उक्त गांव के लोगों का अतिक्रमण पाया गया है तथा सभी अतिक्रमणकारियों को चिंहित कर अतिक्रमण हटाने को ले नोटिस भी निर्गत किया गया है, लेकिन अभी तक कोई संज्ञान उनके द्वारा नहीं लिया गया है। सिंचाई विभाग के कार्यापालक अभियंता ने उक्त भूमि को अतिक्रमण करने पर भूमि अतिक्रमण अधिनियम 1950 की धारा तीन के अंतर्गत नोटिस भी सभी पर निर्गत की गई है।बावजूद इसके अतिक्रमणकारियों ने कोई संज्ञान नहीं लिया है। सहायक अभियंता ने शिघ्र अतिकर्मित भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने को ले 47 लोगों पर नामजद प्राथमिकी कराया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि प्राथमिकी कर पुलिस जांचमें जुट गई है।

गोलीकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

काराकाट (रोहतास) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के मंगरा गांव में पैसे के लेनदेन को लेकर हुए गोलीकांड के मामले में पुलिस ने एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि यह मामला काराकाट थाना कांड संख्या 364/25, दिनांक 16 जुलाई 2025 को दर्ज किया गया था। उस समय पुलिस को सूचना मिली कि मंगरा गांव में पैसे के पुराने विवाद को लेकर रोहित कुमार (पिता – सुनील सिंह) को उसके ही दो साथियों ने गोली मार दी थी। घटना के बाद पीड़ित के परिजनों ने दो लोगों को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विगत उसी शाम को गुप्त सूचना के आधार पर काराकाट थाना क्षेत्र के चिकसिल-दुआरी रोड के पास एक मंदिर के नजदीक से रितेश कुमार उर्फ बघवा को गिरफ्तार की थी। रितेश की निशानदेही पर पुलिस ने मंगरा गांव के एक पुराने खंडहरनुमा हाता से घटना में इस्तेमाल किया गया एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद की गई थी। उन्होंने बताया कि आज दूसरा फरार आरोपी मनोज सिंह के पुत्र वेदा कुमार को भी गिरफ्तार कर ली गई हैं। जिसे न्यायिक हिरासत में भेज दी गई है।

सेवा भाव मेरा कर्तव्य है मुन्ना चंद्रवंशी

सासाराम (रोहतास) (नि.सं.)। जहां समाजसेवी ने इन दोनों लोगों के बीच निस्वार्थ भाव से सेवा करने में जुटे हुए हैं। इस दौरान समाजसेवी मुन्ना चंद्रवंशी ने जात पात धर्म को छोड़कर निस्वार्थ सेवा करने के लिए बेड़ा उठा लिया है। उन्होंने कहा कि चाहें किसी भी धर्म के लोग हो मैं उन लोगों के लिए निस्वार्थ सेवा प्रदान करते हैं। उनका कहना है की जात-पात धर्म से हटकर मानवता को पहली प्राथमिकता देनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने साफ लहजे में कहा कि परमात्मा एक है। सभी धर्म को निस्वार्थ सेवा करने में संतुष्टि होती है। इस दौरान उन्होंने बताया कि सनातन धर्म के अलावे मुस्लिम समुदाय के लोगों को संदेश देते हुए कहा कि मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना। इस तर्ज पर उन्होंने लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि मुझे राजनीतिक मैं कोई दिलचस्प नहीं है। सिर्फ समाज में लोगों को जागरूक करना मेरा लक्ष्य है।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने वारंटी को की गिरफ्तार

कोचस (रोहतास) (नि.सं.)। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने सोमवार को एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पूर्व मामले में फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार कर

डीएम ने किया दैनिक जनता दरबार का आयोजन

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

जिले की जनता की समस्याओं को सीधे तौर पर सुनने और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को रोहतास की जिलाधिकारी उदिता सिंह द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में दैनिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। यह दरबार न केवल प्रशासन और आम जनता के बीच सेतु का कार्य कर रहा है, बल्कि शासन की संवेदनशीलता और पारदर्शिता को भी दर्शा रहा है। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग अपनी-अपनी शिकायतों और समस्याओं को लेकर पहुंचे। किसी ने जमीन पर अवैध कब्जे की बात रखी, तो किसी ने राजस्व रिकॉर्ड में गड़बड़ी की शिकायत की। वहीं, कुछ लोगों ने अतिक्रमण और सरकारी योजनाओं से वंचित रहने की बात भी रखी। जिलाधिकारी ने सभी मामलों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। एक मामले में एक ग्रामीण ने अपने निजी जमीन पर हुए अतिक्रमण की शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल संबंधित अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी को मौके पर जाकर जांच करने और अवैध कब्जा हटाने की स्पष्ट और सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि, 'जनता दरबार आमजनों की सीधी सरकार से जुड़ाव की प्रक्रिया है, इसका मुख्य उद्देश्य है जन समस्याओं का संवेदनशील, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान।' उन्होंने अंचल अधिकारियों से कहा कि सभी भूमि विवादों, अवैध कब्जों और जमाबंदी संबंधी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करें। साथ ही थाना प्रभारियों को यह निर्देश दिया गया कि वे जनता दरबार में मिले शिकायतों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें और संबंधित मामलों की रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराएं। जनता दरबार में राजस्व, भूमि सुधार, सामाजिक सुरक्षा, बिजली, जलापूर्ति, पेंशन, आवास, सड़क मरम्मत जैसे तमाम विषयों से जुड़ी समस्याओं को सुना गया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनहित से जुड़े मामलों को अनदेखा न करें और तुरंत कार्रवाई करें। इस दौरान कई आवेदकों ने जिलाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता दरबार जैसी व्यवस्था से उन्हें सीधे अपनी बात कहने का अवसर मिलता है और इससे समाधान की उम्मीद बढ़ती है। जिला प्रशासन द्वारा ऐसे जनता दरबार का नियमित आयोजन यह सुनिश्चित करता है कि आमजन की समस्याएं सिर्फ सुनी ही नहीं जाएं, बल्कि उन पर ठोस कार्यवाही भी हो।

प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सरकारी संस्थाओं की तरह फीस लेने के फैसले पर लगी रोक

निज संवाददाता | पटना

पटना हाईकोर्ट ने राज्य के विभिन्न निजी मेडिकल कालेजों में फीस पचास फीसदी सीटों पर सरकारी मेडिकल कालेजों के तरह लिए जाने के मामलें पर सुनवाई की। जस्टिस अनिल कुमार सिन्हा ने लार्ड बुद्धा कोशी मेडिकल कालेज एंड हॉस्पिटल, सहरसा और अन्य मेडिकल कॉलेज की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में 29 जुलाई, 2025 को जारी पत्र पर रोक लगा दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार व एनएमसी को छः सप्ताह में जवाब देने का निर्देश दिया है। याचिकार्ता के अधिवक्ता श्री रौशन के द्वारा बताया गया कि याचिका में ये कहा गया कि राज्य सरकार ने 29 जुलाई, 2025 को एक पत्र जारी किया। इसमें ये कहा गया है कि इन निजी मेडिकल कालेजों में पचास सीटों पर सरकारी मेडिकल कालेज की तरह फीस लिया जाये। इससे निजी मेडिकल कालेजों के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न हो गया है। राज्य सरकार ने ये व्यवस्था इसी सत्र से प्रारम्भ करने का निर्देश दिया है।इन कालेजों के प्रबंधकों का कहना है कि यदि इन मेडिकल कालेजों में सरकारी मेडिकल कालेजों की तरह फीस लेने से जो आर्थिक नुकसान होगा,उसे निजी मेडिकल कालेजों के छात्रों की फीस दोगुनी कर भरपाई करना पड़ेगा। उनका कहना है कि एनएमसी का उद्देश्य मेडिकल शिक्षा लाभ के लिए नहीं के सिद्धांत पर चलाना है। इन निजी मेडिकल कालेजों के संचालकों का कहना है कि इन निजी मेडिकल कालेजों को व्यवस्थित ढंग से सालाना सौ करोड़ रुपये का खर्च है। उन्होंने बताया कि यदि पचास फीसदी सरकारी मेडिकल कालेजों के तरह छात्रों का नामांकन फीस लिया जायेगा।

अभिनव कला संगम उपाध्यक्ष को मातृशोक

डेहरी (रोहतास) (नि.सं.)। अभिनव कला संगम उपाध्यक्ष ओम जी यादव की मां के निधन पर संस्था सदस्यों समेत विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। बताते चलें कि ओम जी यादव पुलिस निर्माण निगम के सफल संवेदक के साथ- साथ अभिनव कला संगम के उपाध्यक्ष हैं। उनकी 90 वर्षीय मां रामसखी देवी का निधन डालमियानगर स्थित मथुरापुर कॉलोनी आवास पर हो गई है। परिजनों ने उनका अंतिम संस्कार कछवा थाना क्षेत्र के सोनी टोला गांव पर हुआ है। मृतक रामसखी देवी के बड़े पुत्र अनिल कुमार, ओम जी यादव व सुनील कुमार समेत परिजन शोकाकुल हैं। परिजनों ने बताया कि कुशल व्यवहार के साथ उनका व्यक्तित्व के सभी कायल थे। शोक व्यक्त करने वालों के अभिनव कला संगम अध्यक्ष कमलेश कुमार, संरक्षक सिमल सिंह, डॉ वीरेंद्र कुमार, डॉ यू के सिन्हा, डॉ नवीन नटराज, कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, कृष्णा यादव, उर्मिला देवी, कुंदन यादव, शंभू गुप्ता, विनय कुमार, मनोज गुप्ता, संजय कुमार नीलू, बैजू गुप्ता समेत अन्य शामिल थे।

आरपीएफ़ सासाराम और बचपन बचाओ आंदोलन संस्था द्वारा छह नाबालिग बच्चों को किया गया रेस्क्यू

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

वरीय अधिकारियों के दिशा निर्देश पर आपरेशन आहट के तहत चलाये जा रहे अभियान के क्रम में निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सासाराम संजीव कुमार के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार चौधरी, आरक्षी सौरभ कुमार, साथ बचपन बचाओ आंदोलन संस्था के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर देशराज सिंह एवम सहायक परियोजना अधिकारी चंदा गुप्ता के द्वारा संयुक्त रूप से सासाराम स्टेशन पर मानव तस्करी की रोकथाम के लिए चेकिंग की जा रही थी, इसी क्रम में गाड़ी संख्या 12938 अप (howrah-गांधीधाम एक्सप्रेस) प्लेटफार्म संख्या 2 पर आई। उक्त गाड़ी के सामान्य कोच को चेक करने पर कोच में 06 नाबालिक बच्चा डरे सहमें अवस्था में दिखाई दिया। जिसे रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सासाराम पर लाकर उचित काउंसलिंग की गई। पूछने पर उनलोगों ने घर से बिना बताए अहमदाबाद स्टील फैक्ट्री एवम लकड़ी के फैक्ट्री में काम करनें जा रहे है बताया। पूछने पर उनलोगों ने झारखंड के देवघर जिला एवम गया जिला के निवासी होना बताया। उपरोक्त को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सासाराम लाकर उचित काउंसलिंग की गई। तदुपरांत सूचना चाइल्डलाइन रोहतास को दिया गया। उक्त सभी नाबालिक बच्चों को बाल कल्याण समिति को प्रस्तुत करने हेतु सुरक्षित सुपुर्द किया गया।

गुप्ताधाम में सावन की अंतिम सोमवारी को एक लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

निज संवाददाता | चेनारी (रोहतास)

चेनारी थाना अंतर्गत कैमूर पहाड़ियों के मनमोहक वादियों में अवस्थित गुप्ताधाम की गुफा में मौजूद पवित्र शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए सावन की अंतिम सोमवारी को एक लाख से ज्यादा श्रद्धालू पहुंचे थे। जो रविवार दोपहर से सोमवार देर शाम तक गुपा के मुख्य द्वार पर खड़े होकर कतारबद्ध अपनी अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे थे। बोल बम का नारा है और बाबा एक सहारा है और बोलबम के जयघोष के साथ गुप्ताधाम और वहां पहुंचने वाले रास्ते में गुंजमान हो रहे थे। गुप्ताधाम के रास्ते में भी श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिल रही थी। गुफा के बाहर शिवभक्तों की जुटी अपार भीड़ का नजारा किसी जन सैलाब से कम नहीं लग रही थी। पूरा वादियां मानों भगवा मय महौल में रंग गया है। गुप्ताधाम जाने के लिए पनारी घाट, उगहनी घाट व दुर्गावती जलाशय परियोजना के रास्ते शिवभक्तों से भरे पड़े थे। गुप्ताधाम न्यास कमेटी की मानें तो सावन की तीसरी सोमवारी को डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र शिवलिंग पर जलाभिषेक किया था। गुफा के अन्दर जलजमाव की समस्या, ऑक्सीजन की कमी एवं उमस भरी गर्मी के बावजूद भी शिव भक्त का हौसला कम नहीं हो रहा था। जलाभिषेक के लिए कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। अंतिम सोमवारी को भी गुप्ताधाम पहुंचने वाले शिव भक्तों की संख्या इस बार ज्यादा थी। अनुमान के मुताबिक एक लाख से ज्यादा शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया है। ऑक्सीजन गैस की कमी के कारण कई भक्तों को परेशानी हो रही थी। गुप्ताधाम में सावन की अंतिम सोमवारी को ज्यादा भीड़ होने का अंदाजा इसी से लगया जा सकता है कि गुफा के अंदर घुटन से बचने के लिए लगाये गए ऑक्सीजन गैस सिलेंडर कम पड़ गए। ऑक्सीजन की कमी के कारण सैकड़ों शिव भक्त धाम के मुख्य दरवाजे पर ही जलाभिषेक कर पूजा अर्चना किए। रविवार से ही गुफा के अंदर मौजूद शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ा था। गौरतलब बात यह है कि जिला प्रशासन की श्रावणी मेले की तैयारी को लेकर किया गया वादा खोखली साबित हुआ है।

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा का भव्य स्वागत

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

मंगलवार को विक्रमगंज शहर के तेंदुनी चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह का माहौल देखने को मिला। काराकाट विधानसभा के पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर सासाराम जाने के क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतु राज सिन्हा एवं बिहार भाजपा के प्रदेश महामंत्री राजेश कुमार वर्मा का भव्य स्वागत एवं जोरदार अभिनंदन किया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक अंदाज में अंगवस्त्र, माला एवं नारों के माध्यम से दोनों नेताओं का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ और जोश देखते ही बन रहा था। मौके पर मौजूद पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने कहा कि पार्टी नेतृत्व का यह दौरा कार्यकर्ताओं के लिए ऊर्जा देने वाला है और इससे संगठन को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेताओं के दौरे से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि आने वाले चुनाव में पार्टी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी। कार्यक्रम में भाजपा के सभी मंडल, पंचायत एवं बूथ स्तरीय कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। यह स्वागत समारोह न सिर्फ पार्टी कार्यकर्ताओं के जोश को बढ़ाने वाला रहा, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि काराकाट क्षेत्र में भाजपा संगठन पूरी तरह सक्रिय और मजबूत है।

बोस फाउंडेशन ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

नेताजी सुभाष चंद्र बोस फाउंडेशन ने मंगलवार को कचहरी परिसर में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा आयोजित की। सभा की अध्यक्षता सेवा निवृत प्रो० सुरेंद्र प्रसाद ने की इस दौरान संस्था के सदस्यों ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर शोक जताया और श्रद्धांजलि दी। 2 मिनट का मौन रख उनकी दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों एवं उनके चाहने वालों को दुख की इस घड़ी में सहनशक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मौके पर अपने शोक संदेश में फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेंद्र पासवान ने कहा कि देश एक भारतीय राजनीतिक के समाज सुधारक नेता को खो दिया। शिबू सोरेन के जाने से एक युग का अंत हो गया। वे अपने आप में आंदोलन थे ,जो अपना अमिट छाप छोड़ गए हैं। देश सदा उन्हें याद करेगा। उनके निधन पर दुख व्यक्त करने वाले अन्य लोगों में मुख्य रूप से प्रो० डॉ० अलाउद्दीन अंसारी अजीजी, अली हुसैन इदरीसी, शहादत हुसैन, चंद्र मोहन पांडे दद्दन पांडे, रमेश कुमार रमन एपीपी, संजय तिवारी, रंजीत चतुर्वेदी, शैलेंद्र नारायण सिन्हा, बबन विद्रोही सहित अनेको बुद्धिजीवि संभ्रांत नागरिक मौजूद थे।

स्व. जगनारायण सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

निज संवाददाता | तिलौथू (रोहतास)

वरिष्ठ राजद नेता व भूतपूर्व मुखिया स्व0 जगनारायण सिंह का मंगलवार को इनके आवास राकियान बिगहा में भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम का शुभारंभ उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर किया गया। जहां पुष्पांजलि के साथ साथ जीवन परिचय कार्यक्रम किया गया। जिसकी अध्यक्षता पूर्व मुखिया व उनके गहरे दोस्त मथुरा सिंह ने की। तत्पश्चात प्रसाद वितरण व सम्मान भोज सह भंडारा का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भोजपुरी गायक सत्येन्द्र राम एवं सलोनी सुहानी ने अपने गीतों से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ज्ञातव्य हो कि उन्होंने राजद को पूरे क्षेत्र में मजबूती देने का काम किया। समाज के सभी वर्गों को एक साथ लेकर चलने वाले थे। हिन्दू मुसलमान अगड़ा पिछड़ा सर्वसमाज के सर्वोच्च नेता थे। शिक्षा के लिए अपने गांव में अपनी जमीन में स्कूल खुलवाया जहां गांव के बच्चे बच्चियां शिक्षा ले रहे हैं। इस मौके पर पूर्व सांसद छेदी पासवान, दिनारा विधायक विजय मंडल, ओबरा विधायक ऋषि कुमार, समाजसेवी तिलौथू हाउस मोहित सिन्हा, पूर्व विधायक अशोक सिंह, जदयू जिलाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, भोजपुरी कवि डॉ0 बैजनाथ सिंह बटोही, युवा जिला अध्यक्ष शिवांत कुशवाहा, जिला मिडिया प्रभारी खालसा जी, तिलौथू प्रमुख कामता सिंह, पूर्व प्रमुख कपिल कुमार, उप प्रमुख जोखन पासवान, पारस नाथ सिंह, संतोष कुमार समेत सैकड़ों जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं बुद्धिजीवी मौजूद थे।

दो दिवसीय मशाल कार्यक्रम की शुरुआत

निज संवाददाता | बिक्रमगंज (रोहतास)

मंगलवार को शहर के इंटरस्तरीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिक्रमगंज के क्रीड़ा मैदान में दो दिवसीय मशाल कार्यक्रम की शुरुआत की गई। जिसका उद्घाटन बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार, बीडीओ अमित प्रताप सिंह, बीईओ रितेश कुमार तथा बीईओ संझौली अफरोज आलम के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। मंच संचालन मोहम्मद युसूफ अफरीदी, जितेंद्र कुमार सिंह व राम अवतार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। यह खेल प्रतियोगिता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महत्त्वकांक्षी सोंच है। यह कार्यक्रम सरकारी विद्यालयों के प्रतिभावान खिलाडियों को खोजने एवं उन्हें खेल के विभिन्न विधाओं में नये अवसर प्रदान करने हेतु आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में अंडर 14 में 60 मीटर साईकिलिंग, क्रिकेट बॉल थ्रो, लम्बी कूद 600 मीटर बालक -बालिका तथा अंडर 16 में 100 मीटर ,800 मीटर दौड़, साईकिलिंग की विधाएं आयोजित की गई। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए एसडीएम प्रभात कुमार ने बताया कि अनुशासन ही देश को महान बनाता है। अनुशासन में रहकर ही खेल को खेल की भावना से खेले। उसके उपरांत उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं व बधाई दी। डीएसओ उज्जवल सरकार ने भी प्रतिभागियों को आगे बढ़ने की बातें कहा। साथ ही मार्ग में आगे बढ़ने हेतु उन्होंने प्रतिभागियों को टिप्स दिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जयप्रकाश, मोहम्मद शमशाद अली, जितेंद्र कुमार सिंह,कुमार चंद्रशेखर, आनंद प्रकाश, चन्दन मिश्रा, अतहर खान, आशीष कुमार पाठ, अब्दुल रशीद, अभिमन्यु पटेल, नीरज राय, धर्मेंद्र कुमार, हरेराम कुमार, अजय कुमार सिंह, साइस्ता परवीन, अविनाश दत्त, विश्वनाथ मउवार, फरजाना अंजुम, कंचनदेवी, चांदनी परवीन, राजश्री सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अपहृत किशोरी रिमांड होम में मिली पिता ने जताई दुष्कर्म की आशंका

निज संवाददाता | भागलपुर

जिले में एक नाबालिग के अपहरण का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। घटना एक जुलाई की है जब युवती अचानक घर से लापता हो गई। सूचना देने जब उसके पिता थाना पहुंचे तो उन्हें चार से पांच घंटे तक बैठाया गया। लेकिन उनका आवेदन नहीं लिया गया। बाद में पिता ने जिले के वरीय पुलिस अधीक्षक से मिलकर मामले की शिकायत की। जिसके बाद एसएसपी के निर्देश पर थाना में आवेदन लिया गया और प्राथमिकी दर्ज की गई। सोमवार को नाबालिग के पिता को देवघर रिमांड होम से फोन आया कि उनकी बेटी वहां है। सूचना मिलते ही पिता अपनी पत्नी के साथ देवघर पहुंचे। पिता ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी का अपहरण गांव के ही पूर्व मुखिया राजेंद्र यादव ने किया और दुष्कर्म की आशंका भी जताई। पिता ने यह भी बताया कि पूर्व में उनके साथ राजेंद्र यादव ने मारपीट की थी। जिसकी शिकायत पहले भी की गई थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित पिता ने साफ कहा कि जब तक उनकी बेटी का मेडिकल जांच नहीं होता वे उसे साथ नहीं ले जाएंगे। मंगलवार को उन्होंने फिर से एसएसपी को आवेदन देकर मेडिकल और न्याय की मांग की है। पिता ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी बेटी को न्याय नहीं मिला तो वे अपने पूरे परिवार के साथ मुख्यमंत्री के सामने आत्मदाह करने को मजबूर होंगे।

कुशेश्वर नाथ मंदिर समिति की निगरानी कड़ी हो

पटना (नि.सं.)। हाईकोर्ट ने दरभंगा के रामपुर में स्थित श्री बाबा कुशेश्वर नाथ मंदिर के बेहतर प्रबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। जस्टिस राजीव रॉय ने इस मामलें की सुनवाई करते हुए बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को कहा कि सभी मंदिरों की समितियाँ ईमानदारी से काम करें और नियमित निगरानी हो। सुनवाई के दौरान बताया गया कि धार्मिक न्यास पर्षद के नए अध्यक्ष ने 12 जून, 2025 को कार्यभार संभाला और 25 जून 2025 को पहली बैठक में श्री बाबा कुशेश्वर नाथ मंदिर के लिए 5 साल की स्थायी समिति बना दी।

TENDER NOTICE

DAV PUBLIC SCHOOL
Mahuli, Nabinagar, Aurangabad (Bihar)

Sealed Quotations are invited from the reputed contractors for renovation of Principal Chamber, Staff Room and office of DAV Public School, Nabinagar, Distt- Aurangabad (Bihar).

Interested contractors should tender their quotations within a week of publication of the notice to the office of the undersigned.

Note- For details contact School office
Contct No .- 9931171248
Email Id :- davnbr2018@gmail.com

Principal

सूचना

निबंधन वाद सं.- 233/025
श्रीमती सुनैना देवी - आवेदिका
बनाम
मोसमात भगमानो देवी - विपक्षी
सूचना
बनाम

आप विपक्षी मोसमात भगमानों देवी पति- स्व० नलनी विमोचन उपाध्याय ग्राम- मौडीहा, पो0- बैरवाँ, थाना- दरिहट, जिला- रोहतास। वर्त्तमान पता- मौआर खैरा, पो0- ईटहट, थाना-बारूण, जिला- औरंगाबाद (बिहार) के विरूद्ध आवेदिका ने उक्त वाद दाखिल किया है जिसमें आपकी उपस्थिति हेतु सूचना भेजा गया। सूचना की तामिला के उपरान्त भी आप उक्त वाद में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं कर रही है। अतः प्रकाशन के माध्यम से आपको अन्तिम रूप से सूचना दिया जा रहा है कि दिनांक- 08/08/25 तक आप उक्त वाद में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा उक्त वाद की कार्यवाई आपके विरूद्ध एक पक्षीय कर दिया जायेगा। यह सूचना न्यायालय के आदेश दिनांक 05/08/25 से जारी किया गया।

जिला समाहर्ता
औरंगाबाद

संक्षिप्त समाचार

16 अगस्त से राजस्व अभियान शुरू

कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)। आगामी 16 अगस्त से 20 सितंबर 2025 तक राजस्व महाअभियान चलाया जायेगा। जिसमें राजस्व से संबंधित मामलों का त्वरित निराकरण करना और राजस्व अभिलेखों में मौजूद त्रुटियों का सुधार किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए कौआकोल सीओ मनीष कुमार ने बताया कि अंचल में भूमि संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान एवं राजस्व अभिलेखों के अद्यतन करने के उद्देश्य से महाअभियान के दौरान दाखिल-खारिज, परिमार्जन, उत्तराधिकार एवं बंटवारा नामांतरण से संबंधित याचिकाओं का त्वरित निष्पादन किया जायेगा। तथा म्यूटेशन प्लस,परिमार्जन प्लस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन समाधान किया जायेगा। वहीं रैयतों को उनके भूमि अभिलेखों की प्रति प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाया जायेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की सफलता के लिए 7 अगस्त को सभी कर्मचारियों एवं कार्यपालक सहायकों तथा डाटा एंट्री ऑपरेटरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जबकि 13 अगस्त को प्रखण्ड के सभी जनप्रतिनिधियों एवं अन्य कर्मियों को जानकारी दी जाएगी।

26 दिव्यांगों को निर्गत किये गए प्रमाण पत्र

कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)। प्रखण्ड मुख्यालय परिसर अवस्थित बीआरसी भवन में विशेष कैम्प का आयोजन कर 26 दिव्यांगों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत किए गए। इसकी जानकारी देते हुए कौआकोल के प्रभारी बीईओ अजित कुमार ने बताया कि पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रामप्रिय सहगल की देखरेख में आयोजित शिविर में 35 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें जांचकर 26 दिव्यांगों को मौके पर प्रमाण पत्र निर्गत किये गए।

जमीनी विवाद में मारपीट और फायरिंग

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के फ़रका बुजुर्ग पंचायत के गागन खुर्द गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आमने सामने हो गए। इस दौरान उत्पन्न विवाद में जमकर मारपीट हुई। पीड़ित स्व. लटन यादव के पुत्र रविन्द्र प्रसाद ने बताया कि बीते 3 अगस्त की शाम लगभग 7:30 बजे घर पर गांव के ही स्व. बालेश्वर यादव के पुत्र लव कुमार उर्फ कारू यादव, लालू कुमार, चंदन कुमार उर्फ अमन,स्व. बालेश्वर यादव की पत्नी मगिया देवी, स्व. प्रसादी यादव के पुत्र सुखदेव यादव एवं स्व. बासुदेव यादव के पुत्र शंकर यादव आए और जमीनी विवाद को लेकर गाली-गलौज करने लगे। जिसका विरोध किए जाने पर लव कुमार, लालू कुमार, चंदन कुमार एवं मंटू कुमार अपने कमर से पिस्टल निकालकर जान मारने की नियत से फायरिंग किया। इस दौरान हमसभी किसी तरह छुपकर जान बचाए। पीड़ित ने बताया कि उक्त लोगों में कुछ लोगों का अपराधिक इतिहास भी है। साथ ही कहा कि घटना को लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। वहीं दूसरे पक्ष से घायल मगिया देवी ने भी रविन्द्र यादव, चंदेश्वर यादव, इंद्रदेव कुमार, अशोक यादव, मनोज यादव एवं रामचंद्र यादव के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस बाबत थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि जमीनी विवाद को लेकर उत्पन्न झगड़े में दोनों पक्षों द्वारा लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है एवं प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं पुलिस बलों के सहयोग से एक नमाजद आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक की पहचान गागन खुर्द गांव निवासी स्व. बालेश्वर यादव के पुत्र चंदन कुमार उर्फ अमन यादव के रूप में हुई है। गिरफ्तार युवक को मंगलवार को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

महादलित युवक के साथ मारपीट

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के फरका बुजुर्ग गांव में दो पक्षों के बीच उत्पन्न झगड़े में एक महादलित युवक का रास्ता रोककर दबंगों ने जमकर मारपीट किया। साथ ही पास में रहे 45000 रुपए नगद एवं मोबाइल को छीन लिया एवं पास रहे बाइक को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़िता फरका बुजुर्ग गांव निवासी मोहन राजवंशी की पत्नी कालो देवी ने बताई कि हमारे गांव में बीते 10 दिनों पूर्व दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी, जिसको लेकर थाना कांड संख्या 408/25 व 409/25 में दोनों ओर से प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। इसके बावजूद दूसरे पक्ष के सत्येंद्र यादव,पवन कुमार, सत्री यादव, विजय यादव, बब्लू यादव, गोरेलाल यादव, सुजीत कुमार, संतु यादव उर्फ संतोष कुमार यादव एवं पिंटू यादव द्वारा बाजार से देर शाम को बाइक संख्या बीआर 27एस3224 पर सवार होकर लौट रहे मेरे पति मोहन राजवंशी एवं चचेरा देवर विजय राजवंशी का रास्ता रोककर लाठी डंडे से मारपीट करने लगे। इस दौरान देवर विजय राजवंशी अपनी जान बचाकर भाग गया, किंतु मेरे पति को उक्त लोगों ने सिर छोड़कर शरीर के अन्य हिस्सों में जमकर पिटाई कर दी। हल्ला हंगामा सुनने पर जब मैं अपने पति को बचाने गई, तो उक्त लोगों ने मेरे साथ भी अश्लील हरकत करते हुए मारपीट करने लगे। इस दौरान मेरे पति के पैकेट में रहे 45000 रुपए नगदी एवं एक मोबाइल को छीन लिया। हमलोग किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे, किंतु उक्त लोगों ने टांगी से बाइक को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़िता ने बताई कि घटना की लिखित शिकायत थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार समेत वरीय पुलिस पदाधिकारी को दी गई है। इस बाबत थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना को लेकर आवेदन प्राप्त हुआ है। इससे पूर्व भी दोनों पक्षों द्वारा मारपीट की घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है।

दो बस यात्रियों से शराब बरामद

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। शराबबंदी के बावजूद दूसरे राज्यों से शराब की तस्करी जारी है। इसकी पुष्टि जब होती है जब उत्पाद विभाग की टीम या फिर बिहार पुलिस शराब व धंधेबाजों को पकड़ती है। ताजे मामले में सोमवार की रात उत्पाद विभाग की टीम ने झारखंड सीमा पर सघन जांच अभियान के दौरान दो अलग-अलग यात्री बसों से भारी मात्रा में विदेशी शराब और बीयर के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि समेकित जांच चौकी पर एसआई न्यूटन कुमार और एसआई प्रवीण कुमार के नेतृत्व में वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान झारखंड की तरफ से आ रही एक यात्री बस को रोका गया, जिसमें सफर कर रहे नवादा जिले के रूपौ थाना अंतर्गत रोह गांव निवासी सुरेंद्र कुमार सिंह को 500 मिलीलीटर के सात केन बीयर के साथ पकड़ा गया। इसके अलावा, एक अन्य बस से रोह थाना क्षेत्र के ही बजवारा गांव निवासी मुरली मनोहर प्रसाद को तीन बोतल ब्लेंडर्स प्राइड और एक बोतल ब्लेंडर्स प्राइड रेयर प्रीमियम व्हिस्की के साथ गिरफ्तार किया गया है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि दोनों व्यक्तियों के पास से कुल साढ़े सात लीटर बियर व शराब बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रतिबंध के बावजूद शराब लेकर आने के कारण दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

डोहरा स्कूल संस्थापक का निधन

नवादा (नि.सं.)। गायत्री युगल इण्टर विद्यालय डोहरा के संस्थापक - डा. रामखेलावन प्रसाद (राष्ट्रपति पुरस्कृत) अब हमारे बीच नहीं रहे। यह अपूरणीय क्षति हम सभी विद्यालय परिवार एवं ग्राम डोहरा के सभी ग्रामवासियों के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। उक्त बातें गायत्री युगल इण्टर विद्यालय डोहरा के प्रांगण में मंगलवार को आयोजित शोक सभा में प्रभारी प्राचार्य राजेश कुमार ने कही। इस दौरान उपस्थित शिक्षकेत्तर कर्मियों व छात्र छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।इधर,पेंशनर भवन नारदीगंज में डोहरा निवासी राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित पूर्व प्राचार्य रामखेलावन प्रसाद के निधन पर आयोजित शोक सभा में अध्यक्षता पेंशनर समाज के प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद ने की। सचिव श्रीकांत सिंह,रामशरण सिंह,कामता प्रसाद सिंह,रघुनंदन प्रसाद, यमुना सिंह, समेत अन्य लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सड़क हादसे में बाइक सवार जख्मी

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। राजगीर बोधगया सड़क मार्ग पर नारदीगंज में मिरचायगंज के समीप बाइक व बस में टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में बाइक सवार जख्मी हो गए। जख्मी की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मोतनाजे निवासी शिव शंकर चौहान का 18 वर्षीय पुत्र राजीव कुमार के रूप में की गई। घटना मंगलवार को सुबह में हुई है। जख्मी हालत में इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में दाखिल कराया गया। जहां कार्यरत चिकित्सक ने प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर चिकित्सा के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया। जख्मी राजीव कुमार नारदीगंज की ओर से बुलेट से अपना घर नवादा जा रहा था। उस बाइक पर दो लोग सवार थे। इसी बीच नारदीगंज स्थित मिर्चायगंज के निकट हिसुआ से आ रही बस से टक्कर हो गई। फलतः वह गम्भीर रूप से जख्मी हो गया। वही दूसरे युवक की हालत ठीक रही। पुलिस ने दुर्घटना ग्रस्त वाहन को जब्त कर लिया।

उपधारा में डूबने से दो बच्चों की हुई मौत

निज संवाददाता | भागलपुर

जिले के नारायणपुर प्रखंड स्थित भवानीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जिलेबिया मोड़ के पूरब सत्संग मंदिर के सामने सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें कोसी नदी की उपधारा में नहाने के दौरान दो मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गई। यह दुखद घटना उस वक्त हुई जब बच्चे गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए दोस्तों के साथ नहाने गए थे। देखते ही देखते यह मस्ती मौत में बदल गई। मृतकों की पहचान रायपुर गांव निवासी 13 वर्षीय सन्नी कुमार, पिता विपिन शर्मा और राहुल कुमार, पिता शिवशंकर शर्मा के रूप में की गई है। दोनों बच्चे अपने दोस्तों के साथ दोपहर बाद कोसी नदी की उपधारा में नहाने गए थे। नहाते समय वे अनजाने में गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उनके साथ मौजूद अन्य बच्चों में शामिल राहुल का छोटा भाई आदित्य कुमार और उनका दोस्त सत्यम कुमार भी वहां मौजूद थे। राहुल का छोटा भाई आदित्य कुमार, जो खुद भी इस घटना का चश्मदीद है, ने बताया कि सत्यम कुमार को तैरना आता था और उसने सबको यह भरोसा दिलाया था कि पानी कमर तक ही है और कोई डर की बात नहीं है। बच्चों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर नहाना शुरू किया, लेकिन जैसे ही सन्नी और राहुल गहरे पानी की ओर बढ़े, उनके हाथ छूट गए और दोनों धीरे-धीरे पानी में समा गए। राहुल तैरना नहीं जानता था और यही उसकी जान पर बन आई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन बदहवास स्थिति में घटनास्थल की ओर दौड़े। ग्रामीणों के सहयोग से बच्चों को किसी तरह पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दोनों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही भवानीपुर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, नवगछिया भेज दिया। पुलिस ने कहा कि इस घटना को लेकर जांच की जा रही है और मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

ट्रैफिक चालान चुकाने के लिए कहा तो बोला मेरी स्कूटी रख लीजिए

निज संवाददाता | पटना

ट्रैफिक चालान का पैसा चुकाने के लिए युवक को कहा गया तो उसने इससे इनकार कर दिया। युवक ने कहा कि वह यह राशि नहीं जमा कर सकता। आप गाड़ी रख लीजिए। मैं नई खरीद लूंगा। इतना कहने के बाद युवक गाड़ी छोड़ कर चला गया। ट्रैफिक चालान से जुड़ा यह मामला पटना के कृष्णा घाट के पास का है। जहां बिना हेलमेट पहले स्कूटी चलाकर जा रहे सुल्तानगंज इलाके के एक युवक को वाहन जांच कर रही ट्रैफिक पुलिस ने पकड़ा तो खुद पुलिस भी कई हकीकत जानकर दंग रह गयी। उस गाड़ी का पहले भी चालान कट चुका था। उसकी गाड़ी के अधिकांश कागजात फेल थे। साथ ही गाड़ी पर पहले से 45 हजार का जुर्माना बकाया था। पुलिस ने जिसके बाद गाड़ी को जब्त कर लिया। साथ ही युवक को कहा कि वह चालान का पैसा जमाकर अपनी स्कूटी जा सकता है। चालक ने पुलिस की काफी देर तक स्कूटी को लौटाने का आग्रह किया। लेकिन पुलिसकर्मियों ने नियमों का हवाला देकर उसे पहले जुर्माने की राशि जमा करने को कहा। इसके बाद चालक ने कहा कि वह उनकी स्कूटी को रख लें, पैसा आने पर बाद में दूसरी खरीद लेगा। क्योंकि चालान की इतनी राशि वह जमा नहीं कर सकता है। इसके बाद वह ऑटो पकड़ कर सीधे अपने सुल्तानगंज इलाके में स्थित अपने घर चला आया। मामले में ट्रैफिक एएसआइ आशा सिंह ने बताया कि बिना हेलमेट के कारण उसे पकड़ा गया था। बाद में जब जांच की गयी तो उस पर 45 हजार रुपयों का जुर्माना पहले से था इसके बाद उसकी गाड़ी को जब्त कर जुर्माने की राशि जमा करने की सलाह दी गयी।

श्रावण में श्रद्धालुओं से गुलजार हुआ झारखंडी महादेव मंदिर

निज संवाददाता | डेहरी (रोहतास)

सोन नद के तट पर स्थित झारखंडी महादेव मंदिर एक प्राचीन सिद्ध पीठ के रूप में प्रसिद्ध है। माना जाता है कि इस मंदिर का शिवलिंग करीब तीन हजार साल पुराना है, यह मंदिर भक्तों की हर मनोकामना पूरी करने के लिए जाना जाता है। श्रावण के महीने में झारखंडी महादेव मंदिर में भक्तों की हजारों में भीड़ लगती है। खासकर सोमवार को जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगती हैं, स्थानीय श्रद्धालु बताते हैं कि श्रावण में शिवलिंग पर जल चढ़ाने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। विशेष रूप से कुंवारी कन्याएं यहां मनचाहा वर पाने की कामना लेकर आती हैं और उनकी मनोकामना पूरी होती है। श्रावण के पवित्र माह में यहां जलाभिषेक के लिए बिहार के हर जिले से श्रद्धालु आते हैं। मंदिर की प्राचीनता और चमत्कारिक शक्तियां इसे एक विशेष धार्मिक स्थल बनाती हैं, मंदिर के पुजारी रवि प्रकाश के अनुसार, झारखंडी महादेव मंदिर की प्राचीनता का उल्लेख धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है। कथाओं के अनुसार लंका पति रावण की बहन राक्षसी ताड़का ने भी इस पवित्र स्थल पर आकर भगवान शिव की पूजा की थी, इसके बाद वह बक्सर गई थी। मंदिर का एक रोचक पहलू ब्रिटिश काल से जुड़ा है, ब्रिटिश शासन के दौरान मंदिर के पीछे छोटे जहाज बनाने का कारखाना स्थापित किया गया था। अंग्रेजों ने मंदिर को दूसरी जगह स्थानांतरित करने का प्रयास किया, जिसके लिए कोलकाता हाई कोर्ट में मुकदमा भी चला लेकिन भगवान शिव की कृपा और भक्तों की आस्था के चलते कोर्ट ने मंदिर को उसी स्थान पर बनाए रखने का आदेश दिया। अपने आप में अनूठी है मंदिर में स्थापित चतुर्भुज लघु स्तंभ और प्राचीन कुएं के अवशेष इसे और भी खास बनाते हैं मंदिर परिसर में मौजूद काले पत्थरों की मूर्तियां मध्यकालीन कला का उत्कृष्ट नमूना है। श्रद्धालु इन मूर्तियों की पूजा-अर्चना करते हैं और मंदिर की प्राचीनता को महसूस करते है। झारखंडी महादेव मंदिर न केवल रोहतास बल्कि पूरे क्षेत्र में आस्था का प्रमुख केंद्र है यह मंदिर भक्तों को न केवल धार्मिक शांति प्रदान करता है, बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है श्रावण के इस पवित्र माह में मंदिर की महिमा और भी बढ़ जाती है, जब हजारों भक्त भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए यहां पहुंचते हैं। यह मंदिर भक्ति एवं इतिहास और चमत्कार का एक अनूठा संगम है।

जगन्नाथ मठ ट्रस्ट का खाता खोलने के लिए प्रबंधक ने किया वेरिफिकेशन

निज संवाददाता | राजपुर (रोहतास)

भगवान जगन्नाथ जी मठ सेवा आश्रम ट्रस्ट का खाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में खोले जाने के लिए राजपुर शाखा प्रबन्धक दिनेश कुमार ने मंगलवार को पठ परिसर पहुंच सत्यापन किया। ट्रस्ट खाता संचालन के लिए अधिकृत पदाधिकारी, स्थल एवं मंदिर भवन को सत्यापित कर रिपोर्ट आवश्यक डॉक्यूमेंट में सम्मिलित किया गया। जानकारी देते हुए मठ के महंत सुदर्शनाचार्य जी महाराज ने बताया कि मठ परिसर स्थित भगवान जगन्नाथ जी मंदिर का भवन चार सौ वर्ष पुराना हो चुका है। जिस कारण जीर्ण शीर्ण अवस्था को प्राप्त हो गया है। बरसात वाले दिनों में भगवान के दरबार में बारिश का पानी छत से टपकता है। मंदिर भवन का जीर्णोद्धार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भव्य मंदिर निर्माण, साधु संतों का निवास एवं ठहराव की सुव्यवस्थित व्यवस्था, गुरूकुल के तहत बच्चों को सनातन धर्म की शिक्षा, असहाय एवं पीडित मानवों की सेवा, वृद्धाश्रम, गौशाला निर्माण व निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवा कार्य समेत अन्य विकास कार्यो के लिए उनके नेतृत्व में भगवान जगन्नाथ जी मठ सेवा आश्रम ट्रस्ट की स्थापना किया गया है। संस्था को सरकार के यंहा पंजीकृत करा दिया गया है। आर्थिक आमदानी एवं सेवा कार्य के खर्च को सुव्यवस्थित तरीके से संचालन के लिए बैंक खाता खोलने का अनुरोध जताया गया है। मौके पर संस्था के पदाधिकारी अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष विभा कुमारी, बुद्ध सिंह यादव, बीरेन्द्र सिंह, संत बेलास जी, धर्मेंद्र कुमार, बिरजू सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

दारोगा का रिश्वत लेने का वीडियो सोशल मीडिया में हुआ वायरल

निज संवाददाता | बेतिया

पश्चिम चम्पारण के मझौलिया थाना क्षेत्र के लाल सरैया चौक पर डायल 112 की पुलिस का रिश्वत लेते वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जहां अवहर शेख में गाड़ी में बैठे मझौलिया के डायल 112 में तैनात दारोगा प्रदीप कुमार मुखर्जी ने जमीनी संबंधित मैटर को रफा दफा करने के लिए दो हजार रुपया के जगह एक हजार मांग रहे हैं। हालाँकि पीड़ित के द्वारा 500 सौ रुपया दिया जाता है और इसके अलावा 500 रूपया की और मांग की जा रही है। वह हाथ में पांच सौ रुपया घूस लेते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बेतिया एसपी डॉ शौर्य सुमन ने बताया है कि वीडियो आया है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

भक्तिभाव से राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी में शुरू हुआ पांच दिवसीय झूलनोत्सव

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के संग मंगलवार से प्रखंड के विभिन्न गांवों में पांच दिवसीय झूलनोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। ओड़ो, नारदीगंज बाजार, जफरा, नंदपुर, यदुपुर सहित कई गांवों में स्थित राधा कृष्ण ठाकुरबाड़ियों में भक्तों ने पूरे भक्तिभाव से इस पर्व की शुरुआत की। झूलनोत्सव के पहले दिन मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनी व फूलों से विशेष रूप से सजाया गया। रात्रि में श्रद्धालुओं ने श्रीराधा-कृष्ण को पालने पर झुलाया और पूरी भक्ति भाव से आरती, पूजा-अर्चना की। संध्या होते ही मंदिरों में घंटी, शंख और मृदंग की गूंज सुनाई देने लगी और पूरा माहौल 'हरे रामा हरे कृष्णा', 'जय राधे-जय श्रीकृष्ण' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन का आयोजन कर भगवान के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। कीर्तन मंडलियों ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी, जिससे मौजूद जनसमूह भावविभोर हो उठा। महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक इस आयोजन में भाग लिया। कई श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर फलाहार और निर्जला एकादशी व्रत रखकर राधा-कृष्ण से मन्नतें मांगी। व्रती महिलाओं ने विशेष पूजा की और परिवार की सुख-शांति की कामना की। आगामी दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में हर शाम झूला दर्शन, संकीर्तन और महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा।

'हरियाली सावन' कार्यक्रम का भव्य आयोजन

» **पूर्णिमा दीदी ने अपने संबोधन में कहा, 'हरियाली केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन में शांति, संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा का भी प्रतीक है।**

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

मंगलवार को सावन माह के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के रजौली सेवा केंद्र में 'हरियाली सावन' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, आत्मिक शुद्धता और सकारात्मक जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाना था। ब्रह्माकुमारी पूर्णिमा दीदी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रकृति की हरियाली और आध्यात्मिक शांति के महत्व पर जोर दिया गया। पूर्णिमा दीदी ने अपने संबोधन में कहा, 'हरियाली केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन में शांति, संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा का भी प्रतीक है।' उन्होंने सभी से पर्यावरण को हरा-भरा रखने और उसकी देखभाल करने का आग्रह किया। इस दौरान केंद्र से जुड़े ब्रह्माकुमारी देवंती बहन, रानी बहन, किरण माता, प्रमिला माता, पिंकी बहन, मीनाक्षी बहन, नेहा बहन, पूनम बहन, सोनी बहन, हिंदू बहन, शंकर भाई, राजेश भाई, विजय भाई और गौतम कुमार समेत कई श्रद्धालु और सेवाभावी कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मिलकर वृक्षारोपण का संदेश जन-जन तक पहुँचाने और पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया।कार्यक्रम के अंत में सभी को मन की शांति का अनुभव कराने के लिए विशेष ध्यान का अभ्यास भी कराया गया। इस आध्यात्मिक और सकारात्मक माहौल में सभी ने मिलकर प्रकृति और आध्यात्मिकता के संबंध को गहराई से समझा।

बैठक में हुई विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

कौआकोल प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार कक्ष में मंगलवार को प्रखंड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति सह बीस सूत्री की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता बीस सूत्री अध्यक्ष एवं जदयू प्रखंड अध्यक्ष दिलीप कुमार कुशवाहा ने की। बैठक में प्रखंड के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बीस सूत्री समिति के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ स्थानीय जनसमस्याओं पर भी गंभीर चर्चा हुई। बैठक में बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप कुमार कुशवाहा ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सरकार की योजनाएं सिर्फ कागजों पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लाभुकों तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुपात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शिता के साथ पहुंचे, इसके लिए सभी विभागीय कर्मियों को ईमानदारी से कार्य करना होगा। बैठक में 20 सूत्री उपाध्यक्ष अंकित विश्वकर्मा ने जन वितरण प्रणाली में व्याप्त अनियमितताओं और भ्रष्टाचार पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि लाभुकों को जहां सरकार द्वारा 5 किलो अनाज देने का प्रावधान है, वहां उन्हें केवल 4 किलो ही दिया जा रहा है। यह सीधे तौर पर गरीबों के हक पर डाका है और इससे सरकार की छवि धूमिल हो रही है। उन्होंने इस व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की। बीस सूत्री सदस्य अजित वर्मा ने आंगनबाड़ी केंद्रों में साफ-सफाई की कमी, कौआकोल बाजार की सड़कों पर अवैध अतिक्रमण, सड़क पर अनधिकृत स्पीड ब्रेकर, हाई स्कूल जाने वाली सड़क को अतिक्रमण से मुक्त कराने, प्रधानमंत्री ऋण योजनाओं में बैंक मैनेजरों की मनमानी, आवेदनों की अनदेखी जैसी गंभीर समस्याओं को सदन में उठाया। उन्होंने इन मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की। बैठक में रेंजर, थानाध्यक्ष एवं अन्य महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की अनुपस्थिति पर भी असंतोष व्यक्त किया गया और तय किया गया कि इस संबंध में जिलाधिकारी समेत संबंधित वरीय अधिकारियों से लिखित शिकायत की जाएगी। सदस्यों ने कहा कि जब तक अधिकारी बैठक में उपस्थित नहीं होंगे, तब तक योजनाओं की सही समीक्षा संभव नहीं है। प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार ने सदस्यों से अपील की कि चल रहे एसआईआर (मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण) कार्य में जनता को जागरूक करें और उन्हें जरूरी दस्तावेज जमा कराने में मदद करें ताकि कोई भी नाम सूची से वंचित न रहे। वहीं अंचलाधिकारी मनीष कुमार ने आगामी राजस्व महाअभियान के बारे में जानकारी दी और बताया कि 16 अगस्त से 20 सितंबर तक चलने वाले इस अभियान के तहत दाखिल-खारिज, परिमार्जन, नामांतरण जैसे लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन किया जाएगा। इसके लिए आम जनता को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। 20 सूत्री सदस्य शिवबालक प्रसाद ने करमाटांड़ स्थित प्राथमिक विद्यालय के हमेशा बंद रहने की शिकायत दर्ज कराई और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की। बैठक में मनरेगा, पीएचईडी, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य आदि विभागों की योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

कौआकोल में भी फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र बनाने की कोशिश

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

बिहार में फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र बनाने की कोशिश करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला नवादा जिला के कौआकोल प्रखंड का प्रकाश में आया है। जहां 27 जुलाई की तिथि में एक फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने की साजिश का खुलासा हुआ है। राजस्व अधिकारी अनीश कुमार ने बताया कि कार्यपालक सहायक पिंटू कुमार के द्वारा बताया गया कि आवेदन के जांच के दौरान आवेदन संख्या-BRCCO/2025/17640783 के द्वारा कम्प्यूटर बेबेज,पिता-चार्ल्स बेबेज,माता-एलन ट्यूरिंग,ग्राम-कुतुबचक,वार्ड-01,पोस्ट-चंद्रदीप,थाना-कौआकोल के नाम से फर्जी आधार कार्ड अपलोड कर आवासीय प्रमाण पत्र बनाने की असफल कोशिश की गई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल आवेदन को रिजेक्ट कर इसकी सूचना कौआकोल सीओ समेत अन्य वरीय अधिकारियों को दी जा रही है। आवेदन में कम्प्यूटर का फोटो दिया गया है। बता दें कि इससे पहले एक कुत्ते, फिल्मी एक्ट्रेस, सीएम नीतीश समेत अन्य काल्पनिक नामों के जरिए भी इसी तरह के आवेदन सामने आ चुके हैं, जिससे पूरे राज्य में प्रमाण पत्र सिस्टम की साख पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। सीओ मनीष कुमार ने भी बताया कि ऑनलाइन माध्यम से फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने की कोशिश की गई। इस पूरे प्रयास का खुलासा सत्यापन के दौरान हुआ। उन्होंने कहा कि इस मामले में विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल में मॉम मानसून मैजिक कार्यक्रम

आरा| जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में मॉम मानसून मैजिक कार्यक्रम हुआ। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य माताओं को विद्यालय की गतिविधियों से जोड़ना और उनके साथ यादगार समय साझा करना था। दीप प्रज्वलन समारोह में उमा सिंह, श्वेता सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य मिलन बनर्जी तथा समन्वयक पुष्पा सिंह सहित कई शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

अहीरपुरवा की जर्जर सड़क बनी परेशानी का सबब

आरा| वार्ड संख्या 29 के अहीरपुर्वा इलाके में बाईपास रोड से बैंक कॉलोनी होते हुए नजीरगंज (वार्ड 28 व 27) तक जाने वाला मुख्य मार्ग बदहाली का शिकार है। यह सड़क अब गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे रोजाना लोग फिसलते और घायल होते हैं। खासकर स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को यहां से गुजरना खतरे से खाली नहीं है। इस रास्ते में दो स्कूल और एक अस्पताल भी हैं। जिससे आवागमन अत्यधिक रहता है। लेकिन जर्जर स्थिति के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश में यह सड़क जलजमाव में डूब जाती है, जिससे स्थिति और भी खराब हो जाती है। स्थानीय निवासी आशीष कुमार ने बताया कि कई बार नगर निगम और स्थानीय विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह को इस समस्या से अवगत कराया गया है। हालांकि विधायक की योजनाओं में इस मार्ग का उल्लेख है।

गलत रास्ते में वाहन चलाने पर जुर्माना

कोईलवर| ट्रैफिक नियमों की अनदेखी कर विपरीत लेन में वाहन चलाने और प्रवेश निषेध लेन में घुसने वालों पर गीधा थाना पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। अभियान के दौरान छोटे-बड़े वाहनों से कुल 43,500 का चालान काटा गया। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि कायमनगर से गीधा के बीच सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। गलत लेन में वाहन परिचालन और नो-एंट्री जोन में प्रवेश करने वालों को बख्शा नहीं गया। उन्होंने आमजनों से आग्रह किया कि सड़क पर वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन अनिवार्य तौर से करें। अन्यथा, नियम तोड़ने वालों पर पुलिस की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

धरहरा में कांवरियों के लिए लगा सेवा शिविर

बक्सर| सावन की अंतिम सोमवारी की पूर्व संध्या पर डुमरांव प्रखंड अंतर्गत धरहरा गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 922 पर प्रसिद्ध चिकित्सक एवं भाजपा नेता डॉ राजेश मिश्रा के नेतृत्व में कांवरियों के लिए सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए फलाहार, जलपान, प्राथमिक उपचार व स्वास्थ्य जांच की समुचित व्यवस्था की गई। इस शिविर में दर्द निवारक दवाइयां, मरहम-पट्टी, गैस की दवाइयां सहित बीपी, शुगर व ऑक्सीजन जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। सेवा शिविर में उनकी टीम के चिकित्सा कर्मियों ने लगातार कांवरियों का उपचार किया और पैरों में पड़े छालों की मरहम-पट्टी कर राहत पहुंचाई। डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि धरहरा स्थल का चुनाव वे विशेष रूप से करते हैं क्योंकि यह स्थान बक्सर से ब्रह्मपुर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर की यात्रा के बीच पड़ता है।

डॉ. दिलशाद आलम को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान, अभिनेता अरबाज़ खान करेंगे सम्मानित

बक्सर| जिले के प्रसिद्ध चिकित्सक, रोटरी क्लब बक्सर के अध्यक्ष व मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन के प्रदेश पदाधिकारी डॉ. दिलशाद आलम को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें अक्टूबर 2025 में नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में फिल्म अभिनेता अरबाज खान के हाथों मिलेगा। यह डॉ. दिलशाद आलम का लगातार पाँचवां राष्ट्रीय सम्मान होगा। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ. दिलशाद आलम स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी बराबर सक्रिय रहे हैं। विधवा महिलाओं को राशन वितरण, विद्यालयों में स्वास्थ्य शिविर, बाढ़ राहत, गर्मियों में कूलर वितरण और वृक्षारोपण जैसे कार्यों ने उन्हें जन-जन का प्रिय बना दिया है। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 की गवर्नर नम्रता सामंत कई अन्य लोगों ने इस उपलब्धि पर डॉ. दिलशाद को बधाई दी है। मानवाधिकार संगठन से जुड़े डॉ. आर. के. सिंह, मुकेश कुमार सिंह, डॉ. विजय, डॉ. सीएम सिंह, डॉ. कुमार गांगेय राय, डॉ. रितेश, डॉ. एक सिंह, डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ. उषा सिंहा, डॉ. एसएन उपाध्याय, डॉ. पीके पांडेय, डॉ. मनीष, डॉ. संतोष, निसार अहमद, हामिद खान, अरुण सिंह सहित अनेक डॉक्टरों और समाजसेवियों ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

करंट की चपेट में आने से किशोर कांवरिया की मौत

बक्सर| परिजनों के साथ कांवर लेकर ब्रह्मपुर जाने के क्रम में करंट के चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक नावानगर थाना क्षेत्र के सारा गांव के रामेश्वर सिंह के पुत्र अमन कुमार 14 वर्ष अपने परिजनों के साथ पिकअप से ब्रह्मपुर ब्रह्मेश्वर धाम जाने के लिए निकला था। बक्सर ज्योति चौक के समीप पिकअप खड़ी कर सब गंगा स्नान करने के लिए जाने की तैयारी कर रहे थे। उसी दौरान किशोर पानी पीने के लिए सड़क किनारे चापानल पर पहुंचा। चापानल के समीप एक पोल में प्रवाहित करंट के चपेट में किशोर आ गया। किशोर की मौत मौके पर ही हो गई। घटना के बाद मौके पर चिख-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। टाउन थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

प्रधान डाकघर में आईटी टू सॉफ्टवेयर का हुआ उद्घाटन, अब डिजिटल सेवा

आरा| प्रधान डाकघर, आरा में डाक विभाग की नवीनतम तकनीकी पहल आईटी टू सॉफ्टवेयर का उद्घाटन हुआ। डाक अधीक्षक नीरज कुमार द्वारा केक काटकर सॉफ्टवेयर का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस नई प्रणाली के तहत ग्राहक अब डाक भेजने में ऑनलाइन भुगतान कर सकेंगे। इसके अलावा स्पीड पोस्ट के लिए एक उन्नत ट्रैकिंग प्रणाली उपलब्ध कराई गई है, जिससे तहत ग्राहक को हर चरण पर एस एम एस के माध्यम से सूचना मिलती रहेगी। सॉफ्टवेयर को पहले से बेहतर सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जिससे डाक सेवाओं में पारदर्शिता, तेजी और ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि हो सके। डाक अधीक्षक नीरज कुमार ने कहा कि आईटी टू सॉफ्टवेयर विभाग की डिजिटल सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाएगा तथा ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाएगा। यह पहल डाक विभाग के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मौके पर डाकपाल आरा यशवंत कुमार सिंह, एएसपी मुख्यालय श्रीनिवास कुमार, सीआई उमाशंकर सिंह, सीपीसी इंचार्ज कृष्ण मुरारी, सभी सिस्टम मैनेजर – कुंदन कुमार सिंह, टुनटुन सिंह, राहुल कुमार, कुंदन कुमार, मनोरंजन कुमार सिंह, विकास पदाधिकारी श्री उदय प्रताप सिंह, संतोष सहाय, संजय सिंह, विवेक कुमार सिंह, लव कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह समेत कई अन्य डाककर्मी उपस्थित थे।

सावन की चौथी सोमवारी पर बाबा बरमेश्वर नाथ मंदिर में भक्तों ने किया जलाभिषेक

ब्रह्मपुर| सावन की रिमझिम फुहारों के बीच सावन की चौथी सोमवारी पर बाबा बरमेश्वर नाथ मंदिर में हजारों की संख्या में लोगों ने बाबा बरमेश्वर नाथ का जलाभिषेक किया। अंतिम सोमवारी को रात से ही बारिश हो रही थी फिर भी पिछले तीन सोमवारी से श्रद्धालुओं की ज्यादा भीड़ रही, इसलिये नियमित पूजा के बाद मंदिर का पट 2 बजे रात में ही खोल दिया गया। बक्सर से गंगा जल भरकर 30 किलोमीटर पैदल आने वाले कांवरियों की भीड़ से सड़क पटा रहा।हलाकि कावरियों के लिये अलग से कोई व्यवस्था नही थी।कावरियों की सुविधा के लिये मंदिर रोड एवं आरा बक्सर रोड में व्यवसायिक संघ ने कैम्प लगाकर चाय,पानी एवं मेडिकल सुविधा प्रदान की।

बक्सर के मुक्ति धाम में शव जलाने के लिए जगह की कमी

निज संवाददाता | बक्सर

बक्सर में गंगा नदी के उफान ने जिले के कई क्षेत्रों को बाढ़ग्रस्त कर दिया है। मिनी काशी के रूप में प्रसिद्ध बक्सर के चरित्रवन स्थित मुक्ति धाम में भी पानी चढ़ गया है। इससे लोगों को अपने प्रियजनों के अंतिम संस्कार के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शव लेकर पहुंचने पर शव जलाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। बक्सर में गंगा घाट से लगभग 100 मीटर की दूरी पर एक छोटे से स्थान पर शवों का दाह संस्कार किया जा रहा है। इस स्थिति में चिता की राख का गंगा में विसर्जन भी संभव नहीं हो पा रहा है। मुक्ति धाम में घाट के ऊपर बन रहे इलेक्ट्रिक शव दाह गृह का निर्माण कार्य भी रोक दिया गया है। अब लोग निर्माण सामग्री जैसे गिट्टी और बालू को इधर-उधर हटाकर शवों का अंतिम संस्कार कर रहे हैं।

लकड़ियों के महंगे होने से नाराज लोग: मुक्ति धाम पर अंतिम संस्कार के लिए आए लोग जगह की कमी और लकड़ियों के महंगे होने से नाराज दिखे। मुक्ति धाम में रोजाना 30-40 शवों का अंतिम संस्कार होता है। यहां बक्सर के अलावा रोहतास, कैमूर, भोजपुर और उत्तर प्रदेश से भी लोग अंतिम संस्कार के लिए आते हैं। सामान्य दिनों में लोग अंतिम संस्कार के बाद रामरेखा घाट पहुंचकर गंगा में स्नान करते हैं। बाढ़ आने से पहले शवों को गंगा घाट पर ही जलाया जाता था और चिता की राख को गंगा में प्रवाहित कर दिया जाता था। लेकिन बाढ़ के कारण अब यह संभव नहीं हो पा रहा है।

अंतिम संस्कार करने में हो रही परेशानी: रोहतास जिले के क्वाथ स्थित डीलिया गांव से आए रामू कुमार ने बताया कि शव लेकर पहुंचने पर उन्हें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लकडियां भीगी हुई हैं और महंगी भी मिल रही हैं। जहां पहले शव जलाए जाते थे, वहां अब पूरा पानी भर गया है। जगह की कमी के बावजूद, शव लेकर आए हैं तो जैसे-तैसे अंतिम संस्कार करके लौटना है। रोहतास से शव लेकर पहुंचे श्याम बिहारी राम बताते है कि गंगा नदी का पानी बढ़ जाने से शव जलाने में परेशानी बढ़ गया है। हालांकि, शव दाह गृह का निर्माण हो जाएगा। ये परेशानी काफी हद तक दूर होने की संभावना है। घाट पर लकड़ी बेचने वाले बताते है कि लगातार पानी बढ़ने से बहुत दिक्कत हो गया है। लड़कियां पानी में डूब रही है। नीचे जितना झोपड़ी था बह गया। शव लेकर लोग पहुंच रहे है। जहां जगह मिल रहा है वहीं जलकर वापस जा रहे है। बारिश होने के कारण सुखी लकड़ियों को बचा कर रखने में परेशानी हो रही है। लकडियां पहले 450 रुपए मन (40 किलो) दिया जाता था। अब उसका दाम 500 रुपए लिया जा रहा है।

दाह गृह परिसर में जलाया जा रहा शव: गंगा के जलस्तर में दिनों दिन वृद्धि दर्ज की जा रही है। इस दौरान मुक्ति धाम का गंगा घाट भी पानी से लबालब भर चुका है। यहां पर शवों का दाह संस्कार करने वाला स्थान डूब चुका है। इसके कारण शवों के अंतिम संस्कार का स्थान बदल गया है।

भोजपुर जिले में ट्रेन से कटकर 2 युवकों की मौत

निज संवाददाता | आरा

♦ झारखंड के रहने वाले थे दोनों, सीमेंट फैक्ट्री में काम करते थे, रेलवे ट्रैक क्रॉस करते समय हादसा

भोजपुर में सिकरिया हॉल्ट के समीप अप लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई। एक की मौत घटनास्थल पर जबकि दूसरे की अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में हो गई। दोनों झारखंड के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान लातेहार जिला के सुरली निवासी पंकज कुमार और नेसारूल अंसारी(18) के तौर पर हुई है। घटना दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड की है। मृतकों के दोस्त नौशाद ने बताया कि सभी लोग रघुनाथपुर स्थित जे.के सीमेंट फैक्ट्री में काम करते थे। काम खत्म करने के बाद दोनों बाजार करने गए थे। वापस लौटते समय सिकरिया हॉल्ट के पास रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। इस दौरान ट्रेन की चपेट में आने से जान चली गई। आरा रेल पुलिस से हादसे की जानकारी मिली। जिसके बाद परिजन अस्पताल पुहंचे।

साजिश की आशंका: वहीं, नेसारुल अंसारी के चाचा हफीज ने बताया कि दोनों पांच दिन पहले लातेहार से काम करने यहां आए थे। दोस्तों ने बताया कि बाजार से लौटते समय हादसे के शिकार हो गए। लेकिन मुझे लगता है कि किसी ने लाकर जबरन ट्रैक पर लिटा दिया है। पंकज 5 भाई-बहन में दूसरे नंबर था। जबकि नेसारुल तीन भाई और दो बहन में पांचवें नंबर पर था। पोस्टमार्टम के बाद रेल पुलिस ने अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को शव सौंप दिया है। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

भोजपुर जिले में 24 घंटे बाद मिला मजदूर का शव

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर में आहर में डूबे मजदूर का शव 24 घंटे बाद मिला है। सीमेंट-सरिया की दुकान में काम करता था। घर लौटते समय पैर फिसलने से आहर में डूब गए थे। मृतक की पहचान आयर इलाके के हदियाबाद गांव निवासी राजू बैठा(42) के तौर पर हुई है। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव की है। ग्रामीण राणा प्रताप सिंह ने बताया कि हर दिन की तरह रविवार की सुबह काम पर गया था। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की, लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। सोमवार की सुबह परिजन दुकानदार के पास पहुंचे। उन्होंने बताया कि वह समय से ही दुकान से घर के लिए निकल गए थे। इसके बाद परिवार के सदस्य आहर के पास पहुंचे। शक के आधार पर मृतक के छोटे भाई और ग्रामीण आहर में घुसकर खोजबीन करने लगे तो उनका शव मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

घर में मचा कोहराम: मृतक चार भाई-बहन में तीसरे स्थान पर था। परिवार में मां मंझारो कुंअर, पत्नी किरण देवी, दो पुत्र किशन और रवि है। मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दो साल पहले निधन, फिर भी वोटर लिस्ट में नाम

निज संवाददाता | आरा

बिहार में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण 2025 के तहत 1 अगस्त को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन कर दिया गया है। लेकिन इसके बाद लगातार लापरवाही और अनियमितताओं के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला आरा नगर निगम की पहली डिप्टी मेयर रहीं स्व. सुमन देवी का है। जिनका निधन दो साल पहले हो चुका है। बावजूद इसके उनका नाम हाल ही में जारी की गई प्रारूप मतदाता सूची में दर्ज है। सुमन देवी का मतदाता पहचान पत्र संख्या EPIC-RGX2514065 है। उनका नाम 244, उर्दू प्राथमिक विद्यालय, पकड़ी, आरा पूर्वी भाग के मतदान केंद्र में शामिल है। सुमन देवी के पति राजीव रंजन का नाम मतदाता सूची में क्रम संख्या 163, देवर उदय राणा का नाम 167 और दूसरे देवर शैलेन्द्र कुमार का नाम क्रम संख्या 170 पर दर्ज है।

जांच के दिए आदेश: इस संबध में भोजपुर डीएम तनय सुल्तानिया ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है। जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले आरा लोकसभा के सांसद सुदामा प्रसाद की पत्नी शोभा देवी का नाम भी दो अलग-अलग स्थानों पर मतदाता सूची में दर्ज होने का मामला सामने आया था।

बीमारी से हुई थी भाभी की मौत: वहीं, सुमन देवी के देवर शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि भाभी वार्ड नंबर 13 से तीन बार 2007 से 2022 तक वार्ड पार्षद रहीं। आरा निगम बनने के बाद वर्ष 2007 से 2009 तक नगर निगम की पहली उप महापौर चुनी गई थीं। हम लोगों को भी सोशल मीडिया के माध्यम से भाभी का वोटर लिस्ट में नाम आने की सूचना मिली थी। चेक करने के बाद मामला सही निकला। भाभी की मौत 20 फरवरी 2023 को बीमारी कारण हो गई थी। 2007 में आरा पहली बार नगर निगम बना था। उस समय पहली उप महापौर चुनी गईं थीं। अब निर्वाचन आयोग से इसकी शिकायत करेंगे। हमारे दरवाजे पर BLO नहीं आए थे। कहीं न कहीं ये गलती हुई है। किसके माध्यम से यह गलती हुई है, यह तो बड़े पदाधिकारी बताएंगे। अगर BLO आया होता तो काम अच्छा से किया होता ।

करीब 1.91 लाख वोटर केट: विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के तहत भोजपुर जिले में मतदाता सूची को अद्यतन करने का काम अंतिम चरण में पहुंच चुका है। जिले के कुल 22,21,986 मतदाताओं में से अब तक 20,30,975 का गणना प्रपत्र पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। यानी अब तक 91.40% मतदाताओं का डेटा पोर्टल पर दर्ज हो चुका है। निर्वाचन कार्यालय के अनुसार गणना प्रपत्र भरने और पोर्टल पर अपलोड करने की आज अंतिम तिथि निर्धारित है। इस प्रक्रिया में मृत, दोहरी प्रविष्टि, स्थायी रूप से स्थानांतरित और अन ट्रेसेबल मतदाताओं को मिलाकर लगभग 1.91 लाख मतदाताओं को चिन्हित किया गया है, जिन्हें सूची से हटाने की प्रक्रिया की जा रही है।

अब आगे क्या होगा: भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रारूप सूची पर दावा और आपत्ति 1 सितंबर 2025 तक ली जाएगी। निपटारा 25 सितंबर तक किया जाएगा। इसके बाद 30 सितंबर 2025 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने आम लोगों से सहयोग की अपील की है। यदि किसी को मतदाता सूची में नाम जुड़वाना है, संशोधन कराना है या आपत्ति दर्ज करानी है तो निर्धारित अवधि में आवेदन कर सकते हैं।

अहले सुबह से ही गंगा घाटों पर स्नान कर भक्तों ने मंदिरों में महादेव की पूजा अर्चना की

निज संवाददाता | बक्सर

श्रावण मास की चौथी यानी अंतिम सोमवारी पर पूरा शहर शिवमय हो गया था। विश्वामित्र की नगरी शिव भक्ति में लीन दिखी। शहर के मंदिर और शिवालय सुबह से ही शिव भक्तों से गुलजार हो गये। शिवालय और मंदिर का परिसर हर हर महादेव के जयघोष से गूंजने लगा। शिव भक्तों ने रामरेखा घाट, नाथ बाबा घाट, गोला घाट, सती घाट, सिद्धनाथ घाट समेत अन्य प्रमुख गंगा घाटों पर स्नान किये। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालु गंगाजल के साथ मंदिर पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने रामरेखा घाट स्थित श्री रामेश्वरनाथ मंदिर, नाथ बाबा मंदिर, गौरीशंकर मंदिर, सिद्धनाथ बाबा मंदिर, पतालेश्वर महादेव मंदिर समेत अन्य शिवालयों में महादेव को जलाभिषेक करने के साथ नंदी भगवान की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। भक्तों ने अपने-अपने मनोकामना को लेकर नंदी भगवान के कान में बोलकर अर्जी लगाई। जलाभिषेक के लिए मंदिरों में कतार लगी रही। मंदिर प्रबंधन की ओर से जलाभिषेक के दौरान शिव भक्तों को किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं हो इसका ख्याल रखा जा रहा था। महिला एवं पुरूष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतार लगाने की व्यवस्था की गई थी। मंदिरों में रूद्राभिषेक का चलता रहा अनुष्ठान शहर के नाथ बाबा मंदिर, गौरीशंकर मंदिर, रामेश्वरनाथ मंदिर, पातालेश्वर महादेव मंदिर, सोमेश्वरनाथ मंदिर समेत अन्य मंदिरों में पूरे दिन रूद्राभिषेक का अनुष्ठान चलता रहा। वहीं मंदिर के पुजारी से चंदन का टीका लगवा श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया। चौथी सोमवारी पर मंदिरों में होने वाली भीड़ से निपटने के लिए बेहतर इंतजाम किये गये थे। देर शाम तक मंदिरों में पूजा, जलाभिषेक व रूद्राभिषेक का अनुष्ठान चलता रहा। **मंदिरों में सुरक्षा का था बेहतर प्रबंध :** अंतिम सोमवारी को लेकर होने वाली भीड़ को लेकर मंदिर प्रबंधन की ओर से बेहतर इंतजाम किया गया था। महिला और पुरूष श्रद्धालुओं को जलाभिषेक करने के लिए कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए अलग-अलग कतार लगवाई गई थी। कतार में खड़े श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से महादेव की पूजा अर्चना करने के साथ ही काफी सहुलियत के साथ जलाभिषेक किए। सुबह से लेकर शाम तक यह सिलसिला चलता रहा।

पानी देख मंत्री लौटे,गाड़ी में बैठे रहे पवन सिंह

निज संवाददाता | आरा

बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता भोजपुर जिले के जवइनिया गांव में जाने से इनकार कर दिया और इसकी जिम्मेदारी अन्य नेताओं को देकर चलते बने। दरअसल, केदार प्रसाद गुप्ता भोजपुर जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं। जवइनिया गांव के लोगों का कहना है कि, मंत्री जी घुटना भर पानी देखकर डर गए। मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता सोमवार को बाढ़ के बाद कटाव से जूझ रहे भोजपुर के शाहपुर विधानसभा के जवइनिया गांव में पीड़ितों से मुलाकात करने गए थे। मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता के जाने के करीब 90 मिनट बाद भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह जवइनिया गांव के पीड़ितों से मिलने के लिए लखनऊ से भोजपुर पहुंचे। गौरा बाजार पहुंचते ही पवन सिंह के आने की जानकारी के बाद उनके फैंस ने हजारों की संख्या में उनकी गाड़ी को घेर लिया। पवन सिंह के फैंस उनसे ऑटोग्राफ, सेल्फी लेने की डिमांड करने लगे। इसके बाद भीड़ देखकर पवन सिंह की टीम ने गौरा बाजार के आगे जवइनिया गांव जाने से इनकार कर दिया।

भीड़ की वजह से गांव में नहीं जा सके पवन सिंह: पवन सिंह को प्रशासन की ओर से जवइनिया गांव जाने से मना किया गया था। कहा गया था कि भीड़ जुट सकती है, नदी भी उफान पर है, प्रशासन की ओर से आपको सुरक्षा मुहैया नहीं कराई जा सकती है। इसके बावजूद पवन सिंह सोमवार शाम चार बजकर 22 मिनट पर गौरा बाजार पहुंचे, लेकिन भीड़ की वजह से आगे नहीं जा सके। करीब 30 मिनट तक भीड़ से घिरे रहने के बाद पवन सिंह गाड़ी से आरा की ओर वापस रवाना हो गया। हालांकि, पवन सिंह वापस हो गए, लेकिन उनके साथ पीड़ितों के लिए लाए गए राहत सामाग्री को जवइनिया गांव के लोगों के हवाले कर दिया गया। मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता भाजपा के नेताओं, एसपी और डीएम के साथ मंत्री जवइनिया की ओर बढ़े, लेकिन किसी ने उन्हें बता दिया कि आगे जाने में खतरा है, सड़क पर पानी बह रहा है। इसके बाद मंत्री जवइनिया गांव से 5.5 किलोमीटर पहले गौरा बाजार में रुक गए। यहीं डीएम को जरूरी दिशा निर्देश दिया और कहा कि पीड़ितों को हर हाल में सारी सुविधाएं मिलनी चाहिए। इसके बाद मंत्री ने साथ में मौजूद पूर्व विधायक मुन्नी देवी के पति को पीड़ितों से मुलाकात करने की जिम्मेदारी सौंपी और खुद वापस लौट गए। मंत्री के लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने कहा कि, 'मंत्री डेढ़ से दो फीट पानी देखकर ही डर गए और भाग गए। सोचिए, हम लोग या फिर जो पीड़ित हैं, वे कैसे रह रहे हैं।

मंत्री का बांध पर इंतजार करते रह गए पीड़ित: जवइनिया गांव में पिछले 15 से 20 दिनों से कटाव हो रहा है। 650 से ज्यादा घर गंगा के कटाव के कारण पानी में समा चुके हैं। प्रभावित लोग एक किलोमीटर दूर बांध पर अस्थायी रूप से तंबू बनाकर रह रहे हैं। तंबू में रह रहे लोगों के मुताबिक, अब तक सरकार का कोई भी नेता हम लोगों का हाल जानने नहीं आया। आज पता चला था कि मंत्रीजी आने वाले हैं, लेकिन वे डेढ़ फीट पानी देखकर ही डर गए। मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता के गौरा बाजार पहुंचने और जिलाधिकारी को निर्देश देने का एक वीडियो भी सामने आया है। मौके पर मौजूद भाजपा की पूर्व विधायक मुन्नी देवी के पति ने मंत्री से आग्रह किया कि वे किसी तरह गांव तक पहुंचें, लेकिन मंत्री ने यह कहते हुए मना कर दिया कि नेता आप ही है,विधायक आप ही है हमारे,आपको देखना है। मंत्री केदार प्रसाद के जाते ही गांव वाले भड़क गए। उन्होंने कहा कि मंत्री आए तो थे, ग्रामीणों से मिलने के लिए लेकिन मंत्री जी पानी देखकर घबरा गए। लोग बांध पर उनका इंतजार कर रहे थे, बोल रहे थे कि मंत्री जी से अपना दुख बांटेंगे।

रफी की याद में संगीत संध्या, गूंजा हर दिल का तराना

निज संवाददाता | आरा

हर दिल अजीज गायक मोहम्मद रफी की 55 वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में प्रेम का सुसाज संस्था द्वारा नागरी प्रचारिणी में तुम मुझे यूं भुला न पाओगे...का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में श्रोताओं ने रफी साहब के अमर गीतों का आनंद लेते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उद्घाटन संगीत शिक्षक व गायक धर्मेंद्र कुमार, शिक्षक रमेश कुमार, व्यवसायी राजकुमार, संगीत प्रेमी इकबाल इल्मी और गायिका अंबे शरण ने मो. रफी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत नन्ही गायिका ऋषिका शर्मा ने तुम मुझे भूल न पाओगे... गीत से की गई। जिसने माहौल को भावुक बना दिया। इसके बाद एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुतियां हुईं। आदर्श कुमार ने लिखे जो खत तुझे..., नौशाद ने जॉन जानी जनार्दन..., अलका शरण ने एहसान तेरा होगा मुझ पर..., राजकुमार ने ना जा कहीं अब ना जा..., कुमार अनुपम ने बदन के सितारे..., रमेश कुमार ने दिल का सुना साज..., मो. यूसुफ ने अगर बेवफा तुझको..., नवीन पांडेय ने दिल की आवाज भी सुन..., कृष्णकांत मानस ने रहा गर्दिशों में..., और धर्मेंद्र कुमार ने न फनकार तुझसा... जैसे गीतों से दर्शकों को सुनाया। नवीन व सुनीता पांडेय ने एक तेरा साथ हमको दो जहां..., धर्मेंद्र व ऋषिका ने जो वादा किया..., इशारों इशारों में... और अंबे शरण के साथ जन्म-जन्म का साथ है... गाकर समां बांध दिया। राजकुमार व अंबे शरण ने इतना तो याद है मुझे...गीत गाया। रफी-किशोर की जुगलबंदी को कलाकारों ने किया याद मोहम्मद रफी और किशोर कुमार की दोस्ती को समर्पित फिल्म दोस्ताना का मशहूर गीत बने चाहे दुश्मन जमाना हमारा...धर्मेंद्र और रमेश कुमार ने साझा स्वर में प्रस्तुत किया। धर्मेंद्र कुमार, शमशाद प्रेम और मो. नौशाद ने देशभक्ति गीत मेरे देश प्रेमियों, आपस में प्रेम करो... से कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम के संयोजक शमशाद प्रेम ने कहा कि रफी साहब भारतीय फिल्म संगीत जगत के अद्वितीय रत्न थे। उनकी आवाज ने प्रेम, भक्ति, दर्द, खुशी – हर भाव को जीवंत कर दिया। वे सिर्फ महान गायक ही नहीं, एक नेकदिल इंसान भी थे। मौके पर डॉ. विभा कुमारी, डॉ. संजीव कुमार, सुशील कुमार, नाथूराम, सलील भारतीय, पुनीता सिंह, लड्डुन खान, कृष्णेंदु, पंकज प्रभाकर, संजीव गुप्ता समेत बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी मौजूद रहे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का एनडीए के विधानसभा चुनाव में क्लीन स्वीप का दावा

अररिया। बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल के फारबिसगंज आगमन पर मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने गाजे बाजे के साथ स्वागत किया।भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल माला,बुके एवं अंग वस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वह बूथ सशक्तिकरण अभियान तथा मतदाता पुनरीक्षण कार्य में पार्टी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को लेकर आयोजित एक दिवसीय बैठक में भाग लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए क्लीन स्वीप करेगा, क्योंकि बिहार में डबल इंजन की सरकार गांव,गरीब,युवा,महिला,किसान, मजदूरों के चहुमुखी विकास के लिए ततपरता से कार्य कर रही है।उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार के कल्याणकारी योजनाओं को हर घर हर गांव तक पहुंचाने के साथ चुनाव में एनडीए के बेहतर प्रदर्शन के लिए एकजुटता और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

मुंगेर के वी-मार्ट मॉल में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख, लोगों को सुरक्षित निकाला

मुंगेर। मुंगेर के भी-मार्ट मॉल में मंगलवार को अचानक आग लग गई। आग लगते ही मॉल में धुएं का गुबार भर गया, जिससे कर्मचारियों और मैनेजर को जान बचाकर भागना पड़ा। अफरातफरी के बीच कई लोग सड़क पर निकल आए। मॉल कासिम बाजार थाना क्षेत्र के चुआबाग में है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मॉल के ग्राउंड फ्लोर पर सिटी स्कैन मशीन और अन्य हाइटेक उपकरण लगे हुए थे। आग लगते ही वहां मौजूद सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने तुरंत 112, पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड की तीन बड़ी और एक छोटी दमकल मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। मॉल के ऊपरी हिस्से में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना के दौरान इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। हालांकि आग लगने के सही कारण का पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को वजह माना जा रहा है। पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा और भीड़ को नियंत्रित करने में जुटा रहा। फिलहाल, मॉल में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम आग लगने के कारणों की जांच में जुटी है।

जमालपुर-धरहरा मार्ग पर जलजमाव

मुंगेर। मुंगेर के जमालपुर में सड़कों की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी है। बारिश के दौरान जगह-जगह जलजमाव हो जाता है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। स्कूली बच्चों और छोटे वाहन चालकों के लिए यह सड़क खतरनाक बन गई है। सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के सदस्यों ने जमालपुर-धरहरा मुख्य मार्ग पर जलजमाव के बीच धान की रोपाई कर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि यह प्रदर्शन जिले और नगर के अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए किया गया है। अभाविप के नगर सह मंत्री आदित्य कुमार और पूर्व विभाग संयोजक सुभाष मंडल ने बताया कि बारिश के मौसम में यह सड़क चलने लायक नहीं रह गई है।

धरहरा-जमालपुर सड़क पर गहरे गड्ढे, कीचड़ और जलजमाव के कारण छात्रों और आम जनता का आवागमन बेहद कठिन हो गया है। नगर मंत्री अंकित मंडल ने स्थानीय सांसद और विधायक को इस स्थिति के लिए दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि सड़क जैसी बुनियादी आवश्यकता की अनदेखी जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता को दर्शाती है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विक्की आनंद ने जिलाधिकारी से स्कूल जाने वाले बच्चों, बीमार मरीजों और आम राहगीरों को हो रही परेशानियों से बचाने के लिए सड़क पर तत्काल राहत पहुंचाने की मांग की। यह विरोध प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि युवा अब केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि जमीनी स्तर पर बदलाव की आवाज बनना चाहते हैं। जिला सोशल मीडिया संयोजक विकास राज का कहना था कि जब सड़कें खेत बन गई हैं, तो हमने उसमें धान की खेती शुरू कर दी है। मौके पर प्रदेश सह मंत्री आयुषी गुप्ता, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य साकेत सम्राट, सुभाष मंडल, विकास राज, अंकेश, आदित्य,अनुराग, रोहित, सुमित सहित दर्जनों आम जनता उपस्थित थे।

बहू की हत्या मामले में भैसूर को आजीवन कारावास, मुंगेर कोर्ट 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया

मुंगेर। मुंगेर के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय प्रबल दत्ता ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। उन्होंने अपने छोटे भाई की पत्नी की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 25 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया। न्यायालय ने अभियोजन और बचाव पक्ष के दलीलों को सुनने के बाद मृतक रुबी देवी के भैंसुर गोपी चौधरी को यह सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक मु. शहजादा ने बहस में भाग लिया। घटना 18 सितंबर 2020 की है। शास्त्री नगर स्थित मकान में रुबी देवी सुबह उठीं। उन्होंने देखा कि उनके कमरे के आगे का बल्ब खुला हुआ है। इस पर उन्होंने पूछा कि बल्ब किसने खोला। इसी बात को लेकर रुबी देवी के भैंसुर गोपी चौधरी और गोतनी बेबी देवी ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान गोपी चौधरी ने रुबी देवी के सिर पर लाठी से वार कर दिया। जिससे उनका सिर फूट गया। जिसके बाद घायल रुबी देवी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उन्होंने पुलिस के सामने अपना बयान दर्ज कराया। लेकिन अगले ही दिन उनकी मृत्यु हो गई। इस हत्या मामले में अभियुक्त गोपी चौधरी चार जनवरी 2021 से जेल में बंद है। न्यायालय ने 25 जुलाई को गोपी चौधरी को दोषी करार दिया था। अब सोमवार को उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

नेपाली मूल की बहुओं को मतदाता सूची से हटाने के मामले पर निर्वाचन आयोग सख्त

अररिया। नेपाली मूल की बहुओं को मतदाता सूची से हटाए जाने के मामले को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता सह आजाद हिन्द फौज के संयोजक प्रभात यादव के पत्राचार पर निर्वाचन आयोग ने इसे गंभीरता से लिया है।भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार निर्वाचन विभाग को मामले में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। सीमावर्ती क्षेत्र में नेपाली मूल की महिलाएं वर्षों से अपने भारतीय पतियों के साथ रह रही हैं। शादी के बाद ये महिलाएं भारतीय समाज का हिस्सा बन चुकी हैं। इनके पास राशन कार्ड,आधार संख्या,बैंक खाते जैसे तमाम दस्तावेज हैं। इसके बावजूद हाल के मतदाता पुनरीक्षण अभियान में इन्हें केवल इस आधार पर मतदाता सूची से बाहर किया जा रहा है कि इनके पास एसआईआर द्वारा मांगी गई दस्तावेज नहीं है।जिसको लेकर प्रभात यादव ने भारत निर्वाचन आयोग को एक विस्तृत आवेदन भेजा था। उन्होंने मांग की कि इस मामले में पुनर्विचार करते हुए मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए और उन बहुओं को मतदाता सूची में शामिल किया जाए,जो वर्षों से भारत में रह रही हैं और भारतीय समाज की मुख्यधारा में समाहित हो चुकी हैं। प्रभात यादव के इस पत्र पर संज्ञान लेते हुए भारत निर्वाचन आयोग ने 15 जुलाई 2025 को पत्र संख्या 464/पूर्वा-1/बिहार/2025 के माध्यम से बिहार निर्वाचन विभाग को निर्देश भेजा।

इसके आलोक में अपर सचिव, बिहार निर्वाचन विभाग, श्री माधव कुमार सिंह ने अररिया के जिलाधिकारी सह जिला निर्वाची पदाधिकारी को पत्र भेजते हुए कहा कि प्रभात यादव द्वारा प्राप्त आवेदन पत्र का विषय वस्तु नेपाली मूल की विवाहिता महिलाओं के नाम मतदाता सूची से हटाने से संबंधित है। इसलिए इस मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। जहां एक ओर पंचायत स्तर पर बीएलओ द्वारा मनमानी के कारण नेपाली मूल की बहुओं को मतदान अधिकार से वंचित किया जा रहा था। अब निर्वाचन आयोग की सक्रियता ने उम्मीद की नई किरण दिखाई है। इस विषय पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रभात यादव ने कहा कि यह केवल पत्राचार नहीं है,बल्कि हजारों बहनों के आत्मसम्मान की आवाज है। वर्षों से जो बहुएं इस देश को अपना घर मान चुकी हैं, उन्हें विदेशी मानकर मतदाता अधिकार से वंचित करना नाइंसाफी है।

पांच कांवड़ियों की मौत के बाद आश्रितों को सौंपा चेक

बेटे की मौत का मुआवजा लेते वक्त गिरी मां, डीएम ने उठाया, दो दिन पहले हुआ था हादसा

निज संवाददाता। भागलपुर

सावन की चौथी सोमवारी पर बासुकीनाथ धाम जा रहे रविवार की रात एक हादसे में पांच कांवरियों की मौत हुई थी। पांचों कांवड़ियों की मौत के मामले में प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मंगलवार को उनके परिजनों को चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि सौंप दी। चेक लेते समय एक मृतक की मां बेटे का नाम सुनकर अचेत होकर जमीन पर गिर गई। इस दौरान वहां मौजूद डीएम नवल किशोर चौधरी ने तत्काल महिला को उठाया और संभाला।

डीएम नवल किशोर चौधरी ने समीक्षा भवन में आयोजित कार्यक्रम में मृतकों के आश्रितों को आपदा प्रबंधन के तहत मिलने वाली राशि के चेक सौंपे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार पीड़ित परिवारों को 24 घंटे के भीतर मुआवजा प्रदान किया गया है। डीएम ने श्रद्धालुओं से अपील की कि आस्था के साथ यात्रा करें, लेकिन सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। डीएम ने मृतकों के प्रति अपना संवेदना भी व्यक्त किया, उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में हम दुखी हैं। उन्होंने आगे कहा कि अन्य योजनाओं से भी फायदा दिलाने का हम लोग परिजनों को कोशिश कर रहे हैं।

सुल्तानगंज के विधायक भी मौजूद रहे: मुआवजा राशि सौंपे जाने के दौरान डीएम ऑफिस में सुल्तानगंज विधायक प्रो. ललित नारायण मंडल भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से किसी भी जरूरतमंद की मदद में देरी नहीं होती। सभी मृतकों के परिवारों को सरकार के निर्देश के अनुसार मदद पहुंचाई गई है। उन्होंने भी लोगों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की।

हाई टेंशन तार की चपेट में आई थी कांवड़ियों की गाड़ी: रविवार रात कांवरियों से भरी डीजे वाहन बिजली के हाईटेंशन तार की चपेट में आ गई थी। हादसा सुल्तानगंज से जल भरकर लौटने के दौरान हुआ। वाहन में करंट फैलते ही भगदड़ मच गई। खुद को बचाने के लिए कई लोग वाहन से कूदकर पानी में जा गिरे, लेकिन पांच कांवरियों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे गए। मृतकों में शाहकुंड के पुरानी खेरही बाजार निवासी संतोष कुमार (18), मनोज कुमार (24), विक्रम कुमार (23), कसवा खेरही के अंकुश कुमार (18) और रवीश कुमार उर्फ मुन्ना (18) शामिल थे।

भागलपुर में नदी में डूबने से चरवाहा की मौत

♦ कोसी नदी से जानवर को निकालने गए थे, गहरे पानी में जाने से हुआ हादसा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में नदी से जानवर को निकालने गए चरवाहा की डूबने से मौत हो गई। घटना नवगछिया के नारायणपुर प्रखंड के कोसी नदी के उपधारा की है। मृतक की पहचान नगरपारा दक्षिण पंचायत वार्ड नंबर वन के रहने वाले रामजी सिंह (65) के तौर पर हुई है। रामजी सोमवार को अपने पशु को चराने के लिए गया हुआ था, तभी जानवर कोसी के उपधारा में चले गए। जिसे निकालने के दौरान रामजी सिंह डूब गए थे। मंगलवार को उनके शव नदी में मिला। परिजन शव को कोसी नदी से निकाल कर घर ले गए। मृतक की पत्नी कुनिया देवी ने बताया कि सोमवार को भैंस चराने के लिए पति घर से निकला था। लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा, अकेला ही भैंस घर पर आ गया काफी खोजबीन करने के बाद मंगलवार को उनका शव कोसी नदी के उपधारा में मिला। घटना की जानकारी परिजनों ने स्थानीय पुलिस को दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। इस घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पत्नी कुनिया देवी बार-बार बेहोश हो रही थी। गांव की महिलाएं उन्हें संभाल रही थी। बिहपुर विधानसभा के विधायक इंजीनियर शैलेंद्र नगरपारा दक्षिण पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि पवन कुमार सिंह पंचायत समिति सदस्य जय प्रकाश सिंह उर्फ सनी सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने पहुंचकर मृतक के परिजनों से मुलाकात की।

दहेज के लिए कर दी नवविवाहिता की हत्या

निज संवाददाता। पूर्वी चंपारण

जिले के रक्सौल थाना क्षेत्र के हरदिया गांव में दहेज को लेकर एक नवविवाहिता की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका नेपाल के पर्सा जिला निवासी सुरेंद्र राम की पुत्री वृंदा कुमारी है। सूचना पर रक्सौल पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया है।

मृतका के पिता सुरेंद्र राम ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उनकी पुत्री की शादी चार माह पूर्व बड़ी धूमधाम से की गई थी। उस समय ससुराल वालों की अधिकतर मांगें पूरी की गई थीं, लेकिन एक मोटरसाइकिल व कुछ नकद रुपये की मांग बाकी रह गई थी। इसे लेकर लगातार दबाव डाला जा रहा था।

सुरेंद्र राम ने कहा कि उन्होंने ससुराल वालों से निवेदन किया था

कि उन्होंने हैसियत से ज्यादा दहेज दे दिया हैऔर बकाया मांग जल्द पूरी कर देंगे। उन्होंने बताया कि अचानक उन्हें सूचना मिली कि उनकी बेटी की हत्या कर दी गई है और उसका चुपचाप अंतिम संस्कार किया जा रहा है। जब वे मौके पर पहुंचे तो परिजन ने उन्हें घटना की जानकारी तक नहीं दी थी। संदेह होने पर उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मृतका के पति श्यामबाबू फरार है, जबकि उसके माता को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल की जर्जर हालत पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, प्रशासन को घेराव की चेतावनी

निज संवाददाता। बेतिया

पश्चिम चंपारण ज़िला स्थित लौरिया ब्लॉक के बहुअरवा पंचायत स्थित जमुनिया गांव में स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय की खस्ताहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। विद्यालय भवन की जर्जर दशा से नाराज ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर प्रशासन के प्रति आक्रोश व्यक्त किया और चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे बच्चों के साथ प्रखंड कार्यालय का घेराव करेंगे। ग्रामीणों ने बताया कि इस विद्यालय में कुल 478 छात्र अध्ययनरत हैं, जो अपनी जान जोखिम में डालकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। विद्यालय में मात्र तीन कक्ष हैं, जिनमें दो पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं, जबकि एकमात्र हॉल में बच्चों को बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। भीड़ का

आलम यह है कि एक कमरे में सौ से ज्यादा बच्चों को समेटना पड़ता है। इस विद्यालय परिसर में दानियाल प्रसौना पंचायत के सुगर छाप स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय को भी मर्ज कर दिया गया है।

मर्ज किए जाने के बाद कुल छात्र संख्या 478 हो गई है, जिनमें 203 छात्र मूल विद्यालय के तथा 275 छात्र मर्ज विद्यालय से हैं। इतने छात्रों के लिए मात्र 11 शिक्षक कार्यरत हैं, जिससे पढ़ाई प्रभावित हो रही है। प्रदर्शन में विशाल मिश्रा,अनूप कुमार,डब्लू शाह,वीरेंद्र शर्मा, भवाली राम, दिनेश शाह,अमित पाठक,चन्द्रिका राम,झुनझुन मिश्रा समेत दर्जनों ग्रामीण शामिल हुए। इन लोगों ने बताया कि जर्जर विद्यालय भवन किसी भी समय हादसे को न्योता दे सकता है। कई बार प्रशासन से लिखित और मौखिक रूप से भवन निर्माण की मांग की जा चुकी है।

यहां तक कि विद्यालय भवन की तस्वीरें बीडीओ के माध्यम से मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय तक ट्विटर पर भेजी गईं, परंतु अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पूरे मामले पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनीष कर ने कहा कि उन्हें विद्यालय की स्थिति की जानकारी है। उन्होंने संबंधित रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों को भेज दी है और जल्द समाधान का भरोसा दिलाया है। ग्रामीणों की मांग है कि बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा के हित में अविलंब नया विद्यालय भवन बनवाया जाए

भागलपुर की नाबालिग लड़की देवघर रिमांड होम में मिली

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के पीरपैंती थाना क्षेत्र के लकड़ाकोल गांव में एक नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है। योगेश यादव की बेटी 1 अगस्त को अचानक लापता हो गई थी। नाबालिग के पिता योगेश का आरोप है कि जब वे पीरपैंती थाना पहुंचे, तो उन्हें चार से पांच घंटे तक बैठाया गया। लेकिन उनका आवेदन नहीं लिया गया। इसके बाद योगेश ने भागलपुर के एसएसपी हृदयकांत से मिलकर शिकायत की। एसएसपी के निर्देश पर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। योगेश ने बताया कि एक दिन पहले यानी सोमवार को देवघर रिमांड होम से कॉल आया कि आपकी बेटी हमारे पास है। जानकारी मिलते ही योगेश अपनी पत्नी आशा देवी के साथ देवघर पहुंचे। योगेश ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी का अपहरण गांव के ही पूर्व मुखिया राजेंद्र यादव ने किया है। नाबालिग के पिता बोले- आरोपी ने पहले भी हमारे साथ मारपीट की है: पीड़ित पिता ने बताया कि पहले भी राजेंद्र यादव ने उनके साथ मारपीट की थी। इसकी शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। योगेश ने साफ कहा है कि जब तक मेरी बेटी का मेडिकल जांच नहीं होता, वे उसे साथ नहीं ले जाएंगे। मंगलवार को उन्होंने दोबारा एसएसपी को आवेदन देकर मेडिकल जांच और न्याय की मांग की है। योगेश यादव ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी बेटी को न्याय नहीं मिला तो वे अपने पूरे परिवार के साथ मुख्यमंत्री के सामने आत्मदाह करने को मजबूर होंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान थाना प्रभारी और डीएसपी आरोपियों के साथ मिले हुए हैं। थाना प्रभारी तो सड़क पर शराब तस्करों से पैसा वसूली कराते हैं। हम लोग गरीब हैं, हम लोगों के साथ अत्याचार हो रहा है। हम लोग क्या कर सकते हैं। मेरे पास पैसे नहीं है, ऐसे में मैं तो मरूंगा ही, मेरे लिए कानून कहां है।

सीमांचल डिग्री कॉलेज में सऊदी अरब के जेद्दा अलहली विवि प्राध्यापक ने छात्र-छात्राओं का किया मार्गदर्शन

अररिया। अररिया के सीमांचल डिग्री कॉलेज में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चिकित्सक एवं सऊदी अरब के जेद्दा अलहली विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ मो.सलमान अख्तर ने कॉलेज के छात्र छात्राओं के साथ सीधा संवाद करते हुए कैरियर को लेकर मार्गदर्शन दिया। डॉ मो.सलमान अख्तर बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग के निदेशक पद पर रह चुके हैं।भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के वैज्ञानिक के रूप में संबद्ध रहे डॉ अख्तर जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के मेडिकल संकाय में विजिटिंग प्रोफेसर रह चुके हैं। वर्तमान समय में सऊदी अरब के जेद्दा अलहली विश्वविद्यालय में ऑनकोलॉजी विभाग के सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्य कर रहे हैं। नई दिल्ली एम्स के ऑनकोलॉजी विभाग तथा जामिया मिलिया इस्लामिया से डॉक्ट्रेट की उपाधि प्रदान किए हैं। ब्रेस्ट कैंसर रोगियों के प्रभावी प्रबंधन एवं उपचार उनका शोध का विषय रहा है। कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद के क्रम में मेडिकल क्षेत्र में संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि ऑनकोलॉजी आज की सबसे तेजी से उभरती हुई चिकित्सा शाखाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि यदि कोई छात्र परिश्रम, समर्पण और अनुशासन के साथ अध्ययन करें तो न केवल देश बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने मुकाम हासिल कर सकती है। मौके पर बड़ी संख्या में छात्र -छात्राओं के साथ कॉलेज के शिक्षक और गैर शिक्षकेतर कर्मचारी मौजूद थे।

पूर्व रेलवे

पूर्व रेलवे का अगस्त, 2025 महीने के लिए
अतिरिक्त ई-नीलामी कार्यक्रम

सं. एस.4/एस/डीएपी/2025-26, दिनांक 04.08.2025. मुख्य सामग्री प्रबंधक (एडमिन.), पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001 द्वारा जमालपुर डिपो के लिए **अगस्त**, 2025 महीने हेतु निम्नलिखित अतिरिक्त ई-नीलामी कार्यक्रम आमंत्रित की जाती है।

जमालपुर डिपो की अतिरिक्त तारीख: 12.08.2025

जमालपुर डिपो के साथ अन्य डिपो तथा मंडलों की अन्य तिथियां अपरिवर्तित रहेंगी।

(STORES-27/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

विभिन्न स्टेशनों पर कुछ ट्रेनों के ठहराव की पुनर्बहाली

यात्रियों की सुविधा के लिए, निम्नलिखित ट्रेनों का ठहराव उनके वर्णित स्टेशनों पर नीचे उल्लिखित समयसूची के अनुसार पुनर्बहाल किया जाएगा:

ट्रेन नं. एवं नाम	स्टेशन	आ.	प्र.	ठहराव की प्रभावी तिथि
12335 भागलपुर-मुंबई एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 08.08.2025)	बड़हिया	11.28	11.30	08.08.2025
12336 मुंबई एलटीटी-भागलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 10.08.2025)	बड़हिया	14.24	14.26	11.08.2025
13005 हावड़ा-अमृतसर मेल (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 06.08.2025)	भदौरा	05.45	05.47	07.08.2025
13006 अमृतसर-हावड़ा मेल (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 06.08.2025)	भदौरा	19.00	19.02	07.08.2025
18621 पटना-हटिया पाटलिपुत्र एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 06.08.2025)	मनकठा	18.03	18.05	06.08.2025
	रामपुर डुमरा	17.36	17.38	06.08.2025
18622 हटिया-पटना पाटलिपुत्र एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 06.08.2025)	मनकठा	09.15	09.17	07.08.2025
	रामपुर डुमरा	09.43	09.45	07.08.2025

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/25/48, दिनांक 04.08.2025; प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित मदों की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक एवं निविदा सं., विवरण, ईएमडी** क्रमशः निम्नलिखित हैं: **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 19.08.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (1) 01251433;** डेंसिफाइड थर्मल बांडेड पॉलिस्टर ब्लॉकों इत्यादि की खरीददारी; रु. 1,34,290/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 21.08.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (2) 01251431;** डेंसिफाइड थर्मल बांडेड पॉलिस्टर ब्लॉकों इत्यादि की खरीददारी; रु. 2,54,210/-। **(3) 21251026;** कैसनब 22डब्ल्यू एवं बीएलसी टाइप कंटेनर वैगन इत्यादि में सीटीआरबी क्लास 'ई' (6" x 11") के लिए फीटेड चौड़े जॉ का अडाप्टर; रु. 1,77,140/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 25.08.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (4) 08251012;** केबल सिंगल कोर 10 वर्ग मिमी 750 वोल्ट्स; रु. 1,09,000/-। **(5) 08251693;** 9केवीए, 750वी/415वी/190वी, 3-फेज ड्राई टाइप डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर इत्यादि की खरीददारी; रु. 1,03,880/-। **(6) 10242428ए;** पी7 लोको टी के लिए सम्पूर्ण गीयर केस; रु. 1,16,540/-। **(7) 11251069;** फूट प्लेट अरेंजमेंट; रु. 1,07,050/-। **(8) 11251803;** एलएचबी कोचों इत्यादि के लिए अर्थिंग रेसिस्टर की खरीददारी; रु. 1,89,500/-। **(9) 11251824ए;** हाई टेंसाइल टाइट लॉक सेंटर बफर; रु. 11,78,080/-। **(10) 11251825ए;** एसएस बोल्टों का किट; रु. 1,17,910/-। **(11) 12255278ए;** 1. संलग्न परिशिष्ट-ई के अनुसार बीसीएम-709 मशीन आईओएच के लिए विभिन्न पुर्जों (42 अदद) का सम्पूर्ण सेट, निर्माता: प्लाजर, 2. संलग्न परिशिष्ट-डी के अनुसार बीसीएम-728 मशीन आईओएच के लिए विभिन्न पुर्जों (42 अदद) का सम्पूर्ण सेट, निर्माता: प्लाजर; रु. 1,67,790/-। **(12) 12255634;** डिस्ट्रिब्यूटर गीयर बॉक्स; रु. 1,19,080/-। **(13) 15255080;** 850-900 केडब्ल्यू रेडिएयर कूल्ड डीजल इंजन युक्त डीजल जेनेरेटिंग सेट की आपूर्ति, स्थापना के साथ नींव तैयार करना, कनेक्शन, जांच एवं चालू करना; रु. 2,43,000/-। **(14) 20253045;** 3 फेज एसी ईएमयू के लिए संलग्न परिशिष्ट के अनुसार 51 मदें युक्त वीवी120 कम्प्रेशर के लिए आवश्यक बदलाव वाली ओवरहॉलिंग किट; रु. 1,08,770/-। **(15) 21251002;** काट्रिड्ज बीयरिंग असेम्बली (6" x11") क्लास 'ई' इत्यादि के लिए एक्सल इंड स्टील हाई टेंसाइल कैप स्क्रू (1" व्यास 8 यूएनसी 2ए x 2-1/4" थ्रेड लंबाई); रु. 1,62,800/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 27.08.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (16) 10255041ए;** आईपी आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली; रु. 20,00,000/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 29.08.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (17) 10245029ए;** डब्ल्यूएजी-7 इलेक्ट्रिक लोको के लिए को-को बोगी फ्रेम; रु. 2,17,120/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 01.09.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (18) 11251413;** कूड़ेदान की व्यवस्था इत्यादि की खरीददारी; रु. 1,01,140/-। **(19) 20251085;** ईएमयू कोचों के शाकू कपलर के लिए फोर्क आई (सब-असेम्बली); रु. 1,96,320/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 08.09.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (20) 11251736;** एलएचबी कोचों इत्यादि के लिए दरवाजे आर.एच. एवं एल.एच व्यवस्था की खरीददारी; रु. 6,81,060/-। **(21) 20251135;** एसी ईएमयू के लिए पिनियन 20 टीथ; रु. 1,50,380/-। **(22) 21251118;** सम्पूर्ण डिस्ट्रिब्यूटर वॉल्व इत्यादि; रु. 10,44,970/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 09.09.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (23) 05251283;** सर्वोप्लेक्स एसएचसी-120 की खरीददारी; रु. 8,11,860/-। **(24) 11251813;** कोचिंग स्टॉक (कॉस्टिंग) इत्यादि के लिए संशोधित आईआरएस साइड बफर केसिंग की खरीददारी; रु. 2,24,980/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 10.09.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (25) 11252617;** स्फेरोइलास्टिक रबड़ बीयरिंग; रु. 2,51,220/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 15.09.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (26) 11251014;** कोचिंग स्टॉक इत्यादि के लिए वर्द्धित क्षमता के साइड बफर की खरीददारी; रु. 4,99,580/-। **(27) 21251022;** कैसनब बोगी इत्यादि के लिए बोगी सेंटर पाइवोट टॉप; रु. 3,42,180/-। **(28) 21251392;** सम्पूर्ण प्रेशर ट्रांसफॉर्मर इत्यादि; रु. 3,74,790/-। **(29) 21251417;** कैसनब बोगी इत्यादि के लिए बोगी सेंटर पाइवोट बॉटम; रु. 4,51,100/-। **(30) 21251420बी;** सीटीआरबी क्लास 'ई' 6"x11" इत्यादि के लिए फिटेड नैरो जॉ अडाप्टर; रु. 20,00,000/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 16.09.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (31) 05251189;** ट्रैक्शन मोटर इत्यादि के लिए रोलर बीयरिंग एनयू2236 एवं एनएजे 320 के सेट की खरीददारी; रु. 17,38,280/-। **(32) 11251704;** नॉन-एसी कोचों इत्यादि के लिए शौचालय दरवाजे की खरीददारी; रु. 2,04,370/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 17.09.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (33) 11251810;** बोगी बोलस्टर सस्पेंशन इत्यादि के लिए हैंगर की खरीददारी; रु. 4,10,660/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 22.09.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (34) 11251812;** स्क्रू कपलिंग असेम्बली (वर्द्धित क्षमता) इत्यादि की खरीददारी; रु. 2,97,490/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 06.10.2025 को अपराह्न 1.30 बजे: (35) 21251133;** केई डिजाइन डिस्ट्रिब्यूटर वॉल्व इत्यादि के लिए ओवरहॉलिंग किट; 0। **(36) 21251134;** ओवरहॉलिंग रबड़ किट इत्यादि; 0। **निविदा लागत :** रु. 0 (सभी के लिए)। **शुद्धिपत्र:** नीचे उल्लेखित निविदा के लिए जारी की गई संशोधनी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें: **05251176 नियत तारीख 18.08.2025। टिप्पणी:** उपरोक्त उल्लेखित सभी निविदाएँ ई-निविदा हैं तथा सभी निविदादाताओं से अपनी बोलियां आईआरईपीएस की वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के जरिए ऑन-लाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। उपरोक्त उल्लेखित निविदाओं तथा अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में और अधिक विवरण के लिए कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें। (STORES-26/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

टन-टन-टन...चलो स्कूल तुमको पुकारे, बिहार में छात्रों को लाउडस्पीकर से बुलाएंगे

गांव वाले भी करेंगे शिक्षकों की शिकायत

पटना, एजेंसी। बिहार के सरकारी स्कूलों से गायब रहने वाले शिक्षकों की अब खैर नहीं है। ऐसे शिक्षकों की निगरानी अब मुखिया, वार्ड सदस्य और गांव वाले भी करेंगे। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने सोमवार को इस संबंध में राज्य के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों, जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों, कार्यक्रम पदाधिकारियों और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र भेजा है। निर्देश के अनुसार, यदि मुखिया, वार्ड सदस्य, ग्रामीण जनता और अन्य किसी को यह सूचना प्राप्त होती है कि कोई शिक्षक, प्रधान शिक्षक या प्रधानाध्यापक विद्यालय में हाजिरी लगाकर गायब रहते हैं, तो वे इसकी सूचना विभागीय कॉल सेंटर के टोल फ्री नंबर 14417 और 18003454417 पर देंगे।

इसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि विद्यालय में शैक्षणिक वातावरण और अनुशासन सुनिश्चित हो सके। अपर मुख्य सचिव ने अपने निर्देश में कहा है कि प्रधान शिक्षक और प्रधानाध्यापक विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति पर कड़ाई से नजर रखेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि शिक्षक समय पर विद्यालय आएं एवं समय से विद्यालय छोड़ें। सभी शिक्षक अपनी उपस्थिति विद्यालय परिसर के अंदर आकर दर्ज करेंगे, इसे सुनिश्चित किया जाय। ऐसे शिक्षकों की पहचान की जाए, जो विद्यालय परिसर के बाहर से उपस्थिति दर्ज करते हैं। ऐसी उपस्थिति अमान्य होगी।

बच्चे बीच में स्कूल से निकलेंगे तो अभिभावक को जाएगा फोन : अपर मुख्य सचिव ने हिदायत दी है कि सभी शिक्षक अपना अवकाश स्वीकृत कराने के बाद ही विद्यालय छोड़ेंगे। अगर कोई भी शिक्षक बिना अवकाश स्वीकृत कराए अवकाश पर चले जाते हैं, तो इसकी सूचना जिला शिक्षा पदाधिकारी को दी जाए। प्रधानाध्यापक और प्रधान शिक्षक एक पंजी रखेंगे, जिसमें आकस्मिक स्थिति उत्पन्न होने पर यदि बच्चे विद्यालय कार्यावधि के पूर्व विद्यालय छोड़ कर कहीं आवश्यक कार्य से जाते हैं, तो उनके संदर्भ में पंजी में तिथि एवं समय अंकित किया जाएगा। आकस्मिक स्थिति में बच्चों के अभिभावक को दूरभाष पर सूचना दी जानी चाहिए कि उनके बच्चे विद्यालय समय पूर्व छोड़ कर घर या अन्य जगह आवश्यक कार्य से जा रहे हैं।

स्कूलों में लाउडस्पीकर से बच्चे बुलाए जाएंगे : टन-टन-टन...सुनो घंटी बजी स्कूल की, चलो स्कूल तुमको पुकारे...। शिक्षा का यह अधिकार गीत स्कूल शुरू होने (9.30 बजे) के 15 मिनट पहले दो बार बजेगा। लाउडस्पीकर पर इस गीत को बजाने की जिम्मेदारी सभी प्रधानाध्यापक और प्रधान शिक्षक की होगी। रोज अभिभावकों को लाउडस्पीकर से स्कूल संचालन की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए 48 घंटे के अंदर स्कूलों में लाउडस्पीकर की व्यवस्था होगी। शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी विद्यालयों के परिसर और कार्यावधि में शैक्षणिक गतिविधियों की अनिवार्यता और अनुशासन बनाये रखने का निर्देश दिया है।

नाबालिग स्टूडेंट ने शिक्षक पर लगाया छेड़खानी का आरोप

जमुई, एजेंसी। जमुई के चरका पत्थर थाना क्षेत्र में निजी स्कूल के शिक्षक पर नाबालिग स्टूडेंट से छेड़खानी का मामला सामने आया है। 14 वर्षीय छात्रा ने आरोप लगाया है कि बटिया थाना क्षेत्र के बाराबांक गांव निवासी सिकंदर यादव उर्फ प्रकाश पिछले 10 दिनों से उसके साथ छेड़खानी और अभद्र व्यवहार कर रहा था। छात्रा के अनुसार, आरोपी शिक्षक स्कूल में छेड़खानी करता था। इतना ही नहीं, वह घर पहुंचने के बाद भी फोन पर अश्लील बातें करता था। जब छात्रा ने इसका विरोध किया, तो शिक्षक ने उसके साथ मारपीट की और धमकी भी दी। परेशान होकर पीड़िता ने अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी।

मामले की छानबीन में जुटी पुलिस : इसके बाद मंगलवार को पीड़िता के परिवार वाले चरका पत्थर थाने पहुंचे और आरोपी शिक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। चरका पत्थर थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह ने बताया कि नाबालिग की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है और जांच के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बेला में बुडको का नाला जाम, बजबजा रहा औद्योगिक क्षेत्र

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बुडको का नाला जाम होने से बेला औद्योगिक क्षेत्र से बारिश का पानी नहीं निकल रहा है। इससे औद्योगिक क्षेत्र में गाड़ियां तो दूर, पैदल चलने में भी परेशानी हो रही है। बेला फेज दो में कई जगहों पर सड़क पर गंदा पानी उफना रहा है। इससे राहगीर के अलावा फैक्ट्रियों के कामगार परेशान है। उन्हें चर्मरोग जैसी बीमारियों के होने की आशंका का भय सता रहा है। मालूम हो कि, बुडको के नाला में ही बेला औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाले सभी नाले को जोड़ दिया गया है। वर्तमान में बुडको का नाला जाम होने पानी निकलने के बदले बैक मार रहा है। इससे सड़कों पर जलभराव की स्थिति है। इससे ई-रिक्शा, मालवाहक ऑटो आदि पानी में बने गड्ढे में अटक रहे है। बियाडा के डीजीएम नीरज कुमार ने बताया कि बुडको का नाला जाम होने से बेला से पानी नहीं निकल पा रहा है। इससे उद्यमी परेशान है। इसे लेकर संबंधित विभाग को पत्राचार किया गया है। तत्काल कई जगहों से पानी निकाल चलने लायक सड़क बनाई गई है।

सात को निकलेगा विराट भूमिहार ब्राह्मण जनाक्रोश यात्रा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सात अगस्त को विराट भूमिहार ब्राह्मण जनाक्रोश यात्रा निकाली जाएगी। शहर के विभिन चौक-चौराहों और गली-मोहल्लों से होकर यह यात्रा जिला कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचेगी। वहां जिलाधिकारी को 10 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा जायेगा। संयोजक डॉ. विजयेश कुमार ने सोमवार को शहर के माड़ीपुर स्थित एक होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि भूमिहार ब्राह्मणों के अस्तित्व की रक्षा के लिए जनाक्रोश यात्रा निकाली जा रही है। 16 प्रखंडों के लिए अलग-अलग टीम बनाई गई थी। जो जिले के 385 पंचायतों के लगभग 900 गांवों का दौरा किया। लोगों से फीडबैक लिया। लोगों ने विराट भूमिहार ब्राह्मण जनआक्रोश यात्रा को अपना पूर्ण समर्थन दिया है। ये हैं 10 सूत्री मांगें - भूमिहार ब्राह्मण जाति को जातीय सूची में शामिल किया जाए। - भूमिहार ब्राह्मण जाति की गणना करवाई जाए। - जमीन जायदाद से संबंधित खतियान के पूर्व में किये गये त्रुटीपूर्ण डिजिटलाइजेशन को रद्द किया जाए। - भूमिहार ब्राह्मण के जमीन के मालगुजारी की रसीद खतियान में वर्णित जाति भूमिहार ब्राह्मण के नाम पर ही दिया जाए। - डिजिटलाइजेशन एवं परिमार्जन के नाम पर लूट खसोट बंद किया जाए। - मुजफ्फरपुर में चल रहे जमीन के सर्वेक्षण कार्य में भूमिहार ब्राह्मण के जमीन का सर्वेक्षण खतियान में वर्णित जाति भूमिहार ब्राह्मण के नाम पर ही कराया जाए। - बेतहाशा बढ़ती महंगाई को काबू में लाया जाए। - अपराध और भ्रष्टाचार पर रोक लगाया जाए। - अन्न, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर टैक्स लेना बंद किया जाए। - विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा निर्गत किया जाने वाला प्रमाण पत्र, भूमिहार ब्राह्मण जाति के नाम पर निर्गत किया जाए।

बिहार में शराब बरामदगी के लिए रेड डालने गई पुलिस टीम पर हमला, ASI का सिर फोड़ा

गयाजी, एजेंसी। बिहार में एक बार फिर पुलिस टीम पर हमला हुआ है। इस बार गयाजी में पुलिसवालों को निशाना बनाया गया है। गयाजी में शराब को लेकर छापेमारी करने गई पुलिस की टीम पर हमला हुआ है। इस हमले में एसआई का सिर फट गया है। जानकारी के मुताबिक पुलिस की टीम फतेहपुर में छापेमारी करने गई थी। लेकिन यहां अचानक कुछ बदमाशों ने पुलिस पर धावा बोल दिया और एसआई का सिर फोड़ दिया। घायल एएसआई का नाम मनोज कुमार बताया जा रहा है। मनोज कुमार के सिर में 12 टाके पड़े हैं।

दो वोटर आईडी रखने पर जेल-जुर्माना मतदान का अधिकार भी छिनेगा!

पटना, एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इस दौरान एक ही मतदाता के दो वोटर आईडी (ईपिक) के मामले सामने आए हैं। जबकि दो आधार या दो पैन नंबर रखने की तरह ही, दो मतदाता पहचान पत्र (ईपिक) रखना भी गैरकानूनी है। दो वोटर आईडी रखने पर जुर्माना एवं जेल की सजा हो सकती है। साथ ही मतदाता को वोट देने के अधिकार से भी वंचित किया जा सकता है। बता दें कि आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को भी दो वोटर आईडी रखने के मामले में चुनाव आयोग ने नोटिस भेजा है। चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर की लगातार निगरानी की जा रही है और हर शिकायत या गलत सूचना पर फैक्ट चेक किया जा रहा है। राज्य में एसआईआर के तहत पहले चरण में गणना फॉर्म का वितरण एवं प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। दूसरे चरण में दावा एवं आपत्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है।

दो वोटर आईडी हैं, तो एक को तुरंत रद्द कराएं

आयोग के अनुसार, अगर किसी भी मतदाता का दो स्थानों पर मतदाता पहचान पत्र बना हुआ है, तो किसी एक पहचान पत्र को तत्काल रद्द करा लें।

इसके लिए संबंधित क्षेत्र के बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) के पास जाकर फॉर्म-7 भरकर नाम हटाया जा सकता है। आयोग के अनुसार, फॉर्म-7 के तहत मृत्यु या स्थान परिवर्तन के कारण नाम हटाने के लिए आवेदन किया जा सकता है। चुनाव आयोग की अधिकृत वेबसाइट पर जाकर भी ऑनलाइन रद्द कराया जा सकता है। आयोग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, दो मतदाता पहचान पत्र रखने के आरोप में चुनाव आयोग जन प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा- 17 एवं 18 के तहत अधिकतम एक साल की सजा का भी प्रावधान है। वोट देने का अधिकार भी खत्म किया जा सकता है।

हम नोटिस का जवाब देंगे, लेकिन चुनाव आयोग हमारे सवालों का जवाब क्यों नहीं दे रहा?: तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को दो वोटर आईडी रखने के मामले में चुनाव आयोग ने हाल ही में नोटिस थमाया था। चुनाव आयोग के नोटिस के बाद अब तेजस्वी यादव ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया दी है। तेजस्वी यादव ने सवाल उठाते हुए कहा कि वो चुनाव आयोग से मिले नोटिस का जवाब देंगे लेकिन चुनाव आयोग उनके सवालों का जवाब कब देगा। मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव रांची के लिए रवाना हुए। वे दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। पटना से रवाना होते समय पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा भेजे गए नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी ने कहा 'हम नोटिस का जवाब देंगे, लेकिन चुनाव आयोग हमारे सवालों का जवाब क्यों नहीं दे रहा? हमने जो सवाल उठाए थे, अब वे सबके सामने आ गए हैं। वोटर लिस्ट के प्रारूप के बाद लगातार शिकायतें मिल रही हैं। हम सारी शिकायतें चुनाव आयोग को भेजेंगे और अपनी बात सुप्रीम कोर्ट में भी रखेंगे।'

चुनाव आयोग ने भेजा था नोटिस

इससे पहले चुनाव आयोग ने बिहार के नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव को नोटिस भेज कर कथित तौर पर दो अलग-अलग मतदाता फ़ोटो पहचान कार्ड (एपिक) नंबर रखने के लिए स्पष्टीकरण मांगा था। चुनाव आयोग ने बीते रविवार को भेजे गए अपने नोटिस में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद एक अगस्त को प्रकाशित ड्राफ्ट सूची से अपना नाम बाहर होने के तेजस्वी यादव के दावे को खारिज किया था और इस संबंध में उनके बयान का हवाला देते हुए कहा है कि राजद नेता ने अपना एपिक नंबर आरएबी 2916120 बताया था। चुनाव आयोग ने अपने नोटिस में कहा था कि सत्यापन के बाद दीघा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी ने पाया कि एपिक नंबर आरएबी 2916120 आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया है। नोटिस में चुनाव आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा कि तेजस्वी यादव के मतदाता पहचान पत्र का वास्तविक मतदाता पहचान पत्र क्रमांक आरएबी 0456228 है और इस मामले में राजद नेता से स्पष्टीकरण मांगा गया है। चुनाव आयोग ने राजद नेता से 2 अगस्त को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके द्वारा उल्लिखित मतदाता पहचान पत्र क्रमांक आरएबी 2916120 का विवरण, मूल मतदाता पहचान पत्र सहित, उपलब्ध कराने को कहा है ताकि विस्तृत जांच की जा सके।

तेजस्वी यादव के खिलाफ थाने में भी केस दर्ज

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के पक्ष में ''दो मतदाता पहचान पत्र जारी करने'' की जांच की मांग करते हुए पटना के दीघा थाने में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, ''हमने शिकायत को जिला निर्वाचन कार्यालय को भेज दिया है, जो ऐसे मामलों पर निर्णय लेने के लिए सक्षम अधिकारी है। यदि चुनाव अधिकारियों से ऐसा कोई निर्देश प्राप्त होता है तो प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है।''

मॉडल अस्पताल: हर पांच मिनट पर बंद हुआ सर्वर, भटकते रहे मरीज

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मॉडल अस्पताल में सोमवार को फिर सर्वर ने दगा दिया। सर्वर के काम नहीं करने से मरीजों का रजिस्ट्रेशन और ओपीडी में मरीजों का इलाज रुक गया। सुबह आठ बजे से ही सर्वर हर पांच मिनट पर फंस रहा था। इससे एक मरीज के रजिस्ट्रेशन में एक-डेढ़ मिनट की जगह 10 मिनट तक लग रहे थे। बारिश होने के बाद भी सोमवार होने के कारण अस्पताल में मरीजों की लंबी कतार थी। करीब आठ से नौ सौ मरीज पहुंचे थे। दोपहर 12 बजे तक लगातार मरीजों का रजिस्ट्रेशन सर्वर की वजह से फंसता रहा। रजिस्ट्रेशन और इलाज बाधित होने पर मरीजों ने कई बार हंगामा किया, जिसे सुरक्षा गार्ड ने शांत कराया। हालांकि, सर्वर की गड़बड़ी के कारण सुबह की ओपीडी में दिखाने आये कई मरीजों को शाम की ओपीडी के लिए इंतजार करना पड़ा। सदर अस्पताल के अधीक्षक डॉ बीएस झा ने कहा कि 15 अगस्त तक नया सर्वर अस्पताल में लग जाएगा। इसके आदेश दे दिए गए हैं। मॉडल अस्पताल में बीएसएनएल के दो सर्वर हैं, लेकिन दोनों ठीक से काम नहीं करते हैं। मॉडल अस्पताल शुरू होने के पहले दिन से ही सर्वर वहां ठीक से काम नहीं कर रहा है। कई बाद सुबह से दोपहर तक सर्वर के कारण मरीजों का इलाज प्रभावित हुआ है। पिछले दिनों सीएस ने सर्वर की समस्या हल करने के लिए वैकल्पिक वाईफाई लगाने निर्देश दिया था।

किशनगंज में रेप का आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

आंगनवाड़ी केंद्र में घटना को दिया था अंजाम, फरार आरोपी की तलाश जारी

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के कोचाधामन थाना क्षेत्र में हुए रेप मामले में पुलिस ने मात्र 24 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 3 अगस्त 2025 को पीड़िता ने महिला थाना किशनगंज में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि रात करीब 8 बजे अमृत कुमार (24) उसे उसके घर के पास स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में बहला फुसलाकर ले गया और वहां उसके साथ रेप किया। इस मामले में महिला थाना में कांड संख्या 65/25 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 376/376एबी/ 341/323/406/506/34 और पोक्सो अधिनियम की धारा 4-6 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई।

पुलिस ने मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सागर कुमार के निर्देश पर महिला थाना के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। तकनीकी अनुसंधान और आसूचना के आधार पर मुख्य आरोपी अमृत कुमार (27) को किशनगंज के रूईधासा रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। अमृत कुमार डउवाबाड़ी गांव का रहने वाला है और उसके पिता का नाम प्रेमलाल है। पुलिस इस घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी रखे हुए है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

आरोप पत्र समर्पित करने का निर्देश

पुलिस ने अनुसंधानकर्ता को शीघ्र आरोप पत्र समर्पित करने का निर्देश दिया है। छापामारी टीम में महिला थाना की थानाध्यक्ष पुलिस अवर निरीक्षक सुनिता कुमारी के नेतृत्व में रूपाली कुमारी, सीमरन भारती और अन्य पुलिसकर्मी शामिल है।

समस्तीपुर में भादोघाट पुल के पास डायवर्जन बहा, राहगीरों को 10 किमी अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के वारिसनगर से गुजरने वाली शांति नदी के भादोघाट पर पानी के तेज बहाव में बहे डायवर्जन के निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है। डायवर्जन बहने से समस्तीपुर हथौड़ी पथ पर सोमवार को दूसरे दिन भी आवागमन ठप रहा। राहगीरों को करीब 10 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। लोगों की परेशानी को देखते हुए जल निस्सरण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता के नेतृत्व में डायवर्जन का निर्माण सोमवार शाम से शुरू किया गया। हालांकि अत्यधिक कटाव हो जाने के कारण काम करने में परेशानी हो रही है। आज(मंगलवार) निर्माण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

डायवर्जन के ऊपर बह रहा है पानी : शांति नदी पर वारिसनगर-हथौड़ी को जोड़ने वाले पथ पर शांति धार के 22.020 किमी.? पर पुल का निर्माण जल निस्सरण प्रमंडल समस्तीपुर के द्वारा किया जा रहा है। पुल निर्माण के लिए कार्य स्थल के समीप आवागमन के लिए डायवर्सन का निर्माण कराया गया है। विगत कुछ दिनों से हो रही बारिश के कारण नदी में पानी का जलस्तर बढ़ा है। जिसके कारण डायवर्जन के ऊपर से पानी बह रहा है।

समस्तीपुर हथौड़ी पथ पर आवागमन है ठप : डायवर्सन बह जाने के कारण समस्तीपुर हथौड़ी पथ पर आवागमन ठप है। जिस कारण समस्तीपुर और दरभंगा के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस रास्ते लोग दरभंगा के बहेरी, कुशेश्वर स्थान, बेनीपुर दरभंगा, रोसड़ा, बेगूसराय जाते हैं। अभी राहगीरों को दूसरे रास्ते से दरभंगा की ओर जाना पड़ रहा है। जिससे उन्हें करीब 10 से 15 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।

भोजपुर में ट्रेन से कटकर 2 युवकों की मौत, रेलवे ट्रैक क्रॉस करते समय हादसा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में सिकरिया हॉल्ट के समीप अप लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई। एक की मौत घटनास्थल पर जबकि दूसरे की अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में हो गई। दोनों झारखंड के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान लातेहार जिला के सुरली निवासी पंकज कुमार और नेसारूल अंसारी(18) के तौर पर हुई है। घटना दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड की है। मृतकों के दोस्त नौशाद ने बताया कि सभी लोग रघुनाथपुर स्थित जे.के सीमेंट फैक्ट्री में काम करते थे। काम खत्म करने के बाद दोनों बाजार करने गए थे। वापस लौटते समय सिकरिया हॉल्ट के पास रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। इस दौरान ट्रेन की चपेट में आने से जान चली गई। आरा रेल पुलिस से हादसे की जानकारी मिली। जिसके बाद परिजन अस्पताल पुहंचे। वहीं, नेसारुल अंसारी के चाचा हफीज ने बताया कि दोनों पांच दिन पहले लातेहार से काम करने यहां आए थे। दोस्तों ने बताया कि बाजार से लौटते समय हादसे के शिकार हो गए। लेकिन मुझे लगता है कि किसी ने लाकर जबरन ट्रैक पर लिटा दिया है। पंकज 5 भाई-बहन में दूसरे नंबर था। जबकि नेसारुल तीन भाई और दो बहन में पांचवें नंबर पर था।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

राजधानी की सड़के हुई बदहाल : पथ निर्माण विभाग 25 सड़कों की कराएगा मरम्मत

रांची, एजेंसी। मानसून में राजधानी की सड़कों की स्थिति बदहाल हो गई है। प्रमुख सड़कों से लेकर बाइलेन तक पूरी तरह जर्जर हैं। स्थिति ऐसी हो गई है कि बाइलेन से गुजरने से पहले रूह कांप जाती है। क्योंकि, हिचकोले खाते हुए सड़कों से गुजरना लोगों की मजबूरी बन गई है। हल्की बारिश होने पर सड़कों पर तालाब जैसा नजारा दिख रहा है। ऐसे में सड़क के गड्ढों में जमा पानी और खतरनाक हो गया है। सड़कों की ऐसी स्थिति तब है, जब झारखंड हाईकोर्ट ने पथ निर्माण सचिव और नगर निगम को हर हाल में सड़कों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद पथ निर्माण विभाग तो रेस हो गया है, लेकिन नगर निगम और नगर विकास विभाग के अफसर अभी भी गहरी नींद में सोए हुए हैं। पथ निर्माण रांची प्रमंडल ने शहर की 50 सड़कों की मरम्मत व राइडिंग क्वालिटी में सुधार का प्रस्ताव विभाग को भेजा था। विभाग से इसकी स्वीकृति मिल गई है। फिलहाल 25 सड़कों की मरम्मत के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। इन पर करीब 3.70 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके लिए पैसे भी मिल गए हैं। इन सड़कों का निर्माण 30 से 90 दिनों के अंदर कराया जाएगा। क्योंकि, 19 अगस्त को टेंडर खुलेगा।

सितंबर से सड़कों की मरम्मत का काम शुरू होगा, ताकि दुर्गा पूजा से पहले सड़क के गड्ढों को भर दिया जाए। गड्ढे भरने से श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। दूसरी ओर बाइलेन की मरम्मत के लिए अभी लंबा इंतजार करना होगा। क्योंकि, यह नगर निगम के अंतर्गत है। निगम की सड़कों को सरकार से फंड मिलने का इंतजार है। पैसा मिलने के बाद ही सड़कों का निर्माण होगा।

लालजी हिरजी रोड- 8.80 करोड़ की लागत से इस रोड की मरम्मत होनी है। टेंडर हो गया है, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हुआ। नतीजा जगह-जगह गड्ढे हैं।

विष्णु टॉकीज लेन- मरम्मत के लिए 1.98 करोड़ की योजना बनी है। लेकिन नगर विकास से फंड का इंतजार हो रहा। मधुकम रोड- इरगू रोड, चूना भट्ठा से न्यू मधुकम तालाब तक सड़क की स्थिति ऐसी है कि वाहन चालकों को लगता है वे राजधानी नहीं, किसी गांव में रहते हैं। इसकी मरम्मत के लिए 2.70 करोड़ का एस्टिमेट बना हुआ है। लेकिन निगम के पास पैसा नहीं है। विभाग से पैसे मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

चूना भट्ठा रोड- खादगढ़ा से चूना भट्ठा रोड की स्थिति भी दयनीय है। भट्ठा रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास गड्ढा है, जिसमे पानी जमा है। इसकी मरम्मत के लिए 19.44 लाख का एस्टिमेट बना है, लेकिन काम शुरू नहीं हुआ।

दो सड़कों का चौड़ीकरण अक्टूबर में हो सकता है शुरू- अरगोड़ा-नया सराय भाया पुंदाग फोर लेने और कांके-बौड़या सड़क चौड़ीकरण का कार्य अक्टूबर में शुरू होने की संभावना है। इन दोनों सड़कों के लिए पथ निर्माण विभाग टेंडर निकाल चुका है। अरगोड़ा-पुंदाग फोर लेन के लिए 19 अगस्त को निविदा खुलेगी। वहीं कांके-बोड़या सड़क के लिए भी निविदा आठ अगस्त को खोली जाएगी।

कोल इंडिया में धारा 28 समाप्त करने व मजदूर हित में लिये गये फैसलों के लिए याद किये जायेंगे गुरुजी

बोकारो, एजेंसी। कोयलांचल के लोगों के दिलों में आज भी दिशोम गुरु का स्थान अमिट है. उन्होंने कोयला मंत्री के रूप में जो कार्य किये, वे न केवल मजदूर हितैषी थे, बल्कि दूरगामी प्रभाव डालने वाले भी साबित हुए. कोयला उद्योग में काम करने वाले लाखों मजदूरों के हित में पूर्व कोयला मंत्री शिबू सोरेन द्वारा लिये गये दो ऐतिहासिक निर्णय आज भी कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों में काम कर रहे कर्मचारियों के लिए एक वरदान की तरह है. कोयला मंत्री रहते हुए श्री सोरेन ने पहला बड़ा फैसला था कोल इंडिया के स्टैंडिंग ऑर्डर की धारा 28 को खत्म करने का. इस धारा के तहत कोल कंपनियों के पास यह विशेष अधिकार था कि वे किसी भी कर्मचारी को मामूली लापरवाही या आरोपों के आधार पर सीधे डिसमिस यानी बर्खास्त कर सकते थे. दूसरा महत्वपूर्ण फैसला था लोंग अपसेंटिंग के तहत डिसमिस कर्मचारियों की सेवा में पुनः बहाली. लंबे समय तक अनुपस्थित रहने के कारण बड़ी संख्या में मजदूरों को सेवा से हटा दिया गया था. इस मसले को गंभीरता से लेते हुए कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को आदेश दिया कि वे मानवता के आधार पर इन मजदूरों को पुनः बहाल करें. इसके चलते हजारों परिवारों को दोबारा जीविका का सहारा मिला.

अवैध खदान की सूचना पर बावनडीहा जंगल में छापेमारी

धनबाद, एजेंसी। सिनीडीह स्थित बावनडीहा जंगल में सोमवार को अवैध खदान खोले जाने की गुप्त सूचना पर खरखरी कोलियरी प्रबंधन, गोविंदपुर क्षेत्रीय सीआइएसएफ व मधुबन पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की. जंगल में गहन तलाशी अभियान चलाया गया. अवैध खदान का कोई स्पष्ट मुहाना नहीं मिला, जिसके कारण टीम को खाली हाथ लौटना पड़ा. इस संबंध में खरखरी कोलियरी पीओ विजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई थी. अवैध खदान का कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका. कहा कि संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए क्षेत्र में समय-समय पर निगरानी व निरीक्षण जारी रहेगा.

बीसीसीएलकर्मी की अस्पताल में मौत, शव के साथ चक्का जाम के बाद पत्नी को मिला नियोजन

धनबाद, एजेंसी। एकीकृत ब्लॉक दो ओसीपी कोलियरी में कार्यरत इपी फिटर हेल्पर मनोज कुमार रजक (40) की मौत रविवार की रात इलाज के दौरान कोलकाता के एक अस्पताल में हो गयी. वह केशरगढ़ बस्ती का रहने वाला था. अस्पताल से शव लेकर परिजन एवं गांव के लोग 14 नंबर हाजिरी घर पहुंचे. मृतक की आश्रित पत्नी किरण देवी को प्रोविजनल नियोजन देने की मांग को लेकर कोलियरी का चक्का जाम कर धरना पर बैठ गये. उससे छह घंटे तक उत्पादन व डिस्पैच बाधित रहा. प्रबंधन द्वारा प्रोविजनल नियोजन देने में असमर्थता जताने पर सांसद ढुलू महतो एवं विधायक शत्रुघ्न महतो ने सीएमडी के साथ दूरभाष पर बातचीत की. उसमें सीएमडी ने नियोजन देने पर सहमति जतायी. आदेश के बाद पीओ टीएस चौहान, कार्मिक प्रबंधक(प्रशासन) पीके झा, कार्मिक प्रबंधक विकास कुमार एवं उप प्रबंधक अजय सिंह यादव ने यूनियन प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की. मृतक की पत्नी किरण देवी को प्रोविजनल नियुक्ति पत्र दिया गया. अन्य लाभ भी देने का आश्वासन दिया गया. इसके बाद परिजन शव को उठाकर दाह संस्कार के लिए घर ले गये. मौके पर भरत महतो, गोपाल मिश्रा, मुरारी पांडेय, अरशद हुसैन, संतोष दास, धनंजय महतो, इंद्रासन यादव, अकलेश नोनिया, विनय सहचर, राजकुमार मंडल, ओमप्रकाश पांडेय, महावीर मंडल, केशव पासवान आदि मौजूद थे.

पहले दुष्कर्म की कोशिश! बाद में आरोपी जबरदस्ती ले जा रहा था अपने घर

पलामू, एजेंसी। जिले के मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना घटी है. यहां एक नाबालिग ने दुष्कर्म की कोशिश से तंग आकर आत्महत्या कर ली. जानकारी के मुताबिक, मना करने के बावजूद आरोपी मां-बाप समेत, नाबालिग के घर पहुंचा और उसे अपने साथ ले जाने की कोशिश करने लगा. इस दौरान जमकर हंगामा हुआ. इस घटना से तंग आकर 16 वर्षीय नाबालिग ने आत्महत्या कर ली. पुलिस ने आरोपी राहुल ठाकुर और उसके मां-बाप के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है. घटना के बाद से राहुल ठाकुर एवं उसके परिजन फरार हैं. पुलिस गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह छापेमारी कर रही है. दरअसल, चार अगस्त को मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र में एक नाबालिग ने आत्महत्या कर ली. पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया. पूरे मामले में परिजनों की तरफ से पुलिस को आवेदन दिया गया है, जिसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं.

रांची से बेतिया जा रही एंबुलेंस खड़े ट्रक से टकराई, शव ले जा रहे अटेंडेंट की मौत, तीन घायल

हजारीबाग, एजेंसी। ईरबा से बेतिया शव लेकर जा रही एक एबुंलेंस की जोरदार टक्कर सोमवार रात एनएच-33 पर भारत माता चौक के समीप बायपास में हो गई। हादसा इतना दर्दनाक और भयानक था कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए। घटना ओवरटेक करने के चक्कर में खड़े ट्रक से टकरा जाने के कारण हुई। इस घटना में शव के साथ जा रहे अटेंडेंट सदरे आलम (55 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एंबुलेंस चालक समेत तीन अन्य लोग घायल हो गए।

घायलों को स्थानीय लोग और पुलिस की मदद से मेडिकल अस्पताल से ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक, रांची के इरबा से बेतिया (बिहार) के लिए एक एंबुलेंस से 50 वर्षीय शाहिद अंसारी का शव ले जाया जा रहा था। एंबुलेंस में मृतक के परिजन सदरे आलम, मो. जमरूद्दीन, गुड्डू और चालक सवार थे। रात करीब 12 बजे भारत माता चौक के समीप एनएच-33 पर एक खड़े ट्रक में पीछे से एंबुलेंस की तेज टक्कर हो गई। इससे द्वङ्कह्वद्यद्गठ्ठष्द्ग के परखच्चे उड़ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सदरे आलम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक को लेकर फरार हो गया। मौके पर पहुंची मुफस्सिल थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज भेजा और घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया। उपचार के बाद तीनों घायलों को बिहार रवाना कर दिया गया। थाना प्रभारी कुणाल किशोर ने बताया कि प्रारंभिक बयान में अज्ञात वाहन से टक्कर की बात कही गई थी, लेकिन मौके की स्थिति से प्रतीत होता है कि ओवरटेक के प्रयास में एंबुलेंस खड़े ट्रक से टकराई है।मामले की जांच की जा रही है। इधर, हादसे की सूचना मिलते ही मृतक सदरे आलम का भतीजा शाहबुद्दीन हजारीबाग पहुंचा। बताया कि वे अपने चाचा के शव को अंतिम संस्कार के लिए बेतिया ले जा रहे थे, लेकिन दुर्भाग्यवश इस यात्रा में एक और जीवन खत्म हो गया।

डर के साये में रह रहे मरीज... रिम्स के पेइंग व न्यूरो वार्ड की फॉल्स सीलिंग टूट कर गिरी, बाल-बाल बचे

रांची, एजेंसी। रिम्स की पुरानी बिल्डिंग में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। रिम्स प्रबंधन द्वारा पत्राचार के बाद भी सरकार व स्वास्थ्य विभाग इस ओर ध्यान नही दे रही है। नतीजन, हर दिन रिम्स के अलग-अलग वार्डों से केवल छज्जे, प्लास्टर ही नहीं, बल्कि फॉल सीलिंग तक टूटकर गिरने लगी है। अब तो पुराने बिल्डिंग के अधिकांश वार्ड में मरीज भर्ती रहकर इलाज कराने से डरने लगे हैं। सोमवार सुबह भी पेइंग वार्ड और न्यूरो वार्ड की फॉल सीलिंग टूटकर गिर गई।

जहां फॉल सीलिंग गिरी उससे थोड़े ही दूर में रोगी इलाजरत थे। इससे पहले भी करीब एक माह पूर्व

न्यूरोसर्जरी विभाग के आगे सीढ़ी के ऊपर का बड़ा हिस्सा टूटकर गिर गया था। इससे भी सीढ़ी चढ़ रहे लोग बाल-बाल बचे थे। इसकी जानकारी निदेशक ने पत्राचार कर विभाग को भी दी थी। बावजूद महीने भर से अधिक समय बीतने के बाद भी विभाग के कान में जूं तक नही रेंग रही है। विभाग शायद किसी बड़ी व अप्रिय घटना का इंतजार कर रही है।

निदेशक डॉ. राजकुमार ने रिम्स के री-डेवलपमेंट प्लान के पर विचार करते हुए मंत्री व सचिव से इंडोर की मरम्मत कार्य जल्द शुरू कराने का आग्रह की है। रिम्स के पुराने भवन की स्थिति चिंताजनक है। कई हिस्सों में छज्जे टूटकर नीचे गिर चुके हैं, तो कहीं उनका हिस्सा खतरनाक तरीके से लटका हुआ है।

दीवारों से प्लास्टर उखड़ रहा है और अंदर-बाहर सीलन ने संरचना को कमजोर बना दिया है। वार्ड और गलियारों की हालत इतनी खराब है कि सीढ़ियों की रेलिंग तक ढीली होकर निकल चुकी है। पूरी इमारत जर्जर हो चुकी है और कभी भी हादसे का कारण बन सकती है। यहां इलाज के लिए आने वाले मरीज और उनके परिजन लगातार जोखिम में रहते हैं, फिर भी अब तक मरम्मत या पुनर्निर्माण की कोई ठोस कार्रवाई

राहुल गांधी को आज चाईबासा के एमपी - एमएलए कोर्ट में लगानी होगी हाजिरी

रांची, एजेंसी। कांग्रेस नेता सह संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 6 अगस्त को चाईबासा के एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिरी लगानी होगी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने उन्हें अदालत में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। राहुल गांधी की ओर से 2 जून को विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। अदालत ने उन्हें 26 जून को पेश होने का निर्देश दिया गया था। लेकिन राहुल गांधी के अधिवक्ता ने अदालत को सूचित किया कि उनके मुवक्किल उस दिन पेश नहीं हो पाएंगे। उनकी ओर से चाईबासा अदालत में 6 जून के बाद की तारीख देने का आग्रह किया गया था। अदालत ने इसे स्वीकार करते हुए 6 अगस्त की तिथि तय की है।

जामताड़ा में संदिग्ध हालात में मिला विवाहिता का शव, कमरे में खुद को किया था बंद

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले के मिहिजाम थाना क्षेत्र के हांसीपहाड़ी इलाके में 19 वर्षीय विवाहिता पूजा यादव का शव उसके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पूजा पश्चिम बंगाल के न्यू मार्केट इलाके की रहने वाली थी। 16 महीने पहले उसकी शादी हांसीपहाड़ी के रहने वाले रोहित यादव से हुई थी। पूजा का एक पांच महीने का बेटा भी है।

मृतका के पिता प्रेम सागर यादव ने बेटी की मौत को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पूजा की हत्या उसके पति और ससुराल वालों ने मिलकर की है। अब वे इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जब वे घटनास्थल पर पहुंचे, तब तक पूजा को फंदे से उतार लिया गया था। जिससे संदेह और भी गहरा हो गया।

बच्चों के मामूली झगड़े की अजीबोगरीब सजा, मैडम ने 15-20 पन्ने पर लिखवाई भद्दी गालियां

धनबाद, एजेंसी। शिक्षक बच्चों को उनकी गलतियों के लिए सजा देते हैं। आपने डंडे से पीटने, कान पकड़कर खड़ा करने और मुर्गे की तरह खड़ा करने जैसी सजाओं के बारे में सुना होगा। लेकिन शहर के सेंट मैरी चर्च स्कूल की दो महिला शिक्षकों ने मामूली झगड़े पर चौथी कक्षा के एक बच्चे को अजीबोगरीब सजा दे दी।

उससे 15-20 पन्ने की अश्लील गालियां लिखवाई गईं। साथ ही उसे गालियां लिखकर लाने का होमवर्क भी दिया गया। घटना को लेकर उसकी मां ने स्कूल प्रबंधन से शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

स्कूल प्रबंधन ने बताया कि उन्हें छुट्टियों के बाद अभिभावकों से मामले की जानकारी मिली। स्कूल प्रबंधन समिति को सूचित किया गया, जिस पर दोनों महिला शिक्षकों को तुरंत हटाने का आदेश दिया गया।

प्रिंसिपल ने कहा कि बच्चे की गाली देने की आदत सुधारने के लिए उसे बार-बार गालियां लिखवाई गईं। लेकिन सजा का यह तरीका बिल्कुल गलत है। उन्होंने इस मामले में बच्चे के अभिभावकों से माफी मांगी।

बच्चे की मां ने कहा, उन्होंने उसे गालियां लिखने का होमवर्क दिया था।

कुसुम विहार में रहने वाली बच्चे की माँ ने बताया कि सोमवार सुबह वह बच्चे को स्कूल छोड़कर गई थी। जब वह उसे लेने गई तो बच्चा डरा हुआ था। उसने बताया कि किसी बच्चे ने उसकी पीठ पर पागल लिखकर उस पर एक कागज़ फेंक दिया था। जब उसने शिकायत की, तो टीचर ने कहा कि यह तो तुम्हारी रोज की आदत है।

बाद में किसी ने टीचर से उसके गाली-गलौज करने की शिकायत की। उसने टीचर से कहा कि उसने गाली नहीं दी, अगर वह चाहे तो सीसीटीवी देख सकती है। बच्चे ने रोते हुए अपनी कॉपी माँ को दिखाई। कॉपी देखकर उसकी मां दंग रह गई। उसमें सिर्फ़ 15-20 पन्ने गालियाँ लिखी थीं। बच्चे ने बताया कि मैडम ने उससे गालियाँ लिखवाई थीं। उसकी माँ ने बताया कि उसे होमवर्क में भी गालियाँ लाने को कहा गया था।

पति की मौत मामले में सौतन पर लगाया हत्या का आरोप

धनबाद, एजेंसी। पटना जिला (बिहार) के फतुहा को-ऑपरेटिव कॉलोनी निवासी रंजना रंजन (38 वर्ष) ने अपने पति राकेश रंजन कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर सौतन पर हत्या का आरोप लगाया है. फतुहा थाना में दर्ज कराये बयान में रंजना ने कहा कि राकेश रंजन की दूसरी पत्नी गीता रानी ने उन्हें आयरन से जलाकर बेरहमी से पीटा, जिससे उनकी मौत हो गयी. इस मामले में फतुहा थाना में जीरो प्राथमिकी दर्ज की गयी और धनबाद थाना को भेज दिया गया. इसके आधार पर धनबाद थाना प्राथमिकी की प्रक्रिया कर रही है.

रंजना रंजन ने बताया कि उनकी शादी वर्ष 1999 में राकेश रंजन कुमार (पिता राम उचित प्रसाद, साकिन- बड़ी घोषी, थाना- हिलसा, जिला-नालंदा) के साथ हुई थी. उनके पांच बच्चे हैं. रंजना के अनुसार, चार बच्चों के जन्म के बाद राकेश का व्यवहार बदल गया था. वह छुपकर गीता रानी (पिता- राजकुमार पासवान, ग्राम- पपरनौसा, थाना- नूरसराय, जिला-नालंदा) से मिलते थे. उसकी पढ़ाई का खर्च उठाते थे. वर्ष 2014 में गीता रानी की केनरा बैंक, हीरापुर में क्लर्क पद पर नियुक्ति होने के बाद राकेश रंजन ने उससे शादी कर ली और धनबाद में ही रहने लगे. रंजना का आरोप है कि गीता रानी राकेश के साथ मारपीट करती थी. 16 जुलाई को राकेश ने अपनी मां को फोन कर बताया कि गीता रानी ने उन्हें आयरन से जलाकर दिया है. सूचना मिलने पर वह अपने जीजा के साथ धनबाद पहुंची तो देखा कि राकेश की हालत बेहद नाजुक है. किसी तरह वह उन्हें लेकर 19 जुलाई की रात धनबाद से पटना के लिए रवाना हुई. 20 जुलाई को पटना जंक्शन पहुंचते-पहुंचते राकेश की स्थिति खराब हो गयी और वह बेहोश हो गये. आइजीआइएमएस पटना ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

लाल-हरा मैत्री ने झारखंड अगल राज्य के लिए गोल्फ ग्राउंड से की थी आंदोलन की घोषणा

धनबाद, एजेंसी। झारखंड अलग राज्य के पुरोधा रहे बिनोद बिहारी महतो, एके राय और अब दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन हो गया है. अलग झारखंड राज्य आंदोलन के ये तीनों स्तंभ थे. इसी का परिणाम है कि झारखंड अलग राज्य बना. 60 के दशक में बिनोद बिहारी महतो, एके राय और शिबू सोरेन अलग-अलग आंदोलन कर रहे थे. इसी दौरान तीनों का संपर्क हुआ. रामलाल दा उर्फ पंचम प्रसाद बताते है कि 70 के दशक में बिनोद बिहारी महतो की मुलाकात हजारीबाग जेल में शिबू सोरेन से हुई थी. शिबू सोरेन से प्रभावित होकर उन्हें जेल से छुड़वाया. इसके बाद बिनोद बिहारी महतो, एके राय व शिबू सोरेन ने साथ में बैठक की. तय किया गया कि झारखंड अलग राज्य आंदोलन को अब व्यापक रूप देने का समय आ गया है.

झारखंड अलग राज्य के आंदोलन के लिए लाल व हरा मैत्री में चार फरवरी 1973 में गोल्फ ग्राउंड में सभा हुई थी. इसमें ग्रामीण, मजबूर, किसान अन्य शामिल हुए. भीड़ ने ही साफ कर दिया था कि झारखंड को अलग राज्य बनने से कोई रोक नहीं सकता है. इसी सभा से औपचारिक रूप से झारखंड अलग राज्य के आंदोलन की घोषणा की गयी थी. लाल-हरा मिल कर आंदोलन करने की घोषणा की गयी. इस सभा में मौजूद सभी ने हुंकार भरी थी. इसके बाद आंदोलन ने गति पकड़ी.

हरि प्रसाद पप्पू ने बताया कि एके राय ने झारखंड अगल राज्य के आंदोलन की बात रखी थी. इसके बाद बिनोद बिहारी महतो, एके राय और शिबू सोरेन ने कई बार मंथन किया. चार फरवरी 1973 को आंदोलन की घोषणा की गयी. इसकी गूंज छोटानागपुर व संताल तक फैली. 80 के दशक में सिद्धांतों और आपसी मतभेद के बाद शिबू सोरेन और बिनोद बिहारी महतो व एके राय अलग हो गये. अलग राज्य के लिए आंदोलन अपने-अपने स्तर पर चलता रहा. आंदोलन का परिणाम रहा कि आज झारखंड अलग राज्य है.

7 अगस्त तक बारिश का यलो अलर्ट : प्रदेश में 43 और रांची में 78प्रतिशत ज्यादा बारिश

रांची, एजेंसी। झारखंड के कई जिलों में फिलहाल बारिश होने की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग ने 4, 5, 6 और 7 अगस्त को अलर्ट जारी किया है। मौसम केंद्र रांची की रिपोर्ट के अनुसार, 7 अगस्त तक झारखंड के विभिन्न हिस्सों में मध्यम दर्जे की बारिश, गर्जन और तेज हवा चलने की संभावना है। हवा की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। वहीं, वज्रपात की संभावना है। इधर, एक जून से 3 अगस्त तक झारखंड में पाकुड़ एक मात्र ऐसा जिला रहा है, जहां सामान्य से कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। यहां 520.9 एमएम बारिश हुई है, जो सामान्य से 16त्न कम है।

इधर, राज्य में अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। 4 अगस्त को राज्य में कहीं-कहीं गरज और तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। हवा की गति 30-40 किमी प्रतिघंटा रहने की संभावना है।

राज्य में मानसून सामान्य रहा। पिछले 24

घंटे में राज्य में अनेक स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। जबकि कहीं-कहीं पर भारी बारिश भी दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश 78.4 एमएम हजारीबाग में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री सेल्सियस सरायकेला में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज की गई। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में अब तक (एक जून से 3 अगस्त तक) 788.4 एमएम बारिश दर्ज हो चुकी है। जबकि इस अवधि में झारखंड में सामान्य बारिश 538.7 एमएम ही होती है। राज्य में अब तक सामान्य से 46प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। रांची में एक जून से 3 अगस्त तक 992 एमएम बारिश हो चुकी है। जो सामान्य से 78प्रतिशत अधिक है। झारखंड में सिर्फ एक जिला ऐसा हैं, जहां अब तक सामान्य से कम बारिश दर्ज हुई है। इसमें पाकुड़ जिला शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

एडीजी कुंदन कृष्णन बोले- बिहार में सिर्फ 3 हथियारबंद नक्सली ही बचे

पटना, एजेंसी। नक्सलवाद पूरे देश के लिए एक बड़ी समस्या है। लाल आतंक का नारा बुलंद करने वाले नक्सलियों ने कई बार देश को गहरे जख्म भी दिए हैं। केंद्र और अलग-अलग राज्य सरकारें समय-समय पर इन नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाती हैं और उन्हें उनके अंजाम तक भी पहुंचाया जाता है। बिहार में भी नक्सलवाद एक बड़ी समस्या है। बिहार के कई जिले नक्सल प्रभावित माने जाते रहे हैं। इस बीच बिहार एडीजी ऑपरेशन कुंदन कृष्णन ने बिहार में नक्सलियों के खात्मे को लेकर बड़ी बात कही है। एडीजी कुंदन कृष्णन ने बताया है कि बिहार में अब सिर्फ 3 हथियारबंद नक्सली ही बचे हैं। एडीजी ने कहा, 'हमारा टारगेट है कि जो केंद्र सरकार का दिशा-निर्देश है और हथियारबंद नक्सलियों के उन्मूलन के लिए जो मार्च 2026 तक जो समय सीमा दी गई है उसका अनुपालन हो जाए। अभी बिहार में हमारी जानकारी में मात्र 3 ही हथियारबंद नक्सली बचे हैं। इनको लेकर भी लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही यह काम पूरे होने की उम्मीद है। बिहार चुनाव से पहले ही ये जो बचे हुए नक्सली हैं उन्हें मना कर आत्मसमर्पण करवा लिया जाएगा। अगर वो सरेंडर नहीं करते हैं तो हमारा बल भी जंगल में घूम रहा है। अगर वो उनपर फायरिंग करते हैं तो वो भी फायरिंग करेंगे।' एडीजी कुंदन कृष्णन के मुताबिक, बिहार अब नक्सलमुक्त राज्य बनने के कगार पर खड़ा है। साल 2025 में अभी तक एक भी बड़ी नक्सली हिंसक घटना नहीं हुई है। नक्सलियों में हथियार डालने और सरेंडर करने की होड़ मची है। यहां आपको बता दें कि एक समय था जब बिहार के 30 जिले नक्सल प्रभावित माने जाते थे। एडीजी ने बताया है कि लखीराय और जमुई के कुछ दुर्गम इलाकों को छोड़कर पूरा उत्तर बिहार नक्सल-मुक्त हो चुका है।

स्कूल में चौथी क्लास के बच्चे को टीचर ने दी ऐसी सजा, कहा- 10 पेज अपशब्द लिखो

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के धनबाद से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बच्चे को ऐसी सजा दी गई कि हर कोई अचरज और गुस्से में हैं। कक्षा चार के एक बच्चे को टीचर ने 10 पेज गालियां लिखने की सजा दी। मामला धनबाद के हिल कॉलोनी स्थित संत मेरी स्कूल का है। आरोप है कि यहां एक टीचर ने बच्चे को गाली लिखने की सजा दी। बच्चे ने 10 पेज अपशब्द लिखे। कॉपी में यह लिखा देख परिजन भौचक्के रह गए। इसकी शिकायत स्कूल प्रबंधन और बाल संरक्षण पदाधिकारी से की। चौथी कक्षा के छात्र की कॉपी में अपशब्द लिखने पर मां स्कूल पहुंची, लेकिन तबतक स्कूल बंद हो गया था। स्कूल प्रबंधन की करतूत पर महिला गेट के पास रोने लगी। महिला को रोता देख मजार कमेटी व अन्य लोग पहुंचे। बाद में प्रिंसिपल को जानकारी दी गई। जब सुनवाई नहीं हुई तो महिला बच्चे को लेकर बाल संरक्षण पदाधिकारी के पास पहुंची और शिकायत की। महिला को कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। वहीं स्कूल प्रबंधन ने कहा कि मां ने शिकायत की है। तुरंत स्कूल प्रबंध कमेटी की बैठक बुलाई गई, जिसमें पता चला कि बच्चे आपस में गाली दे रहे थे। इसपर टीचर ने उन्हें सजा दी। टीचर नेहा और बबिता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

भाजपा के साथ किसी तरह का गठबंधन नहीं, बसपा प्रमुख मायावती ने साफ की सभी अटकलें

लखनउ, एजेंसी। काफी समय से जिस तरह की बयानबाजी बसपा प्रमुख मायावती कर रही है विपक्ष को लगता है कि बहुजन समाज पार्टी और भाजपा में कोई सीक्रेट डील है। विपक्ष के सुर में सुर मिलाने से मायावती दूर रहती है। ऑपरेशन सिंदूर पर मायावती का जो पक्ष रहा उसके बाद ये अटकलें तेज हो गयी कि शायद बसपा-भाजपा के बीच गठबंधन है! अब इस तरह की सारी अटकलों को खारिज कर दिया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ किसी भी गठबंधन या समझौते से इनकार करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को ऐसी खबरों से सतर्क रहने की हिदायत दी। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट कर कहा, ''जैसा कि सर्वविदित है कि बसपा न तो भाजपा के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ है, ना ही कांग्रेस के 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन या अन्य किसी मोर्चे के साथ है, बल्कि इन दोनों व अन्य और किसी भी जातिवादी गठबंधनों से अलग अपनी सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के आंबेडकरवादी सिद्धांत व नीति पर चलने वाली पार्टी है।'' उन्होंने कहा, ''इसके बावजूद खासकर दलित, आदिवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विरोधी तथा इन वर्गों के प्रति जातिवादी मानसिकता रखने वाले कुछ मीडिया बसपा की छवि को बीच-बीच में धूमिल करने व राजनीतिक नुकसान पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं, जिसको लेकर पार्टी को लगातार अपने लोगों को इनसे सतर्क करते रहने की जरूरत पड़ती रहती है।'' विशेष आग्रह है कि वे राजनीतिक षड्यंत्र के तहत मीडिया के इस प्रकार के घिनौने हथकंडों से हमेशा सावधान रहें।

मेरी बेटी अब कभी पाकिस्तान नहीं जाएगी, ज्योति मल्होत्रा के पिता ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

हिसार, एजेंसी।
पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा की ज्योति मल्होत्रा की हिसार कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आज छठी पेशी हुई। अदालत ने ज्योति की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी। अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। इस बीच ज्योति के पिता हरीश मल्होत्रा ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पत्र लिख कर अपनी बेटी को निर्दोष बताया है।

उन्होंने पुलिस पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस ने कोरे कागज पर साइन कराकर खुद ही ज्योति का बयान लिखा है। देशद्रोह की धारा भी लगा दी लेकिन इसका कोई भी सबूत पुलिस अभी तक नहीं जुटा पाई है। हरीश मल्होत्रा ने कहा अब उनकी बेटी कभी पाकिस्तान नहीं जाएगी, मैं इसकी गारंटी लेता हूं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को भेजे पत्र में हरीश मल्होत्रा ने लिखा कि पुलिस की एफआईआर का आधार पूछताछ के दौरान ज्योति की ओर रिकॉर्ड करवाई गई स्टेटमेंट है। पुलिस ने उनकी बेटी से कई कोरे कागजातों पर साइन करवाकर अपने हिसाब से बयान लिखा है। संविधान का अनुच्छेद 20 हमें आत्म-दोषारोपण से बचाता है, जिसके तहत पुलिस किसी भी व्यक्ति को उसके खुद के खिलाफ गवाह नहीं बना सकती लेकिन एफआईआर में ज्योति को ही उसके खिलाफ गवाह बनाया हुआ है। यह एफआईआर असंवैधानिक है।

उन्होंने लिखा कि पुलिस ने एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 जोड़ी गई है और देशद्रोह का कोई आरोप नहीं लगाया है। 9 दिन के रिमांड के दौरान भी ऐसे सबूत नहीं मिले हैं। ऐसे में पुलिस को यह धारा हटानी चाहिए। हरीश ने कहा कि हिसार के एसपी ने मीडिया में प्रेस नोट जारी कर स्पष्ट किया था कि जांच के दौरान ज्योति के किसी भी संवेदनशील, सैन्य और रणनीति जानकारी तक पहुंच नहीं मिली है। ऐसी स्थिति में ऑफिशियल सिक्रेट एक्ट की धाराओं के आरोप भी मेरी बेटी के खिलाफ सही नहीं हैं।

हरीश मल्होत्रा ने कहा कि मेरी बेटी ट्रैवल ब्लॉगर थी और उसने पाकिस्तान यात्रा के सामान्य बनाए हैं। उनमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं हैं। फिर भी एजेंसी अगर कोई वीडियो हटाने के लिए कहती है तो उनको मेरी बेटी अपने ब्लॉग से हटा देगी, मैं इसकी गारंटी दे रहा हूं। अब मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी में पाकिस्तान नहीं जाएगी। इसकी मैं गारंटी लूंगा। मेरी बेटी के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करवाकर मुझे व मेरी बेटी को न्याय दिलाने का कष्ट करें।

1 अगस्त को ज्योति मल्होत्रा का 35वां जन्मदिन जेल में ही बीता था। ज्योति जब डेढ़ साल की थी तो उसकी मां उसे शिशु गृह में छोड़ कर चली गई थी और पिता और दादा दादी ने उसे पाला था। 16 मई को गिरफ्तारी के बाद उसकी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। 26 मई को अदालत में पेश कर उसे हिसार की सेंट्रल जेल-टू भेज दिया था। तब से वह जेल में ही है और उसके पिता उस से मिलने आते रहते हैं। ज्योति के वकील कुमार मुकेश अब डिफॉल्ट बेल की एप्लिकेशन लगाने की तैयारी कर रहे हैं।

मानेसर में भाजपा का दांव सफल, बिना लड़े ही सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पदों पर कब्जा

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के मानेसर नगर निगम में मंगलवार को हुए सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एकतरफा जीत हासिल की है। भाजपा के उम्मीदवार प्रवीण यादव सीनियर डिप्टी मेयर और रीमा दीपक चौहान डिप्टी मेयर के पद पर निर्विरोध चुन लिए गए। यह चुनाव मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर और उनके खेमे के 8 समर्थक पार्षदों की अनुपस्थिति में संपन्न हुआ, जिन्होंने चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार किया।

इस निर्विरोध जीत के साथ ही भाजपा ने मानेसर नगर निगम में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, जहां कुछ महीने पहले हुए मेयर चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा था। तब निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर डॉ. इंद्रजीत कौर ने जीत दर्ज की थी, जिन्हें केंद्रीय मंत्री और गुरुग्राम के सांसद राव इंद्रजीत सिंह का करीबी माना जाता है। इस चुनाव से पहले हरियाणा की राजनीति में एक बड़ा सियासी ड्रामा देखने को मिला। अपनी जीत सुनिश्चित करने और किसी भी तरह की क्रॉस वोटिंग से बचने के लिए भाजपा ने अपने और कुछ समर्थक निर्दलीय पार्षदों को कथित तौर पर नेपाल भेज दिया था। सूत्रों के अनुसार, लगभग 12 पार्षद पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के नेतृत्व में नेपाल की यात्रा पर थे और चुनाव के दिन ही गुरुग्राम वापस लौटे। इस कदम ने प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी थी। मानेसर नगर निगम में यह पूरा घटनाक्रम केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह के बीच चल रहे राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई का एक और अध्याय माना जा रहा है। मेयर चुनाव में राव इंद्रजीत समर्थित उम्मीदवार की जीत को राव नरबीर के लिए एक झटके के तौर पर देखा गया था। अब सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के पदों पर अपने उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत सुनिश्चित कर राव नरबीर ने फिलहाल बढ़त बना ली है। इस साल हुए नगर निगम चुनावों में मानेसर एकमात्र ऐसा निगम था जहाँ भाजपा को मेयर पद पर हार मिली थी। कुल 20 पार्षदों वाली इस निगम में भाजपा के सात पार्षद जीते थे, जबकि 13 निर्दलीय थे। बाद में, राव नरबीर के प्रयासों से सात निर्दलीय पार्षद भाजपा में शामिल हो गए, जिससे निगम में भाजपा का संख्या बल बढ़ गया। इस पूरे प्रकरण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में मानेसर नगर निगम की राजनीति में दोनों दिग्गज नेताओं के बीच खींचतान और तेज हो सकती है।

फिर जेल से बाहर आया रेप और हत्या का दोषी गुरमीत राम रहीम, इस बार 40 दिन की मिली पैरोल

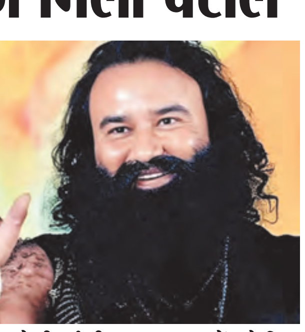

रोहतक, एजेंसी।
बलात्कार और हत्या के मामलों में दोषी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर 40 दिन की पैरोल मिली है। इससे पहले अप्रैल 2025 में उसे 21 दिन की फरलो दी गई थी। यह 2020 से अब तक 14वीं बार है जब राम रहीम जेल से बाहर आया है। जेल अधिकारियों ने पुष्टि की है कि राम रहीम मंगलवार सुबह रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर निकला और सीधे हरियाणा के सिरसा स्थित डेरा आश्रम के लिए रवाना हुआ। अब तक वह कुल 326 दिन जेल में बिता चुका है।

गुरमीत राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों से बलात्कार के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद 2019 में पत्रकार राम चंद्र छत्रपति की हत्या के मामले में भी उसे दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा, 2002 में अपने ही मैनेजर रंजीत सिंह की हत्या के मामले में उसे उम्रकैद की सजा मिली थी। हालांकि, इस साल मई 2024 में उसे और चार अन्य आरोपियों- अवतार सिंह, कृष्ण लाल, जसबीर सिंह और सबदिल सिंह को दोषपूर्ण और संदिग्ध जांच का हवाला देते हुए बरी कर दिया गया।

इस साल जनवरी में राम रहीम को 20 दिन की पैरोल मिली थी, जबकि अप्रैल में 21 दिन की फरलो दी गई थी। अब अगस्त में उसे फिर 40 दिन की पैरोल दी गई है, जिससे उसकी लगातार रिहाई पर सवाल उठने लगे हैं। पिछले वर्षों में देखा गया है कि राम रहीम को चुनावी समय के आसपास जेल से बाहर आने की अनुमति मिली है।

हालांकि, चुनाव आयोग की सख्ती के चलते उसे चुनावी गतिविधियों में भाग लेने, भाषण देने और संबंधित राज्यों में ठहरने पर प्रतिबंध लगाया गया था। गौरतलब है कि गुरमीत राम रहीम सोशल मीडिया के जरिए वीडियो संदेश जारी करता रहा है और उसके समर्थकों के बीच उसकी मौजूदगी का असर बना रहता है। उसके बार-बार जेल से बाहर आने को लेकर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ सरकार पर राजनीतिक लाभ के लिए पैरोल देने का आरोप लगाया है।

गुरुग्राम के दो पुलिसकर्मियों की दर्दनाक मौत

गुरुग्राम , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) और लोहे के पाइपों से लदे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में गुरुग्राम पुलिस के एक उपनिरीक्षक और एक कांस्टेबल की मौत हो गई और दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार रात एक्सप्रेसवे पर धनौरी गांव के पास हुई, जब चारों पुलिसकर्मी एक जांच के सिलसिले में छत्तीसगढ़ जा रहे थे। गुरुग्राम के सेक्टर 40 स्थित अपराध इकाई में तैनात उपनिरीक्षक संजय कुमार (45) और कांस्टेबल अमित (34) की इस दुर्घटना में मौत हो गई।

हमीरपुर जिले के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना रात 10 बजे से 10.15 बजे के बीच राठ थाना क्षेत्र के घमौरी गांव के पास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सब-इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह और कांस्टेबल अमित कुमार के रूप में हुई है, जबकि घायलों में सहायक सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) इंद्रजीत और हेड कांस्टेबल राजेश कुमार शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि राजेश वाहन चला रहा था।

हिमाचल भाजपा की 17 जिला कार्यकारिणी घोषित, महिलाओं को तवज्जो; जल्द बनेगी प्रदेश टीम

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश भाजपा ने प्रदेश भर में अपनी 17 जिला कार्यकारिणियों की घोषणा कर दी है। जल्द ही प्रदेश स्तर की नई टीम भी बनाई जाएगी। यह जानकारी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सोमवार को शिमला में पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जिसने जनसंघ से लेकर आज तक संगठन की मजबूती और मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। डॉ. बिंदल ने बताया कि घोषित की गई 17 जिला कार्यकारिणियों में कुल 874 सदस्य और पदाधिकारी शामिल हैं। इनमें 358 महिलाएं और 258 अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी वर्ग से हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बूथ स्तर से लेकर जिला और प्रदेश स्तर तक मजबूत संगठन खड़ा किया है। उन्होंने बताया कि भाजपा के 171 मंडलों में बनी कार्यकारिणियों में कुल 7587 सदस्य हैं। इनमें 2569 महिलाएं और 3532 अनुसूचित जाति, जनजाति व ओबीसी वर्ग से हैं। प्रदेश के 8007 बूथों में से 7870 बूथों पर 11-11 सदस्यों की समितियां भी गठित कर दी गई हैं। इस तरह बूथ स्तर पर भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं की संख्या 89,646 हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी और मजबूत टीम के साथ भाजपा आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। डॉ. बिंदल ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, जो कभी संसद में 500 सांसदों वाली बड़ी पार्टी थी, आज बहुत कम संख्या तक सिमट गई है। जबकि भाजपा, जो कभी सिर्फ दो सांसदों से शुरू हुई थी, आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का गठन आजादी के लिए हुआ था, लेकिन आज वह सत्ता की राजनीति में उलझकर कमजोर हो गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कांग्रेस को भारत के तिरंगे से कोई परेशानी है तो वह साफ बताए। डॉ. बिंदल ने कहा कि भाजपा के लिए तिरंगा देश की आन, बान और शान है। भाजपा पूरे प्रदेश में 13 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाएगी और 15 अगस्त को सभी 171 मंडलों में तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। साथ ही 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भी मनाया जाएगा, ताकि लोग देश के बंटवारे की पीड़ा को जान सकें। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हिमाचल कांग्रेस का संगठन पिछले एक साल से भंग पड़ा है और न बूथ स्तर पर कोई टीम है, न प्रदेश स्तर पर। इसके विपरीत भाजपा का हर कार्यकर्ता लगातार नई ऊर्जा के साथ मैदान में सक्रिय है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन मजबूत और अभेद्य है और यही संगठन 2027 के विधानसभा चुनाव में भी जीत की ओर बढ़ रहा है।

परिवार की सहमति बिना मंजूर नहीं प्रेम विवाह, पंजाब की ग्राम पंचायत के अनूठे फैसले से विवाद

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मोहाली जिले के एक गांव की ग्राम पंचायत ने परिवार या समुदाय की सहमति के बिना प्रेम विवाह करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ग्राम पंचायत ने बाकायदा इसके खिलाफ एक प्रस्ताव भी पारित किया है, जिसमें कहा गया है कि कोई भी प्रेमी जोड़ा अपने परिवार या समुदाय की इजाजत के बिना प्रेम विवाह नहीं कर पाएगा। चंडीगढ़ से सिर्फ 10 किलोमीटर दूर स्थित मानकपुर शरीफ की ग्राम पंचायत के इस फैसले की राजनीतिक नेताओं और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने तीखी आलोचना की है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, 31 जुलाई को सर्वसम्मति से पारित इस प्रस्ताव में कहा गया है कि ग्राम पंचायत उन जोड़ों को गांव में या आस-पास के इलाकों में रहने से प्रतिबंधित करता है, जो अपने परिवारों की इजाजत के बिना शादी करेंगे। प्रस्ताव में ऐसे प्रेमी जोड़ों का समर्थन करने या उन्हें आश्रय देने वाले किसी भी ग्रामीण के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है।

सरपंच बोले- यह सजा नहीं, परंपराओं का संरक्षण

गांव के सरपंच दलवीर सिंह ने कहा, यह कोई सजा नहीं, बल्कि हमारी परंपराओं और मूल्यों की रक्षा के लिए एक जरूरी कदम है। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव हाल ही में हुई एक घटना के बाद आया है जिसमें 26 वर्षीय दविंदर ने अपनी 24 वर्षीय भतीजी बेबी से शादी कर ली थी। यह जोड़ा अब गांव छोड़कर जा चुका है, लेकिन इस घटना का यहाँ रहने वाले 2,000 ग्रामीणों पर असर पड़ा है। सिंह ने आगे कहा, हम प्रेम विवाह या कानून के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हम अपनी पंचायत में इसकी अनुमति नहीं दे रहे हैं।

बीजेपी को नेहरू से इतनी नफरत कि मेट्रो स्टेशन का नाम भी उन पर नहीं रखा गया: संजय राउत

मुंबई, एजेंसी।
शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने सोमवार को भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी को जवाहरलाल नेहरू से इस कदर नफरत है कि मुंबई के वर्ली इलाके में नेहरू विज्ञान केंद्र के पास स्थित मेट्रो रेलवे स्टेशन के नाम में देश के पहले प्रधानमंत्री का नाम तक शामिल नहीं किया गया। राउत ने कहा कि नेहरू विज्ञान केंद्र मुंबई का एक ऐतिहासिक स्थल है, लेकिन मेट्रो लाइन 3 के इस स्टेशन को सिर्फ विज्ञान संग्रहालय स्टेशन कहा जाता है।

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि इसी तरह दहिसर-अंधेरी मार्ग पर स्थित एक मेट्रो स्टेशन को राष्ट्रीय उद्यान स्टेशन नाम दिया गया है, क्योंकि यह संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के करीब है। राउत ने कहा कि इस स्टेशन के नाम में भी संजय गांधी का नाम शामिल नहीं किया गया है। संजय राउत ने कहा, अगर किसी में इतनी नफरत है तो वह देश पर शासन करने के लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि नितिन गडकरी भाजपा और केंद्र में सबसे बुद्धिमान मंत्री हैं, लेकिन उन्हें डर है कि नेहरू और महात्मा गांधी की प्रशंसा करने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गडकरी ने गांधी, नेहरू की टिप्पणियों को किया यादन्न रविवार को नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने महात्मा गांधी और नेहरू की टिप्पणियों को याद किया था। उन्होंने कहा, नेहरूजी कहते थे कि हमें अधिकतम उत्पादन की जरूरत है। गांधीजी कहते थे कि हमें अधिकतम लोगों की भागीदारी के साथ अधिकतम उत्पादन की जरूरत है। गडकरी ने कहा कि केंद्र से बनाई जा रही खनन नीति से कारोबार करना आसान हो जाएगा, क्योंकि सभी मंजूरियांती न महीने में दे दी जाएंगी ताकि खनन प्रक्रिया चौथे महीने में शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि नई खनन नीति के तहत सभी अड़चनें दूर कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा, यह खनन नीति हाल ही में मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी के लिए आई थी। हालांकि, प्रधानमंत्री इस पर पूरी तरह सहमत नहीं थे और मेरे कुछ सुझाव देने के बाद उन्होंने मंत्रिमंडलीय सचिव को मेरे साथ नीति पर चर्चा और समीक्षा करने का निर्देश दिया।

जयपुर में लेबर इंस्पेक्टर की हत्या: घर पहुंचते ही साले ने दागी 7 गोलियां

आरोपी न सिर्फ वर्दी में था बल्कि उसके बयान ने मामले को और भी पेचीदा बना

जयपुर, एजेंसी।
जयपुर की शांत सुबह अचानक गोलियों की आवाज से दहल उठी। मोहल्ले में लोग अखबार और चाय की चुस्कियों में व्यस्त थे, लेकिन उसी वक्त एक घर के बाहर मौत घात लगाकर बैठी थी। वो सुबह आम नहीं थी, क्योंकि उस दिन रिश्तों की रगों में नफरत का ज़हर दौड़ चुका था। और कुछ ही पलों में, एक राइफल की ट्रिगर पर रखी उंगली ने पूरे शहर को चौंका दिया।

ये कहानी है इंस्पेक्टर शंकर लाल बलाई की एक जिम्मेदार अफसर, जो हर दिन की तरह उस सुबह भी मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि लौटते ही उनका स्वागत गोलियों से किया जाएगा। दरअसल, बगरू के जिस घर में वो रहते थे, उसी के बाहर उनका साला अजय कटारिया पहले से छिपा बैठा था। आंखों में जलन, सीने में बदले की आग और हाथ में थी सरकारी राइफल। अजय आरएसी की 12वीं बटालियन में जवान था, लेकिन उस सुबह वो कानून का रक्षक नहीं, बल्कि खुद कानून तोड़ने वाला बन चुका था।

शंकरलाल जैसे ही घर के गेट पर पहुंचे, अजय ने बिना कुछ कहे एक के बाद एक सात गोलियां चला दीं। हर गोली जैसे बदले की एक चिट्ठी थी पिछली कहानी के अधूरे पन्ने, जिन्हें अजय अब खून से लिखना चाहता था। इंस्पेक्टर शंकरलाल जमीन पर गिरे और वहीं उनकी सांसें हमेशा के लिए थम गईं।

लोगों को जब तक कुछ समझ आता, अजय वहां से जा चुका था। लेकिन उसने भागने की कोशिश नहीं की। वो सीधे फुलेरा थाने पहुंचा, राइफल पुलिस के हवाले की और बोला मार दिया मैंने। पुलिस भी हैरान, क्योंकि दिया। जांच में पता चला कि अजय कटारिया की सगाई कुछ समय पहले हुई थी, और वो रिश्ता शंकरलाल ने ही तय करवाया था। लेकिन अजय को बाद में यह पता चला कि जिस लड़की से उसकी सगाई हुई थी, उसका किसी और से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। विवाद इतना बढ़ा कि रिश्ता टूट गया। अजय टूट चुका था, गुस्से में था, और अंदर ही अंदर ये मान बैठा कि उसकी जिंदगी बर्बाद करने वाला कोई और नहीं, बल्कि उसका जीजा शंकरलाल ही है।

एक दिन उसने युवती से बात करने की कोशिश की। लेकिन जवाब मिला 'शंकरलाल भाईसाहब ने मिलने से मना किया है।' यही लाइन उसके दिमाग में हथौड़े की तरह गूंजती रही। और इसी एक लाइन ने शायद अजय को कातिल बना दिया।

पुलिस को दिए बयान में अजय ने कहा कि वो काफी समय से डिप्रेशन में था। लेकिन असली कहानी कुछ और कहती है उसकी हरकतें, उसका प्लान, सुबह-सुबह हथियार के साथ पहुंचना और फिर गोलियों की बौछार ये सब कुछ बताता है कि ये मर्डर अचानक नहीं था, ये सोच-समझकर रची गई स्क्रिप्ट थी।

जिस इंसान ने रिश्ता जोड़ा था, उसी को गोली मार दी गई। जिस घर में अजय मेहमान बनकर आता था, वहां मौत का मेहमान बनकर पहुंचा। और सबसे खौफनाक बात ये कि ये कोई गैंगस्टर, कोई बाहरी दुश्मन नहीं था ये खून उस रिश्ते ने किया, जो खून से ही बना था।

अब अजय पुलिस की गिरफ्त में है, लेकिन शंकरलाल की मौत के साथ कई सवाल भी जिन्दा हैं। क्या वर्दी पहन लेने से इंसान अंदर से मजबूत हो जाता है या जब दिल में ज़हर हो तो कानून की वर्दी भी उसे रोक नहीं पाती

विचार-मंथन

संपादकीय

वनों की कटाई की वजह से खतरे में बाघ

देश भर के जंगलों में जिस तरह से अतिक्रमण और खनन के साथ मानवीय हस्तक्षेप बढ़ा है, उससे बाघों का सुरक्षित पर्यावास खतरे में है। वनों की लगातार कटाई ने उनके लिए आहर की चुनौतियां भी बढ़ा दी हैं। जंगलों के भीतर सड़कों के निर्माण और कोलाहल बढ़ने से प्राकृतिक माहौल का संतुलन बिगड़ा है। नतीजा यह कि अब बाघ जंगलों से बाहर निकल रहे हैं। भोजन-पानी की तलाश में भटकते ये वन्य जीव मनुष्यों के लिए तो खतरा बने ही हैं, साथ ही उनके जीवन पर भी संकट बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मनुष्यों और वन्य जीवों के बीच संघर्ष की घटनाओं में इजाफा हुआ है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर से जारी रपट भी इस ओर इशारा करती है, जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2021 से 2025 के दौरान देश भर में 667 बाघों की मौत हुई है। इनमें से 341 बाघों की मौत अभयारण्यों से बाहर हुई है। इस रपट ने अभयारण्यों की देखरेख में बरती जा रही लापरवाही को भी उजागर किया है। सवाल है कि अभयारण्यों में आवाजाही के लिए बने गलियारों से बाघ और तेंदुए गांवों एवं शहरों तक कैसे पहुंच जाते हैं? क्या उनके लिए जंगल छोटे पड़ रहे हैं। क्या बाघों की निगरानी के लिए अब तक मजबूत तंत्र नहीं बन पाया है? अगर कहीं बाड़बंदी नहीं है और बाघ निर्धारित दायरे से बाहर निकलते हैं, तो समय रहते ऐसी घटनाओं का पता क्यों नहीं लगाया जाता। ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक के बावजूद बाघों की नियमित निगरानी क्यों संभव नहीं हो पा रही है। एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या जंगलों में बाघों के लिए भोजन का अभाव है? मध्य प्रदेश में दो दशकों में जिस तरह वनों की कटाई हुई है, उसका परिणाम सामने हैं। यहां चार वर्ष के भीतर अभयारण्यों से बाहर निकले नब्बे बाघों की मौत कोई साधारण घटना नहीं है। शासन व प्रशासन को बाघों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा पर भी ध्यान देना होगा। यह सब आधी-अधूरी योजनाओं से नहीं, बल्कि नवोन्मेषी उपायों से ही संभव हो पाएगा।

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

(ललित गर्ग)

भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रूवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस भगवा आतंकवाद की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है।

अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'अहिंसा परमो धर्मः' की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी।

भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रूवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की ज़रूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के 'हिंदू आतंकवाद' की ब्रेकिंग न्यूज़ चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पर्दापाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी।

इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। इस पूरे प्रकरण में न्यायपालिका की देरी और जांच एजेंसियों की लापरवाही स्वयं अदालत द्वारा उजागर की गई। अदालत ने कहा कि ना तो घटनास्थल का स्केच बनाया गया, ना फिंगरप्रिंट लिए गए, ना बम के सटीक स्रोत की पुष्टि हुई और ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण था। अभियोजन पक्ष ने जिस मोटरसाइकिल को बम के लिए इस्तेमाल होने की बात कही थी, वह भी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़ी नहीं पाई गई। यह सब कुछ बताता है कि पूरा केस पूर्वग्रहों, दुर्भावना और राजनीतिक साजिश से प्रेरित था। यदि न्याय के नाम पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया जाए, तो वह केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि समस्त समाज और संस्कृति को दंडित करने जैसा होता है। प्रश्न यह उठता है-तो क्या अब तक इन आरोपियों को गलत तरीके से आतंकवादी घोषित कर वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया?

हिंदू धर्म और आतंकवाद-ये दो शब्द आपस में मेल नहीं खाते। सनातन संस्कृति का मूल आधार ही शांति, सहिष्णुता और करुणा है। विश्व में यदि कोई धर्म ऐसा है जिसने 'युद्ध नहीं, यज्ञ', 'हिंसा नहीं, अहिंसा' का मार्ग दिखाया है, तो वह हिंदू धर्म है।

कचरे से कमाई

(अक्षय शुक्ला)

मोदी सरकार के पहले टर्म में शुरू हुए स्वच्छ भारत अभियान का काफी असर दिखा था। मार्केट से लेकर रेलवे प्लैटफॉर्म तक साफ-सुथरे दिखने लगे, आम लोग भी पब्लिक प्लेस में गंदगी फैलाने से बचने लगे थे। लेकिन बाद के टर्म में सरकार की प्राथमिकताएं बदलीं तो लोग भी सफाई के प्रति लापरवाह हो गए। एक बार फिर जगह-जगह गंदगी के ढेर दिखाई देने लगे हैं। खाने-पीने के बाद लोग खाली रैपर और ग्लास खुले में ही फेंक देते हैं। युवाओं को ऐसा करते देख आश्चर्य होता है, जिनसे सिविक सेंस की सबसे ज्यादा उम्मीद की जाती है।

जिन एजेंसियों पर शहर को साफ-सुथरा रखने की ज़िम्मेदारी है, वे भी पूरी तरह बेपरवाह हो चुकी हैं। इसका पता हाल में जारी स्वच्छ सर्वेक्षण की रिपोर्ट से चल जाता है, जिसमें एनसीआर के कई शहर फिसड्डी साबित हुए हैं। इनमें हरियाणा को सबसे अधिक राजस्व देने वाला गुड़गांव और फरीदाबाद भी हैं। सड़क किनारे बिखरे पड़े कूड़े के ढेर इनकी खूबसूरती पर तो दाग लगा ही रहे, रैंक भी गिरा रहे हैं।

ये दोनों शहर अपने पड़ोसी नोएडा से ही कुछ सीख लें, जहां होटल, अस्पताल, सोसायटीज़ जैसे बल्क वेस्ट जनरेटर्स यानी जहां सौ किलो से अधिक कूड़ा निकलता है, उन्हें अपने परिसर में कंपोस्ट प्रोसेसिंग यूनिट लगाकर कूड़े का निस्तारण खुद करना ज़रूरी कर दिया गया है। ऐसा नहीं करने पर जुर्माने का प्रावधान है।

इधर हम बढ़ते कचरे का कोई हल नहीं निकाल पा रहे, उधर नॉर्वे जैसे साफ-सुथरे देशों को कचरा आयात करना पड़ रहा है। स्वीडन और यूके से आयातित कचरे से नॉर्वे बिजली पैदा कर रहा है। ओस्लो में 50 फीसदी से अधिक बिजली और हीटिंग कचरे को जलाकर पैदा की जा रही है।

हालांकि इतनी दूर क्या देखना, हमारे देश में भी कई शहर इस दिशा में मिसाल पेश कर रहे हैं। ठोस कचरे का बेहतरीन तरीके से प्रबंधन करने वाले इंदौर, चंडीगढ़ और अंबिकापुर को ही देखिए।

राजनीति में भद्रता की मिसाल थे अरुण जेटली, उन पर धमकाने का आरोप लगाना घटिया राजनीति है

(नीरज कुमार दुबे)

राहुल गांधी के बयान पर भाजपा नेता तो पलटवार कर ही रहे हैं साथ ही स्वर्गीय अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने भी राहुल गांधी के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और दिवंगत नेता की स्मृति के प्रति अनादरपूर्ण बताया है।

खुद कई मामलों में जमानत पर चल रहे राहुल गांधी की सारी राजनीति आरोप लगाते रहने पर ही टिकी हुई है। वह भारत में बोलें या विदेशी धरती पर, उनके संबोधनों में सिर्फ भारत की सरकार और भारत के संवैधानिक संस्थान ही निशाने पर होते हैं। राहुल गांधी पहले प्रधानमंत्री के लिए 'चौकीदार चोर है' वाली टिप्पणी का उपयोग करते थे, मगर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई तो वह संवैधानिक संस्थानों को चोर बताने लग गये हैं। एक दिन पहले राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकाते हुए कहा था कि रिटायर हो जाओगे तब भी तुम्हें ढूँढ़ निकालेंगे और आज उन्होंने उन लोगों पर हमले शुरू कर दिये जोकि इस धरा पर अपना पक्ष रखने के लिए नहीं हैं।

राहुल गांधी ने स्वर्गीय पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली पर जो आरोप लगाये हैं वह बेहद निचले स्तर की राजनीति है। राहुल गांधी अमीर घराने से जरूर हैं लेकिन सभ्यता के मामले में बेहद गरीब हैं क्योंकि वह यह सामान्य-सी बात भी नहीं जानते कि हमारे धर्म और संस्कृति में यही सिखाया जाता है कि स्वर्गीय व्यक्ति के प्रति कभी भी अनादर नहीं प्रकट करना चाहिए। राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं कि अरुण जेटली ने उन्हें धमकाया जबकि असलियत यह है कि स्वर्गीय अरुण जेटली जनवरी 2019 से ही एक तरह से बिस्तर पर थे। हम आपको याद दिला दें कि फरवरी 2019 में जब जेटली को बतौर वित्त मंत्री लोकसभा चुनावों से पहले संसद में अंतरिम बजट पेश करना था तब उनकी अमेरिका में सर्जरी होने की वजह से उनकी जगह वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को वित्त मंत्रालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया था। उसके बाद जेटली की जगह पीयूष गोयल ने अंतरिम बजट पेश किया था।

हम आपको यह भी बता दें कि अरुण जेटली की 14 मई 2018 को किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी हुई थी और उसके बाद से वह घर से ही काम कर रहे थे। वह अपने मंत्रालय की बैठकों में भी ऑनलाइन शामिल होते थे और अत्यंत आवश्यक होने पर ही लोगों से मुलाकात करते थे क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें किसी से मिलने से मना किया हुआ था। ऐसे में राहुल गांधी का यह दावा कि अरुण जेटली उन्हें धमकाने गये थे ना सिर्फ सफेद झूठ है बल्कि देश के ईमानदार नेताओं में शुमार रहे व्यक्ति की छवि पर प्रहार भी है। देखा जाये तो राहुल गांधी कहने को तो कांग्रेस के लीगल कॉन्कलेव में बोल रहे थे लेकिन यहां बातें उन्होंने इल-लीगल कह दीं।

दूसरी ओर, राहुल के बयान पर भाजपा नेता तो पलटवार कर ही रहे हैं साथ ही स्वर्गीय अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने भी राहुल गांधी के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और दिवंगत नेता की स्मृति के प्रति अनादरपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा, मेरे पिता का 2019 में निधन हो गया था, जबकि कृषि कानून 2020 में पेश किए गए थे। राहुल गांधी का यह दावा समय-सीमा के हिसाब से असंभव है। रोहन ने यह भी कहा कि अरुण जेटली लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखते थे और कभी भी दबाव की राजनीति नहीं करते थे। रोहन ने कहा कि वह संवाद और सहमति निर्माण में विश्वास रखते थे। यदि कोई राजनीतिक मतभेद होता भी, तो वे खुली और रचनात्मक चर्चा के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करते थे। उन्होंने राहुल गांधी को चेतावनी दी कि दिवंगत नेताओं को राजनीतिक विवादों में न घसीटें।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5814

			7		9		2	
		9	2	1	6			5
5			8		4			
	6					4		
3	7			4			6	1
		2					5	
			9					3
7			3	8	5	2		
	3		4		1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खडी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5813

8	5	3	2	4	1	6	9	7
9	4	2	6	5	7	8	1	3
1	7	6	9	8	3	2	4	5
5	6	9	4	7	2	1	3	8
2	3	4	8	1	5	9	7	6
7	8	1	3	6	9	4	5	2
6	9	7	5	2	4	3	8	1
4	2	5	1	3	8	7	6	9
3	1	8	7	9	6	5	2	4

वर्ग पहेली 5814

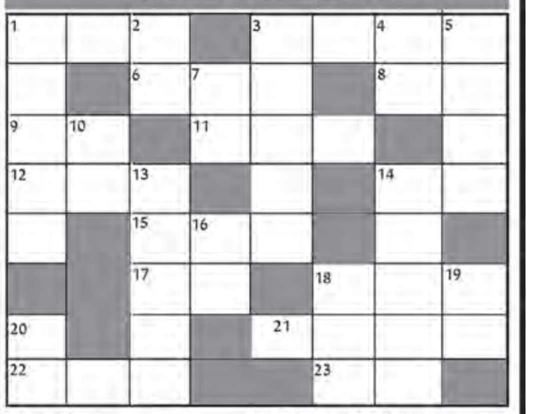

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1893 को अमेरिका में यहां विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद ने कट्टरता, सहिष्णुता और सभी धर्मो में निहित सच्चाई पर ऐतिहासिक भाषण दिया था (3)
3. भारत के दक्षिण-पश्चिम में एक द्वीप समूह जिसकी राजधानी माले है (4)
6. यह वृक्ष सबसे अधिक आक्सीजन देता है (3)
8. वह प्राणी जो पुरूष जाति का हो (2)
9. लगातार चलते रहने का क्रम (2)
11. भेजा गया, प्रस्थित (3)
12. एक प्रसिद्ध वाद्य जो शंकर भगवान को प्रिय था (3)
14. मुझे (मराठी) (2)
15. पालने वाला (3)
17. ग्राम, खेड़ा, छोटी बस्ती (2)
18. गुजरात के एक प्रधान नगरी जो हिंदू धर्म मानने वालों के चार धामों में से एक है (3)
21. काजल, अंजन (4)
22. क्रिकेट में गेंदबाजी की एक तकनीक (3)
23. पराग के कण, गर्द, धूल (2)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. शिव का प्रलय नाच (5)
2. ग्वालिन, गोपिका, छिपने वाला (2)
3. माल ढोने वाला, माल ले जाने वाला (5)
4. दयनीय अवस्था, गरीब, दरिद्र (2)
5. वह माला जो वधू द्वारा वर को गले मे पहनाई जाए (4)
7. पख, किंतु, लेकिन, डैना (2)
10. मनोविकार, दोष, परेशान, व्याकुल (2)
13. टीवी धारावाहिक महाभारत में द्रोपदी की भूमिका निभाने वाली लोकप्रिय कलाकार (5)
14. अहिरावण का एक द्वारपाल जो पुराणानुसार हनुमान का पुत्र माना गया है (5)
16. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (अंग्रेजी) (2)
18. इसे वैश्य युग कहा गया है (3)
19. कार्य, काम, बटन का घर (2)
20. वातग्रस्त से व्यक्ति, लंगड़ा, शक्तिहीन (2)

वर्ग पहेली 5813 का हल

गो	विं	द	व	ल्ल	भ	पं	त
द		वा	र		ला	ग	त
सू	ना		द	म		त	
नी	म		क्षि	ति	ज		जा
र		गु	णा		ल	कु	ट
ह	ला	ल		आ	दे	श	
जा		जा	वा		व		लौ
ना	ह	र		सु	ता	र	

आज का राशिफल

मेष
आज संयम के साथ काम करने से आपको सफलता मिलेगी। जो लोग राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े हुए हैं उन्हें अपने प्रयासों का अब शुभ परिणाम प्राप्त हो सकता है। शासन और सत्ता अच्छी दोस्ती या बातचीत होने से आपको लाभ मिल सकता है। कार्यस्थल नए प्रोजेक्ट हाथ लग सकते हैं, जिससे प्रतिष्ठा और पद में वृद्धि होगी। हालांकि, रात में कुछ ऐसे लोगों से मुलाकात हो सकती है।

वृष
आज दिन अच्छा रहने वाला है। अगर आपका कोई काम लंबे समय से बीच में अटका हुआ है, तो वह शाम के समय पूरा हो सकता है, जिससे मानसिक तनाव कम होगा। जीवनसाथी का भी आपको पूरा सहयोग प्राप्ति होगा। आर्थिक मामले में दिन सामान्य रहने वाला है। लेकिन संतान की ओर से कोई ऐसा समाचार मिल सकता है, जिससे मन थोड़ा परेशान रहेगा।

मिथुन
आज दिन भाग्यशाली रहने वाला है और पराक्रम में वृद्धि कराने वाला होगा। रोजगार और व्यापार के क्षेत्र में आपके द्वारा किए गए प्रयासों से अब बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। यह आपके अपेक्षा से ज्यादा हो सकती है। अगर किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब आपको जीत मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

तुला
आज दिन शुभ रहने वाला है। उत्तम संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में सफलता के नए मार्ग खुलने लगेंगे। साथ ही, समाज में भी आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार में कामकाज के सिलसिले में की गई यात्रा आपके लिए सुखद और लाभदायक हो सकती है। शाम के समय आप अपने प्रियजनों से मिल सकते हैं या उनसे जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

वृश्चिक
आज विरोधी आपके काम और रचनात्मक सोच की प्रशंसा करेंगे। शासन व सत्ता पक्ष से अच्छी जान पहचान और बातचीत होने से आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामले में आपको ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन का सहयोग मिल सकता है। शाम को आप किसी कार्यक्रम में भी शामिल हो सकते हैं। ऐसे में विवाद से बचें और सावधान रहें। ऐसे में अगर संभव हो तो अभी के लिए यात्राओं को टाल दें।

धनु
आज सूर्य कर्क राशि द्वादश भाव में है। इससे नौकरी में आपके लिए आमदनी के नए स्रोत बनने शुरू हो सकते हैं। वहीं, कार्यस्थल पर अपनी मधुर वाणी से आपको सम्मान प्राप्त होगा और मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, आपके विरोधी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। इस राशि के विद्यार्थियों को शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिल सकती है।

कर्क
आज आपको सावधान रहने की जरूरत होगी, अन्यथा कोई मूल्यवान वस्तु खोने या चोरी होने का डर बना रहेगा। अगर कार्यक्षेत्र में आपके जरूरी काम रुके हुए थे तो अब वे पूरे होने लगेंगे। आपको अपने प्रोजेक्ट से जुड़ा को शुभ समाचार भी सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। रात में किसी मांगलिक कार्य में जाने की संभावना है।

सिंह
आज दिन बेहतर रहने वाला है। आपके चारों और खुशहाली भरा वातावरण बना रहेगा। आर्थिक मामलों में अगर कई दिनों से पैसों की लेन-देन को लेकर समस्या चल रही थी तो अब वह हल हो सकती है। इससे आपको अब पर्याप्त मात्रा में धन लाभ भी होगा और सुख में वृद्धि होगी। व्यापार में किसी पास या दूर की यात्रा की योजना बनकर स्थगित हो सकती है।

कन्या
आज पराक्रम में वृद्धि होगी। जरूरी मामलों में परिवार का भी पूरा सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार करने वालों को अपने आसपास के छोटे-छोटे अवसरों को भी पहचानना होगा। बड़े मुनाफे के चक्कर में छोटे लाभों को हाथ से जाने देना नुकसानदायक हो सकता है। सेहत पर भी खास ध्यान देने की जरूरत है।

मकर
आज दिन अच्छा रहने वाला है। आर्थिक मामलों में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है और कार्यक्षेत्र में नए प्रोजेक्ट और प्रयास उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर आपको सहकर्मियों की ओर से भी पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। लेकिन शाम के समय किसी भी विवाद या झगड़े से आपको दूर रहना होगा। पारिवारिक जीवन में भी खुशियां दस्तक दे सकती हैं।

कुंभ
आज आपको अपने ससुराल पक्ष से पैसों की लेन-देन करने से बचना होगा। ऐसा करने से संबंध खराब होने का भय बना रहेगा। व्यापार से जुड़ी यात्राओं में सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा को मूल्यवान वस्तु खोने की संभावना है। ऐसे में अगर संभव हो तो अभी के लिए यात्राओं को टाल दें। आपका ज्यादा समय संतान की चिंता और उनके कामों में व्यतीत हो सकता है और दांपत्य जीवन में धीरे-धीरे खुशियां आएंगी।

मीन
आज कार्यक्षेत्र में आपको विरोधियों से सावधान रहना होगा। वे आपके खिलाफ कोई रणनीति बना सकते हैं। साथ ही, आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल नहीं रहेगा। ऐसे में कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें और जोखिम भरे निर्णय लेने से बचें। कार्यस्थल पर मेहनत के बाद भी आपको नुकसान हो सकता है। व्यापार में किसी समाचार के चलते आपको अचानक यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

क्लब चलाना कठिन रहा...

बेंगलुरु एफसी ने उठाया बड़ा कदम, सुनील छेत्री को भी नहीं मिलेगी सैलरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग क्लब बेंगलुरु एफसी ने एक मुश्किल फैसला लेते हुए सुनील छेत्री समेत अपने सभी प्लेयर्स की सैलरी को रोक दिया है. क्लब ने इसको लेकर एक आधिकारिक बयान जारी किया और बताया कि वह खिलाडियों और सपोर्ट स्टाफ को कुछ समय के लिए सैलरी नहीं देंगे. क्लब ने एआईएफएफ और एफएसडीएल से गतिरोध को जल्द से जल्द खत्म करने का आग्रह करते हुआ कहा कि भारतीय फुटबॉल के भविष्य के लिए इसका शीघ्र समाधान बेहद ज़रूरी है.

बेंगलुरु एफसी ने अपने बयान में कहा, इंडियन सुपर लीग सीज़न के भविष्य की अनिश्चितता को देखते हुए, बेंगलुरु फुटबॉल क्लब ने प्रथम टीम के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सैलरी को अनिश्चित काल के लिए निलंबित करने का एक बेहद कठिन फैसला किया है.

भारत में एक फुटबॉल क्लब को चलाना और उसे बनाए रखना हमेशा से एक कठिन काम रहा है, जिसे हमने हर सीज़न में पूरा किया है. हालांकि, लीग के भविष्य को लेकर स्पष्टता की कमी के कारण हमारे पास यह कदम उठाने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं था. हमारे प्लेयर्स, सपोर्ट स्टाफ और उनके परिवारों का भविष्य और कल्याण हमारे लिए सबसे जरुरी है, और हम समाधान की प्रतीक्षा में उनके संपर्क में हैं.

कॉमनवेल्थ गेम्स: राष्ट्रमंडल खेल टीम करेगी अहमदाबाद का दौरा, 2030 की मेजबानी हासिल करने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी। यह दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेल अधिकारियों का एक दल मंगलवार से तीन दिन के लिए अहमदाबाद का दौरा करेगा।

यह दल आयोजन स्थलों का निरीक्षण करेगा और गुजरात सरकार के अधिकारियों से मुलाकात करेगा क्योंकि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की संभावनाएं बढ़ रही हैं। यह दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया, हां, राष्ट्रमंडल खेल (जिसे पहले राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के नाम से जाना जाता था) की एक टीम नयी दिल्ली में है और पांच से सात अगस्त तक अहमदाबाद का दौरा करेगी।

मेहमान दल ने यहां भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अधिकारियों से मुलाकात की। अधिकारी ने कहा, राष्ट्रमंडल खेल का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल इस महीने के अंत में दौरा करेगा। पिछले महीने कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। भारत ने 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए आशय पत्र सौंपा है और अहमदाबाद को मेजबान शहर चुना गया है। देश को 31 अगस्त की समय सीमा से पहले अंतिम बोली के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा।

पहली परीक्षा में डर खत्म, इंग्लैंड दौरे पर नहीं खली रोहित-विराट की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 45 दिन के क्रिकेट में भारतीय टीम ने जबरदस्त खेल दिखाया। सीरीज के स्कोरलाइन 2-2 से 5 टेस्ट मैचों का आकलन शायद शुभमन गिल की टीम के साथ नाइंसाफी होगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम इस सवाल के साथ पहुंची थी कि वह सीरीज 0-4 से हारेगी या 0-5 से क्लीन स्वीप का सामना करेगी। 20 जून को जब दौरे की शुरुआत हुई तो किसी ने नहीं सोचा था कि 4 अगस्त को जब सीरीज का समापन होगा तब ओवल स्टेडियम बेन स्टोक्स के साथ शुभमन गिल ट्रॉफी उठाते दिखेंगे। सीरीज में साफ हो गया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्जवल है। 45 दिन के क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने जबरदस्त खेल दिखाया। सीरीज के स्कोरलाइन 2-2 से 5 टेस्ट मैचों का आकलन शायद शुभमन गिल की टीम के साथ नाइंसाफी होगी। तेंदुलकर-एंडरसन सीरीज को मैनचेस्टर टेस्ट मैच के आखिरी दिन के पलों से आंकना चाहिए। जब बेधड़क क्रिकेट खेलने का दंभ भरने वाले बेन स्टोक्स मैच ड्रॉ समाप्त करने के लिए रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के आगे गिड़गिड़ाए थे।

भारतीय टीम का रहा दबदबा: भारत-इंग्लैंड 5 मैचों की टेस्ट सीरीज को लॉर्ड्स में तीसरे दिन के अंत में आउट होने के डर से जैक क्रॉली और बेन डकेट मैदान पर लेट उतरने से आंकना चाहिए। स्टोक्स के दोनों ओपनर जैसे-तैसे समय बर्बाद करके विकेट बचाने की कोशिश में लगे थे। इस रिकॉर्ड से भापना चाहिए कि टॉप 5 सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में 3 भारतीय हैं। 21 में से 12 शतक भारतीय बल्लेबाजों ने लगाए हैं। इस सीरीज को ओवल में 30 रन के अंदर 5 विकेट लेकर अंग्रेजों के जबड़े से जीत छीनने के लिए याद रखना चाहिए।

गिल को कप्तानी पर काम करने की जरूरत

भारत ने यह सीरीज 2-2 से बराबर कर ली, लेकिन कप्तान के तौर पर शुभमन गिल को बहुत काम करने की जरूरत है। गिल ने कई बार साधारण फैसले किए। उन्होंने सीरीज में कई बार मैच को हाथ से निकलने दिया। वह कई आउट ऑफ आइडिया दिखे। गिल की कप्तानी की सबसे बड़ी कमी रही चौथे गेंदबाज का इस्तेमाल न करने जिद। वह तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों पर काफी निर्भर दिखे। अंग्रेज बल्लेबाजों को आसानी से रन बनाने का मौका देकर हावी होने दिया। हालांकि, कप्तान के तौर पर गिल की यह पहली सीरीज थी। उन्हें वक्त के साथ इन कमियों पर काम करना होगा।

क्यों सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही: भारतीय टीम का दबदबा होने के बाद भी सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही क्योंकि अहम मौकों पर शुभमन गिल की टीम ने काफी साधारण प्रदर्शन किया। लीड्स टेस्ट में 5 शतक लगाने के बाद भी टीम हार गई। इस मैच में फील्डिंग ने निराश किया। 7 कैच टपकाकर बंटाधार हुआ। रही सही कसर दूसरी पारी में गेंदबाजी ने पूरी कर दी। 371 रन के लक्ष्य के जवाब में जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 188 रन की साझेदारी की। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए।

लॉर्ड्स में दबाव नहीं झेल पाई भारतीय टीम: इसके बाद भारतीय को लॉर्ड्स में हार मिली। भारतीय टीम पहली पारी में बढ़त हसिल करने से चूक गई। पहली पारी में उसने 11 रन के अंदर 4 विकेट गंवाए। 193 रन लक्ष्य के जवाब में वह दबाव नहीं झेल पाई। बेन स्टोक्स की करिशमाई गेंदबाजी के आगे टॉप ऑर्डर का कोई भी बल्लेबाज डटकर नहीं खेल सका। रविंद्र जडेजा ने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन 22 रन से हार का समाना करना पड़ा।

यह कमी करनी होगी दूर: भारतीय टीम के पास विश्व क्रिकेट पर राज करने की क्षमता है। इसके लिए उसे ऑलराउंडर्स के मोह से निकलना होगा। बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए गेंदबाजी से समझौता करना ठीक नहीं है। ऐसे एप्रोच से नतीजा यही होगा। भारतीय टीम को कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए थे। वह लीड्स, एजबेस्टन और लॉर्ड्स में परिस्थितियों का फायदा उठा सकते थे। मैनचेस्टर में भी वह इंग्लैंड को बल्लेबाजों को परेशान करते। बल्लेबाजी में नंबर 3 कमजोरी है। साई सुदर्शन और करुण नायर प्रभावित नहीं कर पाए। इस कमजोरी को भी जल्द से जल्द दूर करना होगा।

बैंच पर बैठे रह गए ये 3 दिग्गज, नहीं मिला इंग्लैंड दौरे में एक भी टेस्ट खेलने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को 2-2 से ड्रॉ पर खत्म किया. मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की घातक गेंदबाजी और शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने आखिरी टेस्ट 6 रन से जीता और सीरीज को बराबरी पर खत्म किया, लेकिन इस पूरी सीरीज में भारतीय स्क्वॉड के कुछ ऐसे चेहरे भी थे जो लगातार टीम के साथ रहे, नेट्स में पसीना बहाया, लेकिन प्लेइंग इलेवन में एक भी मौका नहीं मिला.

अभिमन्यु ईश्वरन, हर बार निराशा

बंगाल के भरोसेमंद बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन सालों से इंडिया 'ए' के साथ दौरे कर रहे हैं. उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाया है और इंडिया‌ के कप्तान के रूप में विदेशों में शानदार प्रदर्शन भी किया है. 2022 में उन्हें पहली बार टीम इंडिया की टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन अब तक उनके डेब्यू का इंतजार जारी है. इंग्लैंड दौरे पर भी वह बतौर रिजर्व ओपनर टीम में थे, मगर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के अच्छे फॉर्म ने उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं छोड़ी.

कुलदीप यादव को भी नहीं मिली जगह

रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की स्पिन जोड़ी ने पूरा सीरीज में गेंदबाजी की, लेकिन कुलदीप यादव जैसे अनुभवी चाइनामैन स्पिनर को एक भी मैच में मौका नही मिला. रविचंद्रन अश्विन के बाहर रहने के बावजूद कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ने कुलदीप की अनदेखी की. हर मैच से पहले उम्मीद की जाती थी कि इस बार कुलदीप को मौका मिलेगा, लेकिन हर बार उनकी जगह किसी और को टीम में शामिल किया गया. क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर कुलदीप को खेलने का मौका मिलता, तो सीरीज भारत के पक्ष में झुक सकती थी.

● अर्शदीप सिंह का डेब्यू का इंतजार जारी

सीनियर पेसर जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत तीन टेस्ट खेलने थे. ऐसे में उम्मीद थी कि अर्शदीप सिंह को टेस्ट डेब्यू करने का मौका मिलेगा, लेकिन टीम कॉम्बिनेशन और पिच की परिस्थितियों के कारण उन्हें भी पूरे दौरे में बेंच पर बैठना पड़ा. बाएं हाथ के इस युवा तेज गेंदबाज की प्रतिभा किसी से छिपी नहीं है, लेकिन अर्शदीप ओवल में आखिरी टेस्ट तक इंतजार करते रह गए. नारायण जगदीशन भी इस लिस्ट में हो सकते हैं. हालांकि उन्हें केवल आखिरी टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया गया था, लेकिन पंत की चोट के चलते ध्रुव जुरेल को बतौर विकेटकीपर टीम में शामिल कर लिया गया और उनका इस्तेमाल नहीं किया गया.

नेशनल बैंक ओपन:

मबोको का सेमीफाइनल में सामना रिबाकिना से, ज्वेरेव गत विजेता पोपिरिन को हराकर अंतिम-चार में

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका एंड्रीस्कू के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं। वह टोरंटो में 2015 में बेलिंडा बेनकिच के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी भी हैं।

मबोको का सामना अब एलेना रिबाकिना से होगा, जिन्होंने मार्टा कोस्त्युक के हाथ में चोट लग जाने के कारण मैच के बीच में हट जाने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूक्रेन की खिलाड़ी ने जब मैच से हटने का फैसला किया तब कज़ाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त रिबाकिना 6-1, 2-1 से आगे चल रही थी।

ज्वेरेव पोपिरिन को हराकर सेमीफाइनल में

शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला रूस के कारेन खाचानोव या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा।

प्रो पंजा लीग: 2025

सीजन 2 में नई टीम और शोकेस बाउट से बढ़ेगा रोमांच

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो पंजा लीग 2025 का दूसरा सत्र मंगलवार (5 अगस्त) से मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शुरू होगा। इससे पहले सोमवार (4 अगस्त) को जिवाजी क्लब में दूसरे सत्र की शुरुआत का ऐलान हुआ। सीजन 2 का रोमांच छठी फ्रेंचाइजी एमपी हथौड़ाजके जुड़ने से लीग का रोमांच और बढ़ेगा। इसके लिए 70 किलो वेट कैटेगरी में 2 शोकेश बाउट का भी ऐलान हुआ। आइए जानते हैं टूर्नामेंट के फॉर्मेट, वेन्यू, टीमें और लाइव स्ट्रीमिंग समेत अन्य जानकारी-

टूर्नामेंट के फॉर्मेट की बात करें तो एक वेट कैटेगरी में दो खिलाड़ियों के बीच बाउट्स होते हैं। इन बाउट्स में खिलाड़ियों को पिन हासिल करने यानी राउंड जीतने होते हैं। पुरुष और महिला दोनों वर्ग में बाउट्स तय वेट कैटेगरी में होते हैं। दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए भी अलग श्रेणी है। लीग प्रारूप के बाद सेमीफाइनल होगा। फिर फाइनल में विजेता तया होगा।

प्रो पंजा लीग 2025 में 5 अगस्त से 21 के बीच 17 दिन में 30 मैच होंगे। 4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। विजेताओं का मुकाबला फाइनल में होगा।

'मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है', ओवल में इंग्लैंड पर जीत के बाद मोहम्मद सिराज हुए भावुक

नई दिल्ली, एजेंसी। यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं। हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी। मोहम्मद सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर की।

सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी।

मुझे जस्सी भाई की याद आती है: सिराज

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में भावुक सिराज ने कहा, 'हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है, क्योंकि अगर वह यहां होते तो यह और खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है।' जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रूक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नजर आए। उन्होंने सोमवार सुबह के सत्र में जो भी गेंदें फेंकी उसने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया।

शब्दों में बयां नहीं कर सकता भावनाएं: सिराज

मोहम्मद सिराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इस समय (जीत के बाद) जो भावनाएं मेरे अंदर हैं, मैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि कल (रविवार को) मैंने कैच छोड़ दिया था। जब मैं (चौथे दिन के बाद) सोने जा रहा था, तो मैं बस यही सोच रहा था कि मैंने ऐसा कैसे कर दिया।' मोहम्मद सिराज ने कहा, 'अगर मैंने वह कैच ले लिया होता, तो हमें सोमवार को मैदान पर आकर खेलने की जरूरत नहीं पड़ती। हम आराम कर रहे होते। लेकिन ऊपर वाले ने हमारे लिए कुछ और ही सोच रखा था। वह हमें सोमवार को स्टेडियम तक ले आया और नतीजा सबके सामने है।

नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता और विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने यह जानकारी दी।

38 साल के सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने गैर-चिकित्सीय कारणों के चलते टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। जोकोविच ने कमर की चोट का हवाला देते हुए टोरंटो में कैनेडियन मास्टर्स से हटने का फैसला किया था। उन्होंने लगातार दूसरी बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से भी बाहर रहने का फैसला किया था। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, तीन बार के चैंपियन का एटीपी मास्टर्स 1000 में 45-12 का टूर्नामेंट रिकॉर्ड है। इस आयोजन में अपनी सबसे हालिया उपस्थिति में, उन्होंने 2023 के एक शानदार फाइनल में कार्लोस अल्काराज को 5-7, 7-6(7), 7-6(4) से हराकर जीत हासिल की थी। जोकोविच का इस सीजन में रिकॉर्ड 26-9 है, इसी साल उन्होंने मई में जिनेवा में अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से उन्होंने सिर्फ दो इवेंट खेले हैं।

वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे, लेकिन दोनों ही मेजर टूर्नामेंट में जैनिक सिनर से हार गए। जोकोविच का अगला मुकाबला यूएस ओपन में होगा, जहां मुख्य ड्रॉ मुकाबले 24 अगस्त से शुरू होंगे। वह अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में हैं, जो पुरुष और महिला एकल में मिलाकर एक सर्वकालिक रिकॉर्ड स्थापित करेगा, और महिला वर्ग में मार्गरेट कोर्ट के वर्तमान रिकॉर्ड की बराबरी कर लेगा। इस बीच, जैनिक सिनर सिनसिनाटी ओपन पहुंच गए हैं, जहां उनका लक्ष्य ओहायो में होने वाले एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपने खिताब का बचाव करना होगा। 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी 2025 में अपनी पहली मास्टर्स 1000 ट्रॉफी जीतने की कोशिश में हैं। इस आयोजन में सिनर के साथ अलेक्जेंडर ज्वेरेव, टेलर फ्रिट्ज और कार्लोस अल्काराज भी शामिल होंगे, जो विंबलडन फाइनल में सिनर से हार गए थे। सिनसिनाटी ओपन गुरुवार से शुरू हो रहा है और 2025 में एक बड़े बदलाव से गुजरा है। यह अब दो हफ्ते का, 96 खिलाड़ियों वाला इवेंट बन गया है, जो 260 मिलियन अमेरिकी डॉलर के कैंपस नवीनीकरण के साथ हो रहा है। इस विस्तार का मकसद नए कोर्ट जोड़कर खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के अनुभव को बेहतर बनाना है। फाइनल 18 अगस्त को खेला जाएगा।

न्यूज बाइट्स

पिकअप ने बाइक में मारी टक्कर, पति-पत्नी जख्मी

ओबरा (औरंगाबाद) (नि.सं.)। एक तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। इसके कारण बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से गिर कर जख्मी हो गए। घायलों में रोहतास के बघैला थाना क्षेत्र के छनहा गांव निवासी शिवपूजन सिंह के बेटे बबलू कुमार व बबलू कुमार की पत्नी रिंकी कुमारी शामिल है। घटना औरंगाबाद-पचरुखिया मुख्य पथ स्थित ओबरा प्रखंड के बेल मोड़ के पास की है। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान घायल बबलू ने बताया कि उसकी पत्नी रिंकी सदर अस्पताल में ही जीएनएम स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत है। वह औरंगाबाद शहर में ही किराए पर रूम लेकर रहती है। मंगलवार की सुबह दोनों पति-पत्नी बाइक पर सवार होकर विभागीय काम से संबंधित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोह गए हुए थे। विभागीय कागजात का काम खत्म होने के बाद दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर वापस औरंगाबाद लौट रहे थे। जैसे ही ओबरा प्रखंड के बेल मोड़ के पास पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार बेकाबू पिकअप ने टक्कर मार दिया। पिकअप की टक्कर से बाइक बेकाबू हो गई और दोनों पति-पत्नी सड़क किनारे चार्ट में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल पर स्थानीय लोगों के भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने दोनों घायल पति-पत्नी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओबरा पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों पति-पत्नी की स्थिति गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

एक देवकुंड मंदिर परिसर से दो अपराधी देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। देवकुंड थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अपराधकर्मियों को एक देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी देवकुंड मंदिर परिसर से की गई, जहां दोनों संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाए गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर देवकुंड थाना की टीम ने विशेष निगरानी अभियान चलाया। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद दो युवकों की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं। जब पुलिस ने उन्हें रोककर तलाशी ली, तो उनके पास से एक देसी पिस्टल बरामद हुआ। गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों से पूछताछ जारी है।

परिवार में इकलौता कमाने वाला था, परिजनों में मचा कोहराम

करंट लगने से युवक की हुई मौत

निज संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

जिले के मदनपुर प्रखंड के दक्षिणी उमगा पंचायत अंतर्गत मुंशी बिगहा गांव में सोमवार की देर रात एक हृदयविदारक हादसे में 22 वर्षीय युवक आशिक भुंइया की मौत हो गई। युवक की मौत करंट लगने से हुई, जो गांव के रास्ते में गिरे एक हाईटेंशन तार के संपर्क में आने से हुआ। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया और परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के संबंध में मृतक के पिता गणेश भुंइया ने बताया कि उनका बेटा आशिक सोमवार की रात करीब 11 बजे घर से शौच के लिए निकला था। रास्ता अंधेरे में डूबा था और बारिश के कारण पहले से ही जमीन गीली थी। इसी दौरान वह एक टूटे हुए हाईटेंशन तार पर पैर रख बैठा, जो पहले से ही रास्ते में गिरा पड़ा था। करंट लगते ही वह मौके पर ही बुरी तरह झुलस गया। गांव वालों ने जब चिंगारी और चीख सुनकर दौड़ लगाई, तो देखा कि आशिक जमीन पर पड़ा हुआ है और उसके शरीर से धुआं उठ रहा है।

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बिजली कनेक्शन को किसी तरह काटा और युवक को करंट की चपेट से छुड़ाया। इसके बाद परिजन तुरंत उसे मदनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे सदर अस्पताल औरंगाबाद रेफर कर दिया। लेकिन अफसोस की बात यह रही कि रास्ते में ही उसकी सांसें थम गईं। परिजनों के अनुसार, आशिक भुंइया दो भाइयों में बड़ा था और मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी शादी दो साल पहले हुई थी और दो माह का एक छोटा बेटा भी है। घर में वह ही कमाने वाला अकेला सदस्य था। उसकी असामयिक मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। पत्नी और माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय जिला परिषद सदस्य शंकर यादवेंदु मृतक के घर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जिले में आए दिन करंट से मौतें हो रही हैं, लेकिन विभाग चेत नहीं रहा है।

अलग-अलग जगहों से दो शव बरामद

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में दो अलग-अलग जगहों से 2 शव मिले हैं। मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। शिनाख्त के लिए 72 घंटे तक डेड बॉडी सुरक्षित रखी जाएगी। आसपास के थानों से संपर्क किया गया है। पहला मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र का है। सोमवार की देर रात पुलिस को पांडेयपुर नहर के पास एक युवक के बेहोशी की हालत में पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस की गश्ती दल मौके पर पहुंची। युवक को सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत की आशंका है। हालांकि अभी इसकी दूसरा मामला ओबरा थाना क्षेत्र का है। नवनेर मोड़ पास बड़की नहर मार्ग से अज्ञात बुजुर्ग का शव मिला है। उम्र 60 वर्ष के करीब है। शरीर पर कहीं भी चोट या दाग के निशान नहीं है। मौके से एक शॉल मिला है। बीमारी से मौत की आशंका है।

पोस्टमार्टम के बाद पहचान के लिए दोनों शवों को थाने में सुरक्षित रखा गया है। 72 घंटे तक पहचान नहीं होने के बाद पुलिस सरकारी प्रावधान के अनुरूप शव का अंतिम संस्कार कराएगी। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। सोशल मीडिया का भी सहारा लिया जा रहा है।

बाइक सवार ने दो स्कूली बच्चियों को मारी टक्कर, घायल

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। शहर के शाहपुर स्थित भोला साव मंदिर के समीप मंगलवार की सुबह साढ़े सात बजे अनियंत्रित बाइक सवार ने स्कूल जाने के लिए सड़क के किनारे खड़ी दो बच्चियों को टक्कर मार कर फरार हो गया। आनन फानन में बच्चियों को स्कूल के एक शिक्षक के द्वारा इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों के द्वारा दोनों बच्चियों का इलाज किया गया। दोनों बच्चियों की पहचान शाहपुर के ही विनोद साव के पांच वर्षीय पुत्री सोनम तथा पिंटू साव की 8 वर्षीय पुत्री परी के रूप में की गई है। सदर अस्पताल पहुंचे परिजनों ने बताया कि दोनों बच्चियों मुहल्ले के ही एक निजी विद्यालय में पढ़ती है और विद्यालय जाने के लिए सड़क पर खड़ी थी। तभी एक बाइक सवार दोनों को टक्कर मारकर भाग निकला।

मामला महिलाओं को 2500 रुपये प्रतिमाह देने की योजना का वीडियो से जुड़ा

राहुल, प्रियंका, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम एवं विधायक आनंद शंकर पर भाजपा कार्यकर्ता ने दर्ज कराई एफआईआर

- इस मामले में नगर थाना, में एफआईआर संख्या 479/25 दर्ज की गई है

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो को लेकर औरंगाबाद में राजनीतिक भूचाल आ गया है। कथित रूप से महिलाओं को हर माह 2500 रुपये देने की बात कहे जाने वाले वीडियो के वायरल होने के बाद नगर थाना में दर्ज एफआईआर संख्या 479/25 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, बिहार के सदर विधायक आनंद शंकर सिंह और कुटुंबा विधायक राजेश राम को अभियुक्त बनाया गया है। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 352/79, 318(4) और आईटी एक्ट 2000 की धारा 67 के तहत दर्ज हुआ है, जिसकी जांच पीएसआई समीर कुमार सिंह को सौंपी गई है।

प्राथमिकी में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कुटुंबा विधायक व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, औरंगाबाद सदर विधायक आनंद शंकर सिंह समेत उन सभी अज्ञात को अभियुक्त बनाया गया है जो विडियो में दिख रहे हैं तथा जिनकी आवाज में विडियो रिकॉर्ड है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस वीडियो के जरिये महागठबंधन नेताओं की छवि का इस्तेमाल कर एक झूठी सरकारी योजना का प्रचार किया जा रहा है, जबकि वास्तव में ऐसी कोई योजना सरकार द्वारा चलाई ही नहीं जा रही है।

यह महागठबंधन का प्रस्तावित मेनिफेस्टो : आनंद शंकर सिंह

इस गंभीर आरोप पर सदर विधायक आनंद शंकर सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'जिस योजना की बात वीडियो और प्राथमिकी में की जा रही है, वह महागठबंधन के प्रस्तावित मेनिफेस्टो का हिस्सा है। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने घोषणापत्र का प्रचार-प्रसार करते हैं। मगर हमारे विरोधियों-विपक्षियों द्वारा इसे तोड़-मरोड़कर, ओछी राजनीति के तहत चुनाव पूर्व एक मुद्दा बनाया जा रहा है, जो कहीं से भी उचित नहीं है।' उन्होंने आगे कहा कि प्रचार करना किसी भी दल का लोकतांत्रिक अधिकार है, और किसी घोषणापत्र को 'फर्जी योजना' कहकर जनता को गुमराह करना भाजपा की रणनीति का हिस्सा है। नगर थाना पुलिस ने इस मामले में प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। साथ ही, वायरल वीडियो के सोर्स, वितरण नेटवर्क और जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान के लिए साइबर सेल को भी सतर्क किया गया है।

क्या है वीडियो विवाद?

प्राथमिकी दर्ज कराने वाले भाजपा कार्यकर्ता और पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह के प्रतिनिधि मृत्युंजय कुमार सिंह ने बताया कि दिनांक 4 अगस्त को उन्होंने अपने मोबाइल नंबर पर एक व्हाट्सएप स्टेटस में वीडियो देखा, जिसमें एक मस्जिद की तस्वीर, एक युवक की आवाज, और महिलाओं से "योजना फार्म" भरने की अपील की गई थी। वीडियो में युवक कहता है : "औरंगाबाद की माँ-बहनों को हर माह 2500 मिलेगा... चाहे गोरी हो या काली-कलूटी, हर लड़की इस फार्म को भर सकती है।" शिकायतकर्ता का आरोप है कि वीडियो में दिखाई देने वाले फॉर्म पर कांग्रेस नेताओं की तस्वीरें हैं और इस प्रकार की भ्रामक और अपमानजनक भाषा के जरिये जनता को धोखा, चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास और महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाई जा रही है।

पुलिस ने देसी कट्टा और हथियारों के जखीरे के साथ एक बुजुर्ग को किया गिरफ्तार

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

पुलिस ने एक 57 साल के बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है, जिसके घर से न सिर्फ एक देसी कट्टा (देसी थर्नेट) बल्कि दो लोहे के बैरल जैसे संदिग्ध उपकरण भी बरामद हुए हैं। पुलिस को शक है कि बुजुर्ग इन हथियारों के निर्माण या मरम्मत के काम में भी शामिल हो सकता है। यह कार्रवाई सोमवार रात औरंगाबाद पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने हसपुरा थाना क्षेत्र के बखतियारपुर गांव में की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव के गिरजा पासवान नामक बुजुर्ग के घर में अवैध हथियार रखे हुए हैं। सूचना मिलते ही टीम ने बिना देर किए छापेमारी की योजना बनाई। जब पुलिस ने गिरजा पासवान के घर पर छापा मारा, तो वहां का नजारा हैरान करने वाला था। पुलिस को एक देसी थर्नेट के अलावा दो लोहे के पाइप मिले, जो आमतौर पर हथियारों के बैरल बनाने में इस्तेमाल होते हैं। इसके साथ ही, दो लोहे के लीवर भी बरामद हुए। पुलिस का मानना है कि ये सभी उपकरण अवैध हथियारों के निर्माण से संबंधित हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हसपुरा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि गिरजा पासवान इन हथियारों का इस्तेमाल किसलिए करता था और कहीं वह किसी बड़े आपराधिक गिरोह का हिस्सा तो नहीं। बुजुर्ग की उम्र को देखते हुए यह मामला और भी गंभीर हो जाता है।

औरंगाबाद के पूर्व जिलाधिकारी राजकेश्वर राम का निधन

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। जिले के पूर्व जिलाधिकारी राजकेश्वर राम का सोमवार को झारखंड के हजारीबाग स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वे 82 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की सूचना से जिले में शोक की लहर फैल गई है। वे अपने पीछे पांच पुत्रों और एक पुत्री को छोड़ गए हैं। उनकी पत्नी का निधन पहले ही हो चुका था। यह जानकारी उनके पुत्र एवं देव प्रखंड के कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार शैलेन्द्र ने दी। राजकेश्वर राम भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी रहे। वे 3 जुलाई 1998 से 13 जून 2000 तक औरंगाबाद जिले के जिलाधिकारी के पद पर रहे।

एनएच-139 पर नो पार्किंग जोन घोषित, ट्रकों की अनियमित पार्किंग पर लगेगा विराम

- श्री सीमेंट फैक्ट्री के आगे 750 मीटर क्षेत्र में लागू हुआ आदेश, जाम और दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु उठाया गया कदम
- आदेश के अनुसार, अब वहां कोई भी वाहन खड़ा पाया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहरवासियों को जाम और दुर्घटनाओं से राहत देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। अदालती आदेश के अनुपालन में औरंगाबाद जिला परिवहन विभाग ने नेशनल हाईवे 139 (जोसाईया मोड़ से श्री सीमेंट फैक्ट्री के आगे तक) के एक हिस्से को नो पार्किंग जोन घोषित कर दिया है। यह निर्णय 24 जुलाई 2025 को आयोजित एक विशेष बैठक के दौरान लिया गया। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि श्री सीमेंट फैक्ट्री के आगे करीब 750 मीटर क्षेत्र में सड़क के किनारे अनावश्यक रूप से खड़े ट्रक लगातार जाम की समस्या उत्पन्न कर रहे हैं। इससे आम लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। परिवहन विभाग द्वारा जारी पत्रांक के अनुसार, यह क्षेत्र अब नो पार्किंग जोन रहेगा।

इस आदेश के बाद यदि कोई वाहन उस क्षेत्र में खड़ा पाया गया, तो उसके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय न केवल यातायात को सुचारू बनाने के लिए लिया गया है, बल्कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भी लागू किया गया है।

जमीन विवाद को लेकर बाप-बेटे पर हमला, सदर अस्पताल में भर्ती

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

जिले के बनाही गांव में मंगलवार को जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई, जिसमें एक ही परिवार के बाप-बेटा गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मियों की पहचान 57 वर्षीय मो. यूनुस और उनके 34 वर्षीय पुत्र अफरोज के रूप में हुई है। दोनों को गंभीर हालत में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में मो. यूनुस ने बताया कि वे अपने निजी खेत की ट्रैक्टर से जुताई कर रहे थे, तभी पाटीदार पक्ष के लोग वहां पहुंचे और लाठी-डंडे व धारदार हथियार से हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि उक्त जमीन उनकी पुश्तैनी है, लेकिन दूसरे पक्ष द्वारा जबरन कब्जा करने की कोशिश की जा रही थी। इससे पहले भी खेत जोतने को लेकर उन्हें धमकी दी गई थी। हमले में बुरी तरह घायल होने के बाद दोनों को पहले रफीगंज अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इधर दूसरे पक्ष के लोगों को भी मामूली चोटें आई हैं, जिनका इलाज स्थानीय निजी क्लिनिक में कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर पौथु थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है। अब तक किसी भी पक्ष से आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। जैसे ही फर्द बयान या आवेदन प्राप्त होगा, आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नबीनगर में खुलेगा डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय, 720 छात्रों के लिए बनेगा अत्याधुनिक कैंपस

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)।

औरंगाबाद जिले के नबीनगर प्रखंड में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि जुड़ने जा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में नबीनगर में 720 सीटों वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। इस परियोजना पर कुल 65 करोड़ 80 लाख 11 हजार रुपये खर्च होंगे। यह आवासीय विद्यालय सामाजिक न्याय और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

विद्यालय में 720 छात्रों के लिए आधुनिक आवासीय भवन, कक्षाएं, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, खेल-कूद एवं अन्य सह-पाठयक्रम गतिविधियों की व्यवस्था की जाएगी। इसका उद्देश्य छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक वातावरण उपलब्ध कराना है। स्थानीय लोगों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के बच्चों के लिए एक सुनहरा अवसर बताया है। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को अब अच्छी शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि वे अपने ही इलाके में रहकर उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

इस मौके पर औरंगाबाद के पूर्व सांसद एवं नबीनगर के पूर्व विधायक वीरेंद्र कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई देते हुए कहा कि यह निर्णय मुख्यमंत्री की सर्वजन हितैषी सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह विद्यालय भी इसी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

पूर्व सांसद ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने हर वर्ग के उत्थान के लिए योजनाएं लागू की हैं और यही कारण है कि जनता का भरोसा उन पर लगातार बना हुआ है। उन्होंने आशा जताई कि यह विद्यालय नबीनगर को शैक्षणिक हब के रूप में विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा। डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर स्थापित होने वाला यह विद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि सामाजिक समरसता और प्रगतिशील मूल्यों को भी बढ़ावा देगा। स्थानीय प्रशासन द्वारा शीघ्र भूमि चयन और निर्माण कार्य शुरू करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

कुटुंबा में 441.79 एकड़ भूमि पर बनेगा बड़ा औद्योगिक केंद्र, विकास को मिलेगी नई रफ्तार

- सड़क, बिजली, पानी और डिजिटल नेटवर्किंग को मिलेगा बढ़ावा
- ग्रामीणों ने कहा कि यह केंद्र न सिर्फ कुटुंबा, बल्कि पूरे औरंगाबाद को आर्थिक पुनर्जागरण की ओर ले जाएगा।

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

जिले के कुटुंबा प्रखंड को राज्य सरकार से बड़ी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने मंगलवार को बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) के तहत 441.79 एकड़ जमीन पर एक बड़ा औद्योगिक केंद्र बनाने की मंजूरी दी है। इसके लिए सरकार ने तैयारियों को स्वीकृति देते हुए कुल 2 अरब 84 करोड़ 28 लाख 24 हजार रुपये की वित्तीय अनुमोदन भी कर दी। इस औद्योगिक केंद्र के निर्माण से न सिर्फ कुटुंबा—बगाड़ी, बल्कि पूरे मगध प्रमंडल में निवेश और उद्योगों को खींचने में सहायता मिलेगी। यह लघु, मध्यम और बड़े उद्योग स्थापित करने तथा कृषि आधारित प्रसंस्करण उद्योगों जैसे दलहन, तिलहन, सब्जी प्रसंस्करण को सहयोग प्रदान करने के लिए एक सुव्यवस्थित ढांचा उपलब्ध कराएगा। उम्मीद है कि इससे हजारों लोगों के रोजगार सृजित होंगे और बेरोजगारी की समस्या में कमी आएगी। उल्लेखनीय है कि इस परियोजना के साथ सड़क, बिजली, जल आपूर्ति, परिवहन और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे बुनियादी ढांचे का भी विस्तार होगा, जिससे स्थानीय जीवनस्तर में सुधार आएगा। इससे स्थानीय व्यापारी, सेवा व्यवसाय और छोटे बाजारों को भी नया अवसर मिलेगा।

स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने इस मंजूरी का स्वागत करते हुए कहा कि यह फैसला क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग का प्रतिफल है। औद्योगिक केंद्र से ग्रामीण युवाओं को अपने क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता की नौकरियां मिल सकती हैं और वे महंगी यात्राओं से बचेंगे। वे बाहरी निवेशकों को आकर्षित करने की बात कह रहे हैं, जिससे कुटुंबा एक समय में ही शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में विकसित हो सके। कुल मिलाकर यह निर्णय, औरंगाबाद की प्रगति यात्रा का एक प्रतीक बन सकता है, जो यह दर्शाता है कि बिहार अब जिला स्तर पर संतुलित और समावेशी विकास को गंभीरता से आगे बढ़ा रहा है।

महादलित बहनों ने पूर्व डीएम कंवल तनुज को भेजी राखी

औरंगाबाद (एसवीवी सं)। राखी का त्योहार भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक होता है, लेकिन औरंगाबाद जिले की महादलित महिलाओं ने इस रिश्ते को भावनात्मक गहराई से जोड़कर एक मिसाल कायम की है। जिले की महादलित बस्तियों की महिलाओं ने एक बार फिर पूर्व जिलाधिकारी कंवल तनुज को राखी भेजकर अपने भाई के प्रति स्नेह और सम्मान जताया है। यह सिलसिला कोई नया नहीं है, बल्कि लगातार आठ वर्षों से चल रहा है। इन बहनों ने रक्षाबंधन से पूर्व अपने प्रिय 'डीएम भैया' के नाम पर राखी भेजने की ज़िम्मेदारी समाजसेवी और कांग्रेसी नेता मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान को सौंपी।

बिहार सरकार
वाणिज्य-कर विभाग
बिहार सरकार

माल और सेवा कर अधिनियम (GST Act) के अंतर्गत निबंधित सामान्य करदाता

प्रत्येक महीने के लिए अगले महीने की 11 तारीख तक GSTR-1 दाखिल करें।

QRMP करदाता

प्रत्येक तिमाही के लिए त्रैमास समाप्ति के बाद वाले महीने की 13 तारीख तक GSTR-1 दाखिल करें।

Nil Return वाले करदाता

14409 नम्बर पर SMS के द्वारा GSTR-1 विवरणी अगले महीने की 11 तारीख तक दाखिल करें।

जैसे यदि किसी का GSTIN-10ABCDE1234Z1Z2 है और उन्हें अप्रैल 2025 का NIL GSTR 1 दाखिल करना है तो SMS इस प्रकार लिखेंगे - NIL R1 10ABCDE1234Z1Z2 042025 एवं 14409 नम्बर पर SMS करेंगे।

कृपया ध्यान रखें -
GSTR-1 समय पर दाखिल नहीं करने पर विधिक कार्रवाई की जा सकती है।

हेल्प डेस्क नंबर
0612-2233512, 2233513
2233514, 2233515 2233516

राज्य-कर आयुक्त सह-सचिव
वाणिज्य-कर विभाग, बिहार पटना

PR No.- 010556 (Commercial Tax)D. 2025-26